@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 18 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 8 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी को नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान

अबुजा (नाइजीरिया), 17 नवंबर। नाइजीरिया ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर नाइजर से सम्मानित किया। इस सम्मान के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी दूसरी ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, नाइजीरिया के ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे भारत के लोगों को समर्पित करता हूं। मोदी को दिया गया यह 17वां अतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं नाइजीरिया सरकार और नाइजीरिया के लोगों को नाइजीरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस सम्मान को विनम्रता और सम्मान के साथ स्वीकार करता हूं। इस सम्मान को मैं 140 करोड़ भारतीयों और भारत व नाइजीरिया की गहरी दोस्ती के रिश्ते को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। नाइजीरिया के राष्टपति के बोला अहम टिनुबु के निमंत्रण पीएम मोदी का यह दौरा हो रहा है और 17 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नाइजीरिया दौरा है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की यात्रा की थी।

दिल्ली में ऑनलाइन चलेंगी छठी से 11वीं तक की कक्षाएं

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 नवंबर। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने छठी से 11वीं कक्षा को ऑनलाइन चलाने का फैसला लिया है। फैसले के तहत 10वीं और 12वीं कक्षा पहले की तरह ही चलेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली में ग्रैप-4 के प्रतिबंध लागू हो गए हैं। इसे देखते हुए 11वीं कक्षा तक मंगलवार से ऑनलाइन कक्षाएं चलेंगी। ऑनलाइन कक्षाओं से 10वीं और 12वीं के छात्र इसे बाहर रहेंगे। इन्हें पहले की तरह पढ़ाया जाएगा। ऑनलाइन कक्षाएं अगले आदेश तक जारी रहेगी। हवा की गति व दिशा बदलने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी की दहलीज में पहुंच गई है। लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। रविवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 441 के करीब पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे अधिक एक्यूआई है, जो गंभीर श्रेणी में है। वहीं, शनिवार के मुकाबले वायु सूचकांक में 24 अंक की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पालम हवाई अड्डे पर हल्का कोहरा दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे से नौ बजे दृश्यता सबसे कम 500 मीटर दर्ज की गई। इसके बाद दोपहर साढ़े नौ बजे 600 मीटर हो गई। वहीं, सफदरजंग हवाई अड्डे पर सुबह 7 बजे से 9 बजे तक सबसे कम दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुधरकर 9:30 बजे 400 मीटर हो गई। सीपीसीबी के मुताबिक आनंद विहार, शादीपुर, बवाना समेत 14 इलाकों में एक्यूआई अति गंभीर श्रेणी में रहा। जबकि, मुंडका, नेहरू नगर समेत आठ इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी व डीटीयू, लोधी रोड समेत तीन इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। भारतीय उष्णदेशीय मौसम भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक रविवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम से उत्तर दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति 18 से 24 किलोमीटर प्रतिघंटे से रही। सोमवार को हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति छह से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे से चलेंगी। वहीं, सुबह के समय धुंध के साथ कोहरा छाए रहने की आशंका है। वहीं, मंगलवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलेंगी। हवा की चाल 12 से 14 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। दिल्ली में शनिवार के मुकाबले रविवार को वायु सूचकांक में 24 अंक की वृद्धि दर्ज की गई। रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 441 के करीब पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे अधिक एक्यूआई है। इसी को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप-4 लागू करने का निर्णय लिया है। राजधानी में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का चौथा चरण सोमवार से लागू हो जाएगा। यह सुबह आठ बजे से प्रभावी होगा। वायु प्रदूषण को बढ़ता देख वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने यह फैसला लिया है। ऐसे में भारी वाहनों के आवागमन की पाबंदी है। हालांकि, जरूरी सामान वाले ट्रकों को प्रवेश की अनुमति मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर सरकारी और निजी ऑफिस में 50 फीसदी कर्मचारियों के लिए घर से काम करने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, दिल्ली और एनसीआर राज्यों की सरकारों को छठी से लेकर 12वीं कक्षा तक की ऑनलाइन पढ़ाई करने की सिफारिश है। उधर, दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने छठी से 11वीं कक्षा को ऑनलाइन चलाने का फैसला लिया है। फैसले के तहत 10वीं और 12वीं कक्षा पहले की तरह ही चलेगी।

मुद्दों से ध्यान हटाकर सामजिक ध्रुवीकरण की हो रही कोशिश: प्रियंका गांधी

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 17 नवंबर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए गढ़चिरौली में रैली के दौरान भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति ने बड़ी परियोजनाओं को महाराष्ट्र से गुजरात भेज दिया। इसके चलते महाराष्ट्र के युवाओं को नौकरी नहीं मिल सकी। अब सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाकर सामाजिक ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने लड़की बहन योजना को लेकर कहा कि महिलाएं केवल 1500 रुपये के लिए नहीं बल्कि बेहतर जीवन के लिए वोट दें। उन्होंने कहा कि अगर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सत्ता में आता है, तो सोयाबीन की फसल के लिए किसानों को 7,000 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी दी जाएगी। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2.5 लाख से अधिक पद खाली पड़े हैं। युवा लगातार सीख रहे हैं, लेकिन उनको नौकरी नहीं मिल पा रही है। सरकार का प्राथमिक ध्यान खाली पदों को भरने पर होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। देश में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र के युवा आत्महत्या कर रहे हैं। यह बेरोजगारी को दूर करने में भाजपा की विफलता का परिणाम है। भाजपा के एक हैं सुरक्षित हैं नारे को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि सुरक्षित शब्द के दो अर्थ हैं। एक है सुरक्षा और दूसरा खजाना। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में एकमात्र व्यक्ति जो वास्तव में सुरक्षित है वह अदाणी है। पूरा देश जानता है कि अदाणी की सरकारी खजाने तक पहुंच है। जबकि लोग संघर्ष कर रहे हैं। हवाई अड्डे, बंदरगाह जैसे प्रमुख क्षेत्र अदाणी के नियंत्रण में हैं। सरकारी नीतियां एक व्यक्ति के पक्ष में हैं। सरकार को राष्ट्रीय संपत्ति को एक व्यक्ति को आवंटित करने के बजाय रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान हमारे नेता लोगों के प्रति जवाबदेह थे। भाजपा सरकार में जवाबदेही खत्म हो गई है। मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं रह गए हैं। अब उनका व्यवहार अलग है। वह अब वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाते हैं और समाज को ध्रुवीकृत करने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों से पूछें कि अदाणी को कितनी आदिवासी भूमि दी गई है। अगर एमवीए सत्ता में आती है, तो वह जवाबदेही, रोजगार सृजन और लोगों को सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कांग्रेस महासचिव ने अपने भाई राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर कहा कि राहुल रोज जातिगत जनगणना की बात कह रहे हैं। इस बारे में समझाने के लिए वह पूरे देश में यात्रा कर रहे हैं। मोदी कहते हैं कि राहुल गांधी आरक्षण के खिलाफ हैं। उन्होंने भाजपा पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि आपने एक सरकार चुनी और मोदी और उनके लोगों ने रिश्वतखोरी के ज़रिये उसे हटा दिया। एक नई सरकार (शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी की महायुति) बनी और आज हमें पता चला कि अदाणी उस सरकार का हिस्सा थे। प्रियंका गांधी ने मतदाताओं से वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या आपके पास पानी और बिजली की सुविधा है? आपकी आय क्या है? क्या बेरोज़गारी कम हो रही है? क्या महंगाई कम हो रही है? क्या आप अपने जीवन में प्रगति कर रहे हैं? प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस ने देश भर में एम्स, आईआईटी, बड़े बांध और अन्य प्रतिष्ठान स्थापित किए, लेकिन अब महाराष्ट्र के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यहां आने वाले बड़े उद्योगों को राज्य से बाहर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी सेमी-कंडक्टर परियोजनाएं और एयर बस गुजरात चली गईं। सफरान समेत अन्य बड़ी परियोजनाओं को भी महाराष्ट्र से बाहर कर दिया गया। कुल 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं महाराष्ट्र से बाहर कर दी गईं, 8 लाख नौकरियां चली गईं और 6,000 से ज़्यादा कंपनियां बंद हो गईं।

मणिपुर में एनपीपी ने हिंसा के मद्देनजर सरकार से वापस लिया समर्थन

नई दिल्ली, 17 नवंबर। मणिपुर में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। दरअसल हिंसा के मद्देनजर एनपीपी ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। जानकारी के मुताबिक एनपीपी ने राज्य में जारी हिंसा को रोकने लिए सीएम एन बीरेन सिंह की कोशिशों पर सवाल भी खड़े किए हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को राज्य में लंबे समय से चल रही अशांति के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे पत्र में लिखा- नेशनल पीपुल्स पार्टी मणिपुर राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहती है। पिछले कुछ दिनों में, हमने स्थिति को और बिगड़ते देखा है, जहाँ कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है और राज्य के लोग भारी पीड़ा से गुज़र रहे हैं। हमें दृढ़ता से लगता है कि सीएम बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर राज्य सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मणिपुर राज्य में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया है। मणिपुर में फिलहाल भाजपा नीत सरकार पर एनपीपी के समर्थन लेने के बाद भी कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि 60 विधानसभा सीट वाले राज्य में भाजपा के पास 37 सीटें हैं। इस तरह से भाजपा राज्य में बिना किसी समर्थन के सरकार चला सकती है, क्योंकि बहुमत के लिए भाजपा को किसी से समर्थन की जरूरत नहीं है। वहीं अन्य पार्टियों की बात करें तो इसमें नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच सीटें, एनपीपी सात, जनता दल (यू) एक, निर्दलीय उम्मीदवार तीन, कांग्रेस के पास पांच सीटें और कुकी पीपुल्स अलायंस के पास विधानसभा में दो सीटें हैं। पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में रह-रहकर हिंसा की खबरें आ रही हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अफसरों के साथ मणिपुर की हालत को लेकर अहम बैठक भी की है।

मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाल: उद्धव ठाकरे

कौमी संवाददाता

मुंबई, 17 नवंबर। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि नीति आयोग की मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (एमएमआर) को विकसित करने की योजना मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश है, जिससे बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका) की अहमियत को कम किया जा रहा है। मुंबई के बीकेसी मैदान में चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए, उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर एमएमआरडीए ने बीएमसी के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किया, तो वे इसे भंग करने में भी संकोच नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश केवल एक अफवाह नहीं, बल्कि एक गंभीर खतरा है। यह साजिश असली है, लेकिन हम इसे कभी सफल नहीं होने देंगे। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि सितंबर में एमएमआरडीए और

डब्ल्यूईएफ के बीच मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन को एक वैश्विक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए समझौता हुआ था, जो नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद आया। उन्होंने कहा, नीति आयोग की योजना बीएमसी की अहमियत को कम करती है, जो मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश का हिस्सा है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने यह भी कहा कि एमवीए सरकार की पहली प्राथमिकता महायुति सरकार की उन नीतियों को रद्द करना होगा, जिनसे मुंबई की जमीन अदानी समूह को सौंपी गई। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन विनाश के खिलाफ जरूर हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में गुजरात का शख्स गिरफ्तार

मुंबई, 17 नवंबर। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने रविवार को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में महाराष्ट्र के अकोला से एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जो गुजरात का रहने वाला है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 25 हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि गुजरात के आणंद जिले के पेटलाद निवासी सलमानभाई इकबालभाई वोहरा को अकोला में बालापुर से गिरफ्तार किया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर में हत्या कर दी गई थी, जब वह अपने विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के पास थे। अधिकारी के मुताबिक, वोहरा ने इस साल मई में एक बैंक खाता खोला था और नरेश कुमार सिंह (गिरफ्तार आरोपी गुरमेल सिंह का भाई), रुपेश मोहाल और हरीश कुमार को वित्तीय मदद प्रदान की थी। इसके अलावा, उसने हत्या से जुड़े अन्य लोगों की भी मदद की। इस हत्याकांड के बाद सबसे पहले गुरमेल सिंह (हरियाणा) और धर्मराज कश्यप (उत्तर प्रदेश) को मौके से गिरफ्तार किया गया था।

राजनीतिक लड़ाई को वोट जिहाद कहना गलत

पुणे, 17 नवंबर। महाराष्ट्र चुनाव में छिड़ा वोट जिहाद का नारा काफी उछल रहा है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वोट जिहाद का जवाब वोटों के धर्म युद्ध से देने की बात कही। अब राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने वोट जिहाद को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लड़ाई को वोट जिहाद कहना गलत है। हिंदू समाज को इसका जवाब देना चाहिए और डटकर मुकाबला करना चाहिए। गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि किसे वोट देना है, इसे लेकर पहले धार्मिक स्थलों से पर्चे बांटकर निर्देश जारी किए जाते थे, लेकिन अब वोट जिहाद जैसे नारे खुले तौर पर दिए जा रहे हैं। यह जिहाद धर्म-युद्ध के बराबर है। उन्होंने कहा कि दो राजनीतिक दलों के बीच लड़ाई को युद्ध कहना सही नहीं है। अब वोट जिहाद की खुले तौर पर वकालत की जा रही है। हिंदू समाज को बिना किसी हिचकिचाहट इसका मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्चा हिंदू होना मानवता का पक्षधर है। हमें छत्रपति शिवाजी महाराज की तरह सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना है। हमें अन्याय को भी सहन करना चाहिए। इसे पहले महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद फडणवीस ने वोट-जिहाद का मुकाबला वोटों के धर्म-युद्ध से करने की बात कही थी। उन्होंने महायुति सरकार के खिलाफ वोट जिहाद के लिए एक इस्लामी विद्वान की कथित अपील का जिक्र किया और दावा किया कि ऐसे प्रयासों के पीछे का उद्देश्य न केवल महाराष्ट्र सरकार बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी अस्थिर करना था। खड़कवासला में एक रैली के दौरान भाजपा नेता फडणवीस ने सज्जाद नोमानी का एक वीडियो दिखाया था।

शरद पवार ने मतदाताओं से की अजित गुट को हराने की अपील

सौरभ शर्मा

पुण, 17 नवंबर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने रविवार को अपने प्रतिद्वंद्वियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, मेरे अलावा किसी से भी पंगा ले लेना, लेकिन मुझसे नहीं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वह अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी को न केवल हराएं, बल्कि उन्हें बड़ी हार दें। सोलापुर जिले के माढा में एक चुनावी रैली को संबधित करते हुए पवार ने 1980 में हुए एक घटनाक्रम का जिक्र किया, जब उनके दल के 52 विधायक मुख्यमंत्री अब्दुल रहमान अंतुले के नेतृत्व में दूसरी पार्टी में चले गए थे, जिसके कारण उन्हें विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) का पद गंवाना पड़ा। पवार ने कहा कि उस समय उन्होंने किसी भी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि पूरे राज्य के लोगों से संपर्क किया और तीन साल तक मेहनत की। अगले चुनावों में उन्होंने उन सभी 52 विधायकों के खिलाफ युवा उम्मीदवारों को मैदान में उतारा, जो उन्हें छोड़कर चले गए थे। पवार ने कहा, मुझे महाराष्ट्र की जनता पर गर्व है, जिन्होंने उन 52 बागियों को हार का स्वाद चखाया। पवार ने अपने सियासी सफर का जिक्र करते हुए कहा, मैं 1967 में 27 साल की उम्र में विधायक बना था और तब से आज तक मैंने कभी हार का सामना नहीं किया। मेरे पास अपने अनुभव हैं। 83 वर्षीय नेता ने यह भी कहा, जो लोग मुझे धोखा दे रहे हैं, उन्हें उनकी सही जगह दिखाई जानी चाहिए। उन्हें न केवल हराओ, बल्कि उन्हें बड़ी हार दो। उनके इस बयान पर चुनावी सभा में मौजूद लोगों ने उनका समर्थन किया और उनके नाम के नारे लगाए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में पिछले साल जुलाई में विद्रोह हुआ, जब उनके भतीजे अजित पवार और आठ अन्य विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हुए। इसके बाद चुनाव आयोग के फैसले के तहत अजित पवार गुट को राकांपा (अजित पवार) नाम और घड़ी निशान मिला। जबकि शरद पवार गुट को राकांपा (शरदचंद्र पवार) नाम और तुतारी बजाते हुए आदमी का चिह्न मिला। अभी शरद पवार गुट ने उनके पोते युगेंद्र पवार को बारामती से उम्मीदवार बनाया है, उनका मुकाबला अजित पवार से होगा। अजित पवार 1991 से बारामती के विधायक रहे हैं। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती से उम्मीदवार बनाया, जिन्होंने शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा। सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा को इस चुनाव में आसानी से हरा दिया और तब अजित पवार ने यह माना कि उन्होंने अपनी पत्नी को उम्मीदवार बनाकर गलती की थी।

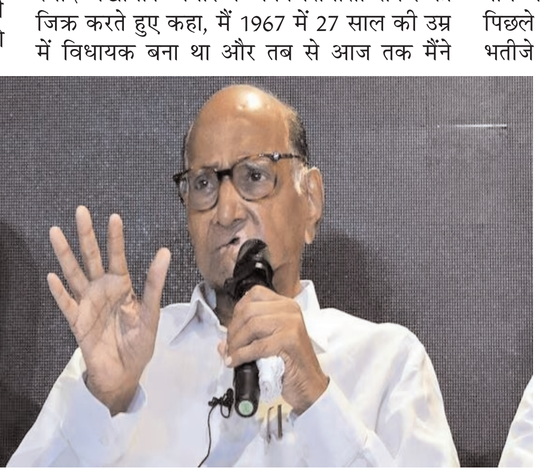

जाट-सिख और मुसलमानों को एक साथ जोड़ मोदी को घेरने की बन रही रणनीति: सत्यपाल मलिक

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 नवंबर। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा है कि जाटों-सिखों और मुसलमानों को एक साथ एक मंच पर लाकर 2029 में पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की राह रोकने की रणनीति बन रही है। इसके लिए विभिन्न समुदाय के नेताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है और कई नेताओं ने इस मुद्दे पर साथ आने का आश्वासन भी दिया है। जल्द ही इस मंच की घोषणा की जा सकती है। यदि यह योजना सफल रही तो आने वाले चुनावों में भाजपा के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। कई राज्यों के राज्यपाल का पद संभाल चुके सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा नेता यही दावा कर रहे हैं कि जाटों के बिना भी उन्होंने जीत हासिल कर ली। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा जाटों को अलग रखने की रणनीति पर जीत हासिल कर रही है तो वे अब सिखों और मुसलमानों को एक साथ लाकर भाजपा के मुकाबले बड़ी राजनीतिक ताकत खड़ी करने की कोशिश करेंगे। इसे जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा। मलिक का दावा है कि यदि यह विचार जमीन पर उतरता है तो हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी यूपी के साथ-साथ राजस्थान के लगभग दस जिलों में यह संगठन प्रभावी भूमिका अदा करेगा। हरियाणा में लोकसभा की दस सीटें हैं। पंजाब की 13, राजस्थान की 25 और पश्चिमी यूपी की 29 में लगभग 25 सीटों पर यह समीकरण अपना असर डाल सकता है। दरअसल, इसके पीछे विचार यह है कि चौधरी चरण सिंह के असर वाले क्षेत्रों में जाटों-मुसलमानों को एक साथ रखकर ही आरएलडी ने अपनी राजनीतिक जमीन बनाई थी। बाद में यह गठबंधन कमजोर पड़ गया। मुसलमान सपा-बसपा के पास चले गए तो जाट भी राष्ट्रवाद के नाम पर भाजपा के खाते में चले गए। मुजफ्फरनगर दंगे ने दोनों समुदायों में जो दो फाड़ की, उसे आज तक नहीं भरा जा सका। लेकिन अब ये नेता इस खाई को पाटते हुए नया समीकण पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

नवनीत राणा की सभा में हुआ जमकर हंगामा

अमरावती, 17 नवंबर। पूर्व सांसद नवनीत राणा की एक जनसभा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। हंगामा इतना बढ़ गया कि नौबत हाथापाई तक आ गई और लोगों ने पूर्व सांसद की तरफ कुर्सियां फेंकी। हंगामे से किसी तरह बचकर पूर्व सांसद पुलिस थाने पहुंची और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को काबू किया। नवनीत राणा शनिवार को अमरावती जिले के दर्यापुर विधानसभा क्षेत्र के गांव खल्लार में युवा स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार रमेश बुंदीले के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंची थीं। प्रचार सभा के दौरान हंगामा शुरू हो गया और देखते ही देखते कुछ लोगों ने नवनीत राणा की तरफ कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दीं। स्थिति बिगड़ने पर नवनीत राणा खल्लार पुलिस स्टेशन पहुंचीं और सभा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। पूर्व सांसद ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। ग्रामीण अमरावती के क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर किरण वानखेड़े ने बताया कि भाजपा नेता नवनीत राणा कल चुनाव प्रचार के लिए दर्यापुर विधानसभा के खल्लार गांव आईं थी। चुनावी सभा के दौरान दो गुटों में बहस हो गई। नवनीत राणा की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। गांव में एक पुलिस चेक पॉइंट बनाया गया है। हमने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं। जांच चल रही है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी नवनीत राणा को एक धमकी भरा पत्र मिला था, जिसमें उनसे 10 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। पूर्व सांसद की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

नेपाल के रास्ते कनाडा जा रहे दो संदिग्ध खालिस्तानी समर्थक को काठमांडू विमानस्थल पर रोका गया

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर दो संदिग्ध खालिस्तानी समर्थक को पुलिस ने कनाडा जाने से रोक दिया है। दोनों संदिग्ध इस समय नेपाल इमिग्रेशन के नियंत्रण में हैं जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। काठमांडू विमानस्थल पर रहे इमिग्रेशन के अधिकारियों ने नेपाल का विमानस्थल प्रयोग कर कनाडा जा रहे दो खालिस्तानी सिखों को रोके जाने की खबर है। विमानस्थल के सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि किसी भी भारतीय नागरिक के लिए नेपाल के रास्ते किसी अन्य तीसरे देश में जाने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना होता है। लेकिन इमिग्रेशन विभाग ने दो भारतीय नागरिकों को एनओसी के बिना ही यात्रा करने के कारण नियंत्रण में लिया है। इमिग्रेशन विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक पंजाब के रहने वाले हरजिंदर सिंह (पासपोर्ट नंबर S0561513) जो कि बिमान बांग्लादेश से ढाका के रास्ते कनाडा के तरफ जा रहे थे उनको रोका गया है। इसी तरह पंजाब के ही निवासी सोना सिंह (पासपोर्ट नंबर 0120889) जो कि एयर चाइना के विमान से छंगदू होते हुए इटली के रास्ते कनाडा जा रहे थे उनको भी इमिग्रेशन वालों ने रोक लिया है।

चीन और भारत के बीच छह कॉरिडोर बनाने के लिए नेपाल की तरफ से प्रस्ताव की तैयारी

काठमांडू,। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के प्रस्तावित चीन भ्रमण के दौरान चीन और भारत के बीच छह कॉरिडोर राजमार्ग बनाने के लिए प्रस्ताव करने की तैयारी की गई है। प्रधानमंत्री ओली के चीन भ्रमण की तैयारी में जुटे प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने चीनी दूतावास के अधिकारियों के साथ इस प्रस्ताव को भी एजेंडा में शामिल किया है। 30 नवंबर से नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा देउवा और 02 दिसंबर से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की प्रस्तावित चीन भ्रमण के दौरान नेपाल के तरफ से चीन और भारत को जोड़ने वाले छह सीमा नाका को जोड़कर कॉरिडोर राजमार्ग बनाने का प्रस्ताव किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत बहादुर राय ने बताया कि अभी विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण के एजेंडा को अंतिम रूप देने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि चीन भ्रमण में पोखरा एयरपोर्ट और बीआरआई कार्यान्वयन सहित चीन के तरफ से भौतिक पूर्वाधार निर्माण में सहयोग की सूची तैयार की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि नेपाल की तरफ से चीन और भारत को जोड़ने वाले छह प्रमुख सीमा नाका तक राजमार्ग बनाने का प्रस्ताव किया गया है।

पेरू में मिले इशिबा-जिनपिंग, जापान ने चीन के आक्रामक सैन्य युद्धाभ्यास पर चिंता जताई

लीमा। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच के शिखर सम्मेलन में यहां हिस्सा लेने पहुंचे जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात तो हुई पर रिश्तों में जमी बर्फ पूरी तरह नहीं पिघली। इशिबा ने शी से कहा कि जापान चीन के बढ़ते आक्रामक सैन्य युद्धाभ्यास से बेहद चिंतित है। जापान टुडे समाचार पत्र की खबर में इस मुलाकात पर विस्तृत चर्चा की गई है। इसमें कहा गया कि हालांकि शिगेरु इशिबा ने जिनपिंग से अपनी पहली व्यक्तिगत वार्ता में परस्पर लाभकारी और स्थिर संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इशिबा ने कहा कि जापान और चीन के बीच कई मतभेद हैं। इन मतभेदों के बावजूद वह राष्ट्रपति जिनपिंग से परस्पर संवाद के पक्षधर हैं। जापान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्ष विभिन्न स्तरों पर और अधिक बातचीत करने पर सहमत हुए। इनमें विदेश मंत्रियों की पारस्परिक यात्राएं और दोनों देशों की उच्चस्तरीय आर्थिक वार्ता शामिल है। हालांकि चीन अपने क्षेत्रीय दावों पर जोर देने के लिए जापान-नियंत्रित द्वीप के साथ-साथ ताइवान और दक्षिण चीन सागर में आक्रामक नौसैनिक और हवाई गतिविधियां जारी रखता है। इस साल अगस्त में एक चीनी सैन्य विमान ने जापान के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की थी। इसके अगले माह दक्षिणी चीनी शहर शेन्जेन में एक जापानी स्कूली छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

गिलगित-बाल्टिस्तान की चोटियों पर तेज बर्फबारी, तापमान शून्य से 14 डिग्री सेल्सियस नीचे

इस्लामाबाद। गिलगित-बाल्टिस्तान में हो रही बर्फबारी से इलाके में सड़क और संचार संपर्क कट गया है। भारी बर्फबारी से समूचे पहाड़ी इलाके में तापमान गिरकर शून्य से 14 सेल्सियस नीचे चला गया है। इससे क्षेत्रवासियों की मुसीबत बढ़ गई है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, गिलगित-बाल्टिस्तान के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी से बाबूसर टॉप और खुंजेराब दर्रा सहित प्रमुख मार्ग बंद हो गए हैं। इस वजह से पाकिस्तान और चीन मार्ग कई जगह बाधित हो गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि खुंजेराब दर्रे पर कई वाहन फंसे हुए हैं। राउंडू में चट्टान गिरने से बाल्टिस्तान रोड अवरुद्ध है। गिलगित-बाल्टिस्तान ने हुंजा, घीजर, स्कार्दू, शिगर और घांच जिलों में भारी बर्फबारी जारी रहने की चेतावनी दी है। स्कार्दू के डिप्टी कमिश्नर के मुताबिक, सेना ने बर्फ से ढके देवसाई में फंसे 15 यात्रियों को बचा लिया है।

सूडान में हालात बेहद गंभीर, जारी हिंसा से गहरा सकता है मानवीय संकट- संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्मियों ने चेतावनी दी है कि सूडान में बढ़ती हिंसा के कारण हजारों लोग खतरे में हैं। यह हिंसा मानवीय संकट को और गंभीर बना रही है। 'इंटरनेशनल माइग्रेशन ऑर्गेनाइजेशन' के अनुसार, एक महीने से भी कम समय में, सूडान की राजधानी 'खार्तूम' के दक्षिण में अज जजीरा राज्य में 3,43,000 से अधिक सूडान के नागरिक विस्थापित हो गए हैं। ये नागरिक लगातार बढ़ रही लड़ाई और असुरक्षा के बीच मौजूद हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार उनमें से अधिकांश पड़ोसी राज्यों 'गेदारेफ' और 'कसाला' में भाग गए हैं, जहां संयुक्त राष्ट्र और उनसे साझेदार, मेजबान लोगों के साथ मिलकर भोजन, शेल्टर, हेल्थ केयर, मनोवैज्ञानिक सेवाएं, पानी और स्वच्छता समेत इमरजेंसी सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं।

मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने चेतावनी दी है कि अज जजीरा में हथियारों के साथ हो रही हिंसा करीब 10,000 लोगों के जीवन को खतरे में डाल रही है। कार्यालय द्वारा पिछले सप्ताह किए गए एक आकलन में पाया गया कि 'गेदारेफ' और 'कसाला' में आने वाले विस्थापित सूडान के नागरिक कई दिनों तक पैदल चले थे। अब वे खुले में शरण ले रहे हैं, जिनमें बच्चे, महिलाएं, बूढ़े और बीमार व्यक्ति शामिल हैं। ओसीएचए ने कहा कि अज जजीरा में लड़ाई से भागे नागरिकों को तुरंत टेंट, प्लास्टिक शीट, हीटर, गद्दे, दवाइयां और भोजन की जरुरत है। विस्थापन की वजह से 'गेदारेफ' में हैजा के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है।इस महीने की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के एक्सटर्नल रिलेशन के डायरेक्टर डोमिनिक हाइड ने कहा, दर्द, क्रूर अत्याचार और व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन को डेढ़ साल से अधिक समय हो गया है। हर दिन, हर मिनट, दुनिया के ध्यान से दूर युद्ध और हिंसा से हजारों लोगों की जान चली जाती है। संयुक्त राष्ट्र के कार्यकर्ताओं ने नागरिकों की सुरक्षा की अपनीअपील दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानवीय कानून के तहत, नागरिकों को जीवित रहने के लिए आवश्यक सहायता को उन तक पहुंचना चाहिए।

वूशी कॉलेज में चाकूबाजी, 8 की मौत, 17 घायल

एजेंसी

वूशी। चीन के वूशी शहर में एक दर्दनाक घटना में, यीशिंग आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कॉलेज में 21 वर्षीय छात्र ने चाकू से हमला कर 8 लोगों की जान ले ली, जबकि 17 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे घटी। संदिग्ध हमलावर, जिसका सरनेम शू बताया जा रहा है, कॉलेज का ही पूर्व छात्र था। उसे घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शू अपने परीक्षा परिणाम खराब होने और डिप्लोमा न दिए जाने से नाराज था। इसके अतिरिक्त, इंटर्नशिप के दौरान कम वेतन मिलने से भी वह परेशान था। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, शू ने हमले की बात स्वीकार कर ली है। यह भी सामने आया है कि इस क्रूर कदम के पीछे उसका गुस्सा और असंतोष था।

घायलों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में जारी है, और पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। यह घटना न केवल स्थानीय समुदाय बल्कि पूरे देश में सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवाल खड़े कर रही है।

इस घटना ने शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और

तनाव प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक तनाव को समझने और समय रहते उनका समाधान करने की पहल की जानी चाहिए।

भारत–नेपाल के सीमा सुरक्षा प्रमुखों की बैठक साल में दो बार आयोजित करने का प्रस्ताव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने वर्ष में दो बार सीमा सुरक्षा प्रमुख स्तर की द्विपक्षीय बैठकें आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है। एपीएफ और एसएसबी प्रमुखों के नेतृत्व में शनिवार से काठमांडू में शुरू हुई दो दिवसीय सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया। वर्ष 2012 से दोनों देशों द्वारा वर्ष में एक बार एपीएफ और एसएसबी प्रमुख स्तर की सीमा सुरक्षा समन्वय बैठकें आयोजित की जाती रही हैं। दोनों पक्षों की सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, सीमा सुरक्षा, सीमा पार अपराध की रोकथाम और नियंत्रण, तीसरे देश के नागरिकों की घुसपैठ पर नियंत्रण और आतंकवाद पर नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बैठक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। एपीएफ सीमा सुरक्षा के लिए तैनात नेपाल की मुख्य सुरक्षा एजेंसी है। भारत की तरफ से नेपाल के सीमावर्ती इलाके में एसएसबी तैनात रहती है। सशस्त्र पुलिस बल के महानिरीक्षक राजू अर्याल के नेतृत्व में एपीएफ मुख्यालय में आज से शुरू हुई आठवीं बैठक में सशस्त्र पुलिस, नेपाल पुलिस और गृह मंत्रालय के अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस बैठक में बैठक में सहभागी होने के लिए एसएसबी के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद के नेतृत्व में सुरक्षा अधिकारी काठमांडू आये हैं। बैठक में भाग ले रहे एपीएफ के डीआईजी पुरुषोत्तम थापा ने बताया कि आज की बैठक में सीमा पार अपराध की रोकथाम, नियंत्रण, सीमा सुरक्षा से संबंधित विषयों को दोनों देशों के साझा एजेंडे के रूप में प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया है।

नेपाल के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषि राम तिवारी ने कहा कि सीमा सुरक्षा के लिए तैनात दोनों देशों के सुरक्षा प्रमुख आम समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। सीमा पार अपराध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निर्धारित शासनादेशों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाए, इस मुद्दे को एक आम एजेंडे के रूप में सामने रखा गया है। बैठक में पिछले एजेंडे की समीक्षा भी की गयी।

आईएईए चीफ ने किया ईरान की न्यूक्लियर साइट्स का दौरा

एजेंसी

तेहरान । अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पहली बार नतांज और फोर्डो में दो ईरानी परमाणु स्थलों का दौरा किया। सिन्हुआ ने शुक्रवार को अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी।

यात्रा के दौरान ग्रॉसी के साथ आईएईए के उप महानिदेशक और आईएईए के सुरक्षा विभाग के प्रमुख मास्सिमो अपारो, ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के प्रवक्ता बेहरोज कमालवंडी और कानूनी एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के लिए ईरानी उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी भी थे। गुरुवार को, ग्रॉसी ने ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अरागची के साथ अपनी बैठक के बाद मीडिया से कहा कि दोनों परमाणु साइट्स का दौरा, ईरान की उनकी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि इससे मुझे ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विकास की पूरी तस्वीर समझने में मदद मिलेगी। गुरुवार को, ग्रॉसी ने देश की परमाणु गतिविधियों पर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और एईओआई के अध्यक्ष मोहम्मद इस्लामी से भी मुलाकात की। बता दें कि ग्रॉसी की ईरान यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब तेहरान और आईएईए के बीच कई लंबित मुद्दे अभी भी सुलझ नहीं पाए हैं। इसमें एजेंसी का यह दावा भी शामिल है कि उसे कई अघोषित ईरानी स्थलों पर यूरेनियम के अवशेष मिले हैं, जिसे तेहरान ने बार-बार खारिज किया है।

लेबनान पर इजरायली हवाई हमले में 11 की मौत, 11 घायल

एजेंसी

बेरूत,। दक्षिण और पूर्वी लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है।

शनिवार को आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पूर्वी बालबेक-हर्मेल गवर्नमेंट के खीबेह गांव में एक घर पर इजरायली हमले में एक ही परिवार के छह लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, नाबातिया नगरपालिका के गोदाम पर हुए हमले में पांच कर्मचारियों की मौत हो गई सैन्य सूत्रों के अनुसार, शनिवार को इजरायली युद्धक विमानों और ड्रोन ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर लगभग 90 हमले किए। इसके अलावा, 16 गांवों पर लगभग 75 गोले दागे गए। इसके अलावा रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में तीन पैरामेडिक्स की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। समाचार

एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्लाह ने शनिवार को एक बयान में बताया कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान के चामा गांव में एक इजरायली टैंक को मिसाइल से निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार सैनिक हताहत हुए।

उन्होंने इजरायली सैनिकों और वाहनों के ठिकानों को भी मिसाइल और रॉकेट से निशाना बनाया। इनमें उत्तर इजरायल के शहरों जैसे अकरे, हैफा, सफेद और किर्यात शमोना शामिल हैं। 23 सितंबर से इजरायल ने लेबनान पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अक्टूबर की शुरुआत में इजरायल ने लेबनान सीमा पर जमीनी अभियान भी शुरू कर दिया है। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 8 अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमलों में 3,452 लोग मारे गए और 14,664 लोग घायल हुए।

चोरी की कार में सवार होकर ट्रंप के घर पहुंचा एक शख्स

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में एक व्यक्ति को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह चोरी की कार से मार-ए-लागो (ट्रंप का घर) पहुंचा और उसने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करने की इच्छा जताई। पाम बीच पुलिस ने शख्स की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए इस बात की जानकारी दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गर्मियों के बाद से मार-ए-लागो में गिरफ्तार होने वाला यह तीसरा शख्स है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई, जब ट्रंप ने हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। जेल के रिकॉर्ड से पता चलता है कि 52 वर्षीय सरसोटा निवासी शख्स पर वाहन चोरी और बिना वैध लाइसेंस के मोटर वाहन चलाने का आरोप है। उसे शुक्रवार की सुबह पाम बीच काउंटी जेल में 5,250 डॉलर के बांड पर रखा गया था, जिसके

बाद उसे जज के समक्ष पहली बार पेश होना था।पाम बीच पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह एक एसयूवी हुंडई कोना में सवार होकर मार-ए-लागो क्लब के पास स्थित एक पार्किंग स्थल पर पहुंचा। इसके बाद उसने गुरुवार रात 9-15 बजे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से बात करने की इच्छा जताई। रिपोर्ट में कहा गया कि पाम बीच काउंटी शेरिफ के कार्यालय डिटेक्टिव और यूएस सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उसे पकड़ लिया।

55, 000 डाक कर्मचारी हड़ताल पर, पोस्टल सेवाएं प्रभावित

एजेंसी

ओटावा । कनाडा पोस्ट ने कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान उसका कामकाज बंद रहेगा। इससे लाखों कनाडाई नागरिक और देशभर के बिजनेस प्रभावित होंगे। कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) के प्रतिनिधित्व वाले लगभग 55,000 डाक कर्मचारी शुक्रवार को मध्य रात्रि के बाद देशव्यापी हड़ताल पर चले गए।

कनाडा पोस्ट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान मेल और पार्सल वितरित नहीं किए जाएंगे और कुछ डाकघर बंद रहेंगे।बयान में कहा गया कि डाक नेटवर्क में पहले से मौजूद वस्तुओं के लिए सर्विस गारंटी प्रभावित होगी और राष्ट्रीय व्यवधान समाप्त होने तक कोई भी नई वस्तु स्वीकार नहीं की जाएगी।समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा

पोस्ट ने अपने एक बयान में कहा कि परिचालन फिर से शुरू होने पर वस्तुओं को जल्दी से जल्दी लोगों तक पहुंचाया जाएगा।डाक नेटवर्क में सभी मेल और पार्सल को सुरक्षित किया जाएगा और परिचालन फिर से शुरू होने पर जल्दी ही लोगों तक पहुंचा दिया जाएगा। बता दें कि देश भर में अपनी सुविधाएं बंद करने से कनाडा पोस्ट का पूरा राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभावित होगा। कंपनी ने कहा कि प्रोसेसिंग और डिलीवरी को पूरी तरह से सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है।इसे कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) ने कहा कि एक वर्ष तक बातचीत के बाद भी कोई प्रगति नहीं होने पर डाक कर्मचारियों ने हड़ताल करने का कठिन निर्णय लिया। सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि कनाडा पोस्ट के पास इस हड़ताल को रोकने का अवसर था, लेकिन उसने डाक कर्मचारियों द्वारा रोज सामना किए जाने वाले मुद्दों के वास्तविक समाधान पर बातचीत करने से इनकार कर दिया। सीयूपीडब्ल्यू ने कहा, हड़ताल अंतिम उपाय है। सीयूपीडब्ल्यू की उचित वेतन, सुरक्षित कार्य स्थितियां, सम्मान के साथ सेवानिवृत्त होने का अधिकार, तथा सार्वजनिक डाकघर में सेवाओं का विस्तार जैसी मांगो को लेकर हड़ताल कर रही है। सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि बातचीत के जरिए सामूहिक समझौते किए जा सकते हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सैन्य शिविर पर हमला, सात सैनिकों की मौत

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के कलात इलाके में शनिवार तड़के एक सैन्य शिविर पर हुए हमले में कम से कम सात पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। जानकारी के अनुसार, भारी मात्रा में गोला-बारूद से लैस बीएलए आतंकवादियों ने कलात के शाह मर्दन इलाके में पाकिस्तानी सेना के मुख्य शिविर पर हमला किया। यह हमला पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की ओर से पिछले कुछ दिनों में जारी अभियानों के जवाब में किया गया। सेना के ऑपरेशन में बड़ी संख्या में आंतकवादी मार गए हैं।बताया जा रहा है कि हमलावरों ने शिविर पर कथित तौर पर एक साथ कई दिशाओं से हमला किया।

पाकिस्तानी सेना के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से इस घटना के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। हालांकि, कलात के स्थानीय सूत्रों की मानें तो यह हमला बड़ी संख्या में आतंकवादियों द्वारा किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) बलूचिस्तान के सैनिक हताहत हुए।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जो–शी मुलाकात: ट्रम्प की वापसी से पहले बाइडेन व जिनपिंग के बीच अमेरिका–चीन संबंधों पर बात

एजेंसी

लीमा। पेरू में वार्षिक एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। जिनपिंग ने मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ अपनी आखिरी मुलाकात में नए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मिलकर काम करने की बात कही। दोनों नेताओं की सम्मेलन से इतर हुई इस अहम बैठक में जिनपिंग ने कहा कि चीन नए डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि

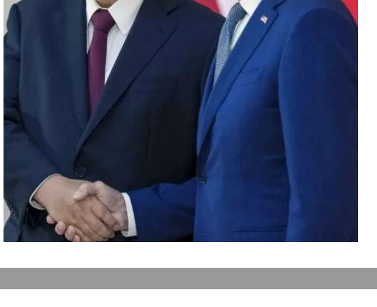

चीन की सरकार संचार बनाए रखने, सहयोग बढ़ाने और मतभेद कम करने के लिए काम करेगी। दोनों नेताओं के बीच परमाणु हथियारों के नियंत्रण को लेकर भी चर्चा हुई। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने एआई तकनीक को सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदारी से विकसित करने और इसके जोखिमों को सावधानी से समझने पर सहमति जताई। बैठक में आपसी व्यापार और ताइवान के मुद्दे पर तनाव कम करने को लेकर भी चर्चा हुई। चीन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, जिनपिंग ने अमेरिका में हो रहे बदलावों के मुद्दे पर बात की और कहा कि उनका लक्ष्य दोनों देशों के बीच स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ रिश्ते बनाए रखना है। शी ने कहा कि चीन नए अमेरिकी प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है और लोगों की भलाई वाले बदलावों की उम्मीद करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीते डोनाल्ड ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी के साथ चीन-अमेरिका के रिश्तों में तनाव और बढ़ने का अंदेशा है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी चीन को लेकर रुख साफ करते हुए उसे अमेरिका का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी कहा था। बाइडेन के शासनकाल में भी दोनों देशों के संबंध कड़वाहट भरे रहे।

नेतन्याहू के आवास पर फिर हमला, दो फ्लैश बम दागे, इजराइल ने अंजाम भुगतने की चेतावनी दी

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तरी इजरायली शहर कैसरिया स्थित निवास की ओर दो फ्लैश बम दागे गए जो बगीचे में गिरे। घटना में किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। शनिवार शाम सुरक्षा निकायों की तरफ से दिए गए संयुक्त बयान में बताया गया है कि घटना के समय नेतन्याहू और उनके परिवार के सदस्य घर में मौजूद नहीं थे। घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है। इजराइल ने इस हमले को उकसाने वाली बेहद गंभीर हरकत करार देते हुए हमलावरों को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। दी टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि घटना की जांच चल रही है। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने रविवार तड़के एक्स पोस्ट साझा कर कहा कि सुरक्षा और न्यायिक एजेंसियों से आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गविर ने भी एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई सभी सीमाओं को पार कर गई है। आज रात उनके घर पर फ्लैश बम दागना एक और लाल रेखा को पार करने जैसा है।

भारत ने सूरीनाम को भेजी 425 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए दक्षिणी अमेरिकी देश सूरीनाम को 425 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर बताया कि सूरीनाम के साथ

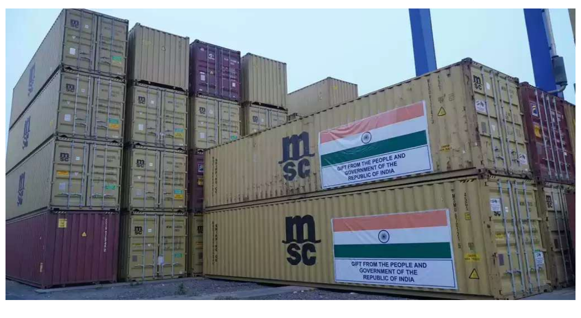

संबंधों को आगे बढ़ते हुए भारत ने अपनी प्रतिबद्धता पूरी की है। सूरीनाम सरकार को उनके समाज कल्याण कार्यक्रम के लिए खाद्यान्न और अन्य खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है। लगभग 425 मीट्रिक टन की पहली खेप आज भारत से सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो के लिए रवाना हुई।

केंद्र ने मणिपुर में शांति बहाली के लिए सुरक्षा बलों को आवश्यक कदम उठाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि सभी सुरक्षा बलों को मणिपुर में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में सुरक्षा परिदृश्य नाजुक बना हुआ है। संघर्ष में दोनों समुदायों के सशस्त्र उपद्रवी हिंसा में लिप्त रहे हैं, जिससे दुर्भाग्य से लोगों की जान चली गई और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हुई। सभी सुरक्षा बलों को व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। हिंसक और विघटनकारी गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी। प्रभावी जांच के लिए महत्वपूर्ण मामले एनआईए को सौंप दिए गए हैं। जनता से अनुरोध है कि वे शांति बनाए रखें, अफवाहों पर विश्वास न करें और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए एक अरब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए देशव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत अब तक एक अरब पेड़ लगाए जा चुके हैं। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने ट्वीट करके कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान एक बड़े पड़ाव पर पहुंच गया है। इस अभियान के तहत 1 अरब पेड़ लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' के नाम अभियान एक बड़े पड़ाव पर पहुंच गया है। भूपेन्द्र यादव ने कहा कि हरित भारत के निर्माण की दिशा में अभियान की आश्चर्यजनक सफलता दर्शाती है कि हम अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों पर प्रगति के लिए कैसे दृढ़ हैं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर इस अभियान में लाखों भारतीयों की जनभागीदारी दर्शाती है कि भारत प्रकृति के साथ एकता के सिद्धांत से कैसे जीता है। उन्होंने पड़े लगाने का आह्वान किया।

एमसीसी उल्लंघन पर कांग्रेस और भाजपा को आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में स्टार कैंपेनर की ओर से कथित आदर्श आचार संहिता(एमसीसी) के उल्लंघन के मामले में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों को अलग-अलग नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के नाम लिखे पत्र में उन्हें उनके खिलाफ मिली शिकायतों पर सोमवार दोपहर 1:00 तक जवाब देने के लिए कहा है। भाजपा ने जहां 11 नवंबर को आयोग से शिकायत की थी, वहीं कांग्रेस ने 13 नवंबर को दो शिकायतें की थीं।

उद्योगों ने राज्य से किया पलायन

रत्नागिरी, 17 नवंबर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को आरोप लगाया कि पिछली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की वजह से उद्योगों ने राज्य से पलायन किया था, क्योंकि उन्हें सरकार का समर्थन नहीं मिल रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। गुहागर सीट के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, अब महाराष्ट्र ने फिर से देश में अपनी शीर्ष स्थिति हासिल कर ली है और राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के कुल प्रवाह का 52 फीसदी मिल रहा है। शिंदे ने कहा, उद्योगों ने राज्य से इसलिए पलायन किया क्योंकि महा विकास अघाड़ी सरकार ने उन्हें समर्थन नहीं दिया और अब हम पर आरोप लगा रहे हैं। आपने (एमवीए) दो ढाई साल में क्या किया, यह बताओ। मैं बताने के लिए तैयार हूं कि राज्य में कौन से उद्योग आए और कौन से चल रहे हैं। लोगों को सच बताओ। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि शिवसेना-भाजपा-राकांपा सरकार राज्य में पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश लेकर आई है।

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक को आईजीबीसी सीनियर फेलो की उपाधि से सम्मानित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार को भारत में हरित भवन आंदोलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए आईजीबीसी सीनियर फेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया ।आईजीबीसी और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित यह कांग्रेस हरित निर्मित पर्यावरण पर एशिया का सबसे बड़ा सम्मेलन है । दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार को बेंगलुरु में आयोजित 22वीं कांग्रेस में इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा प्रतिष्ठित आईजीबीसी सीनियर फेलोशिप से शनिवार को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान न केवल दिल्ली मेट्रों रेल

कार्पोरेशन (डीएमआरसी) में बल्कि परिचालन के तहत विभिन्न भारतीय महानगरों में हरित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने में उनके योगदान को दर्शाता है । पहले विशेष रूप से मेट्रो प्रणालियों के लिए कोई ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग प्रणाली नहीं थी। इस अंतर को पहचानते हुए, 2014 में,डीएमआरसी और आईजीबीसी ने विशेष रूप से मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम(एमआरटीसी) के लिए विश्व का पहला हरित प्रमाण मानदंड बनाने के लिए सहयोग किया। इस रेटिंग को डीएमआरसी के साथ - साथ भारत के अन्य महानगरों ने भी अपनाया है । इस साल की शुरुआत में मेट्रो भवन को 'कार्बन न्यूट्रल' का नाम दिया गया। नोएडा में एक आवासीय कॉलोनी मेट्रो निकेतन को दिया गया । तीन चरणों के दौरान निर्मित डीएमआरसी के मेट्रो स्टेशनों को आईजीबीसी ,एमआरटीएस रेटिंग सिस्टम के अनुसार प्लेटिनम प्रमाणित किया गया है। रिसीविंग सब स्टेशन (आरएसएस) के साथ-साथ इसकी कॉलोनियों और कॉर्पोरेट मुख्यालय, मेट्रो भवन को भी आईजीबीसी द्वारा ग्रीन बिल्डिंग के रूप में प्रमाणित किया गया है।इसी तरह के प्रयास निर्माणाधिन आगामी चरण चार में भी जारी रहेंगे ।

रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने इंद्रपुरी हॉल्ट पर फुट ओवर ब्रिज का किया शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह ने दिल्ली में इंद्रपुरी हॉल्ट पर फुट ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया। इसका निर्माण कार्य अगले साल

जुलाई तक पूरा हो जाएगा। इस पर लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस अवसर पर नई दिल्ली की भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक सुखविंदर सिंह और उत्तर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पुराना फुट ओवर ब्रिज 55 वर्ष पुराना है और सुरक्षा कारणों से नए फुट ओवर ब्रिज की आवश्यकता है। नए फुट ओवर ब्रिज की चौड़ाई 6.10 मीटर और लंबाई 257 मीटर होगी। पुराने की चौड़ाई 5.10 मीटर थी।इसका इस्तेमाल नारायणा गांव, इंद्रपुरी और आस-पास के निवासी और यात्री कर सकेंगे। यह फुट ओवर ब्रिज दिव्यांगजनों के सुगम आवागमन के लिए डिज़ाइन किया गया है जिससे की उन्हें कोई असुविधा न हो।

जूता बनाने वाली फैक्टरी में लगी आग, 7 घंटे बाद काबू

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के घेरवा मोड़ में शनिवार देर रात एक जूते बनाने की फैक्टरी में अचानक आग लग गई। खबर मिलते ही स्थनीय पुलिस व दमकल विभाग की 30 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग बुझाने के दौरान दो से तीन दमकलकर्मी मामूली रूप से झुलस गए। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि कूलिंग ऑपरेशन पूरा होने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

दमकल विभाग के अनुसार रात 2.30 बजे दमकल विभाग को सूचना मिली कि घेरवा मोड़ स्थित एक फैक्टरी में आग लग गई है। मामले की सूचना मिलते ही अलग-अलग दमकल

स्टेशन से 30 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल के अनुसार फैक्टरी पांच हजार गज में बनी हुई है। प्लास्टिक रबड़ होने के कारण आग तेजी से फैली। राहत की बात है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

भाजपा के संघर्ष से जीती गई मार्शलों की लड़ाई, आआपा सरकार को झुकना पड़ा-विजेन्द्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा संघर्ष रंग लाया और आखिरकार, आम आदमी पार्टी (आआपा) को झुकना पड़ा और मार्शलों की बहाली का कॉल आउट नोटिस जारी करना पड़ा।

गुप्ता ने कहा कि आम आदमीं पार्टी(आआपा) लगातार मार्शलों को गुमराह कर अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकने में लगी थी। केजरीवाल सरकार ने अक्टूबर 2023 मे मार्शलों को कोई भी नोटिस दिये बिना अचानक नौकरी से हटा दिया था। मार्शलों को इस प्रकार हटाकर उनके अधिकारों का हनन किया गया था। इसके बाद भाजपा ने इस अन्याय के खिलाफ सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष किया और मार्शलों की बहाली की मांग को बुलंद किया। उन्होंने कहा आआपा सरकार ने बार-बार मार्शलों को गुमराह किया और

राजनीति की, लेकिन भाजपा 26 सितम्बर को जब मार्शलों की बहाली का प्रस्ताव सदन में लाई तो आखिरकार, आम आदमी पार्टी को झुकना पड़ा और मार्शलों की बहाली का कॉल आउट नोटिस जारी करना पड़ा। गुप्ता ने कहा यह जीत सिर्फ भाजपा की नहीं, बल्कि उन सभी मार्शलों की है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए धैर्य और साहस दिखाया। गुप्ता ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का भी आभार प्रकट करते हुए कहा कि मार्शलों के इस संघर्ष में उपराज्यपाल की भूमिका सराहनीय है क्योंकि वह लगातार मार्शलों के रोज़गार की बहाली के पक्षधर रहे।

मुंडका गोलीकांड का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुंडका सनसनीखेज मर्डर मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शार्प शूटर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल और मोबाइल बरामद किया गया है। न्यू दिल्ली रेंज के एसीपी उमेश बरथवाल की देखरेख में इंस्पेक्टर राकेश शर्मा, योगेश माथुर और विनोद की टीम ने इस आरोपित को दबोचने में कामयाबी पाई है। आरोपित की पहचान तुषार उर्फ काली के रूप में हुई है। यह हरियाणा के पानीपत का रहने वाला है। इस मामले में स्पेशल सेल की टीम ने मुठभेड़ में निहाल को पहले गिरफ्तार कर चुकी है, जो मोटर साइकिल बरामद की गई, वह रानी बाग इलाके से चुराई गई थी। उल्लेखनीय है कि 09 नवंबर को गोगी गैंग के अमित लाकड़ा नाम के शख्स की गोली मारकर हत्या की गई थी। वह एक गैंग से जुड़ा हुआ था और लूट के मामले में बेल पर छूटकर बाहर आया था।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा, 'वन हेल्थ' के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता : अनुप्रिया पटेल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने कहा कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है जिसके लिए 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है जो मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री पटेल सऊदी अरब के जेद्दा में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर चौथे मंत्रिस्तरीय उच्च स्तरीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस सम्मेलन का विषय 'घोषणा से कार्यान्वयन तक-एएमआर की रोकथाम के लिए बहुक्षेत्रीय भागीदारी के माध्यम से कार्यों में तेजी लाना' था। केंद्रीय मंत्री पटेल ने अपने संबोधन में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर घोषणा में की गई प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए व्यावहारिक कदमों के एक सेट की रूपरेखा बताते हुए निगरानी को मजबूत करने, सहयोग को बढ़ावा देने और रोगाणुरोधी पहुंच में महत्वपूर्ण बाधाओं

को दूर करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में एएमआर का पता लगाने और निगरानी क्षमताओं में सुधार लाने के उद्देश्य से एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रस्ताव करता है, जिससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर साक्ष्य-आधारित रोगाणुरोधी उपयोग को निर्देशित करने के लिए डेटा के उपयोग को सक्षम किया जा सके। यह सभी क्षेत्रों में एकीकृत और अंतर-संचालनीय निगरानी प्रणालियों के निर्माण की नींव रखेगा। भारत एएमआर मल्टी-पार्टनर ट्रस्ट फंड के निर्माण और 2025 में चतुर्पक्षीय संगठनों द्वारा एएमआर के खिलाफ कार्रवाई के लिए साक्ष्य पर एक स्वतंत्र पैनल की स्थापना का भी समर्थन करता है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि विकासशील देशों, विशेषकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में रोगाणुरोधी, निदान और टीकों की पहुंच और सामर्थ्य में आने वाली बाधाओं को दूर करने के महत्व पर भी जोर देता है। एएमआर से संबंधित मौतों की आधारभूत दरें, सदस्य देशों को एएमआर से संबंधित मौतों को 10 प्रतिशत तक कम करने के वैश्विक लक्ष्य की दिशा में प्रगति को ट्रैक करने में मदद करती हैं, जैसा कि यूएनजीए राजनीतिक घोषणा में प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एएमआर में योगदान करने वाले कारक अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में अलग-अलग हैं और इसलिए, चुनौती को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए कार्यों को स्थानीय संदर्भ के अनुरूप बनाया जाना चाहिए।

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि श्रीमती श्वेता कुमारी और श्री राकेश निम्नलिखित फ्लैट्स को व्यक्तिगत रूप से खरीदने का इरादा रखते हैं- फ्लैट नंबर 12-B प्रथम तल पर (छत अधिकारों के बिना), जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज (75.24 वर्ग मीटर) × फ्लैट नंबर 12-C द्वितीय तल पर (छत अधिकारों के बिना), जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज (75.24 वर्ग मीटर), उक्त दोनों फ्लैट्स खसरा संख्या 476, ग्राम बुरारी, नई दिल्ली-110084 स्थित हैं। यह संपत्ति श्री धीरज कुमार पारख और श्री धीरज कुमार दुग्गर द्वारा बेची जा रही है। इन दोनों तलों की खरीदारी को जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।, जिसका शाखा इकाई 3001-3002, तीसरी मंजिल, स्लस्न मेट्रोपोलिस, रूत. रोड, गुड़गांव (हरियाणा)-122001 में स्थित है। संपत्ति से संबंधित मूल बिक्री पत्रक निम्नलिखित दस्तावेजों में दर्ज हैं- दस्तावेज़ संख्या 523, पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 2811, पृष्ठ संख्या 181-187, दिनांक 27.01.2009, SRO-I दिल्ली × दस्तावेज़ संख्या 522, पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 2811, पृष्ठ संख्या 174-180, दिनांक 27.01.2009, SRO-I दिल्ली। यह और सूचित किया जाता है कि उपरोक्त उल्लिखित बिक्री पत्रक दस्तावेज़ खो गए हैं। इसके संबंध में 12.11.2024 को P.S. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में एफआईआर संख्या LR 2294226/2024 और 2294198/2024 दर्ज की गई है। यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा.।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्री शशि भूषण पांडे और श्रीमती सुमा बेबी पांडे, निर्माणाधीन पहले तल (First Floor) (छत अधिकारों के बिना) संपत्ति नंबर 2624-A, क्षेत्रफल 160 वर्ग गज (133.76 वर्ग मीटर), पुनर्विकास योजना के लेआउट प्लान किंग्सवे कैम्प, हडसन लाइन्स, दिल्ली-110009 में स्थित है। इस संपत्ति की प्रारंभिक मालिक श्रीमती रानी अरोड़ा थीं, जिन्होंने 29.04.2003 को डीडीए से कन्वेयंस डीड (Conveyance Deed) के माध्यम से इसे प्राप्त किया था। इसके बाद, यह संपत्ति 14.07.2003 को श्री ज्ञान चंद जिंदल को विक्रय विलेख के माध्यम से बेची गई थी। श्री ज्ञान चंद जिंदल का निधन 02.06.2020 को हुआ, और उनके पिता श्री जगदीश प्रसाद जिंदल का निधन 19.04.2015 को, उनकी माता श्रीमती बिमला देवी का निधन 03.12.2006 को, और उनके भाई श्री जनार्दन जिंदल का निधन 30.09.2016 को हुआ था। श्री ज्ञान चंद जिंदल के कानूनी वारिस निम्नलिखित हैं- श्रीमती वीना गुप्ता (बहन), श्रीमती उमा अग्रवाल (बहन), श्रीमती निशा अग्रवाल (बहन), श्री इश्वर चंद जिंदल (भाई), श्री बृजेश जिंदल (भाई), श्रीमती कविता (श्री जनार्दन जिंदल की पत्नी), श्री रोहित जिंदल (श्री जनार्दन जिंदल के पुत्र), श्री सचिन जिंदल (श्री जनार्दन जिंदल के पुत्र), श्री अशोक कुमार जिंदल (भाई), सभी कानूनी वारिसों ने त्याग विलेख दिनांक 10.08.2020 को अपनी हिस्सेदारी श्री अशोक कुमार जिंदल के पक्ष में रिलीज़ कर दी है। इसके बाद, श्री अशोक कुमार जिंदल ने इस संपत्ति को श्री शशि भूषण पांडे और श्रीमती सुमा बेबी पांडे को विक्रय विलेख दिनांक 21.05.2024 के माध्यम से बेचा। कृपया ध्यान दें कि इस संपत्ति से संबंधित सभी दस्तावेज़ों की श्रृंखला, जिसमें मृत्यु प्रमाण पत्र और जीवित प्रमाण पत्र शामिल हैं, उपलब्ध नहीं हैं। इस संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा एनएसपी, न्यू दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 14 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

It is notified to the general public that my client No.1 Mrs. Sheetal Gupta wife of Mr. Naresh Kumar Gupta (2) Mr. Naresh Kumar Gupta son of Late Mr. Dhansi Ram Gupta R/o G-54, Bengali Colony, Mandir Marg, Mahavir Enclave, South West Delhi, New Delhi 110045 has disinherited their son Yash Gupta and daughter-in-law Megha Verma @ Nishu from their movable/immovable property due to their disobedient and quarrelsome nature. Therefore both my clients will not be responsible in any manner for any act of their son Yash Gupta and daughter-in-law Megha Verma alias Nishu and both my clients have no connection with their son Yash Gupta and daughter-in-law Megha Verma alias Nishu and both my clients are not responsible for any act done by them and if anyone deals with them then he will deal at his own expense, risk and consequences.

SUNDER LAL SHARMA
ADVOCATE
OFF: B-19, G/F, Near bses office, manglapuri village,palam colony, New Delhi-110045

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अजय नय्यर और श्रीमती गिन्नी नय्यर, फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित फ्लैट नंबर B-704, 7वीं मंजिल, जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर 81, विद्युत अपार्टमेंट के लेआउट प्लान I.P. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-110092 में स्थित के मालिक है, को आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लाजपत नगर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। उक्त संपत्ति से संबंधित मूल कन्वैन्स डीड (Conveyance Deed), दस्तावेज़ संख्या 18578, पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 1391, पृष्ठ 31-32, दिनांक 25.03.2005 खो गया है। इस संबंध में स्लङ्क्र (NCR संख्या 1663/2014) दिनांक 28.07.2014 को थाना मधु विहार , पूर्वी दिल्ली में दर्ज की गई है। यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, I KALAIVANI wife of JC-311987P Rank-SUB MAJ Name-ILANGO K residing at VILL-EAST SURANAM, PO-SURANAM, TEHSIL-ILAUANGUDI, DISTT-SIVAGANGA, TAMIL NADU-630713 have changed my name from I KALAIVANI to KALAIVANI for all future purposes vide Affidavit dated 16/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ASHOK KUMAR S/o CHANDER MOHAN R/o House No. 8020, Gali No. 10, Near Hanuman Temple, Multani Dhandha, Pahar Ganj, Central Delhi, Delhi-110055, have changed the name of my minor daughter AARDHAYA aged 09 years and she shall be hereafter known as AARADHYA MOHAN, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as BUDH SAGAR S/o LEKH RAJ SINGH residing at H N. 84E, J & K Pocket, Dilshad Garden, Jhilmil, East Delhi, Delhi - 110095 have changed my name and shall hereafter be known as SAGAR SINGH.

NAME CHANGE

I, I PRIYADARSHINI daughter of JC-311987P Rank-SUB MAJ Name-ILANGO K residing at VILL-EAST SURANAM, PO-SURANAM, TEHSIL-ILAUANGUDI, DISTT-SIVAGANGA, TAMIL NADU-630713 have changed my name from I PRIYADARSHINI to PRIYADHARSHINI I for all future purposes vide affidavit dated 16/11/2024 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-311987P Rank-SUB MAJ Name-ILANGO K Father of I PRABHAKARAN residing at VILL-EAST SURANAM, PO-SURANAM, TEHSIL-ILAUANGUDI, DISTT-SIVAGANGA, TAMIL NADU-630713 have changed my minor son's name from I PRABHAKARAN to PRABHAKARAN I for all future purposes vide affidavit dated 16/11/2024 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as VARINDER KUMAR AHUJA alias V.K. AHUJA S/o BALRAJ AHUJA residing at House No. F-434, 3rd Floor, New Rajinder Nagar, Central Delhi, New Delhi - 110060 have changed my name and shall hereafter be known as VARINDER KUMAR AHUJA.

NAME CHANGE

I Arvind Kumar S/O Ramnath, R/O S-183/99, New Sanjay Camp, Phase- 1, Okhla Industrial Estate S.O, South Delhi, Delhi, 110020-have changed the name of my minor son Jitesh kumar aged 14 years and he shall hereafter be known as Prem Sagar.

NAME CHANGE

I, Mohammad Asad Ahmed S/o Mohd Yasin R/o C-10, Patel Nagar, Near Phool Nursing Home, Meerut City, Meerut-250002, Uttar Pradesh, Have change my Name to Asad Ahamad permanently.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SANTOSH KUMAR S/o GANGA SAHAY, R/o 46, Ambedkar Basti Jhuggi, R.K. Puram Sector-1, South West Delhi, Delhi-110022, declare that name of mine has been wrongly written as SANTOSH in my minor son JATIN aged 17 years in his CBSE class 10th educational documents. The actual name of mine is SANTOSH KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Anandi Rawat D/O Trilok Singh Bisht W/O Late Bir Singh, R/O S-112A, Near Mother Dairy, VTC: Pandav Nagar, District: East Delhi, State: Delhi : 110092 , declare that name of mine has been wrongly written as Anandi Devi in my husband PPO NO 26039,The actual name of mine is Anandi Rawat, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NEHA BHATIA W/O ARUN SHARMA R/O G-114, Raheja Navodaya, Sector 92, Gurgaon, Haryana- 122505 have changed my name from NEHA BHATIA to NEHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MEHNAZ FATMA W/O SYED AQIL ANWAR residing at N-89, 1-B FIRST FLOOR, ABUL FAZAL ENCLAVE-1, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to MEHNAZ FATIMA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, MUNISHA NABI W/o MOHD SABIR NABI R/o F-154, first floor block-F shaheen bagh jamia nagar okhla Abul Fazal Enclave-ii New Friends Colony South Delhi Delhi-110025,declare that name of mine and my husband has been wrongly written as MUNISHA BEGUM and MOHAMMAD SABIR NABI in my minor daughter AFREEN NABI aged 16 years in her school records and name of mine has been wrongly written as MUNISHA BEGUM in her birth certificate No.MCDOLR08195998. the actual name of mine and my husband are MUNISHA NABI and MOHD SABIR NABI. respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I PRAMOD SHARMA S/O RAM MURTI SHARMA R/O- H.NO-80, JASOLA VILLAGE, NEW FRIENDS COLONY, SO NEAR DURGA MANDIR, SOUTH DELHI-110025 declare that name of my wife has been wrongly written as Durgesh Sharma in my minor son namely Yash Sharma aged 16 years in his school record. The actual name of my wife is KUMARI RENU, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AZEEM S/O MD YAMIN ANSARI R/O RZ-3245, UGF, SHAHI PUBLIC SCHOOL, TUGHLAKABAD EXTENSION, KALKAJI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, , declare that name of mine and my Father has been wrongly written as MHD AZEEM and MHD YASIN in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine and my father are AZEEM and MD YAMIN ANSARI, Respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MANJU RANI BISWAS Mother of JC-304872Y Rank-NB/SUB Name-SHYAMAL KR BISWAS R/o VPO-TARAPUR, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741402, have change my name from MANJU RANI BISWAS to MANJU BISWAS for all future purposes vide Affidavit dated 16/11/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-734816H Rank-NB SUB Name-RAMESH KUMAR SHARMA Presently residing at KUSHALPURA, SIKAR, RAJASTHAN-332027 have changed my mother's name from FULLEE DEVI to PHOOLI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 16/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I PRAMOD SHARMA S/O RAM MURTI SHARMA R/O- H.NO-80, JASOLA VILLAGE, NEW FRIENDS COLONY, SO NEAR DURGA MANDIR, SOUTH DELHI-110025 declare that name of my wife has been wrongly written as DURGESH in my minor son namely DIVYANSH SHARMA aged 14 years in his school record.The actual name of my wife is KUMARI RENU, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kushal Arogya Swami S/O Manoj Kumar R/O B-62, Block B,Karampura, VTC: Karam Pura, PO: Ramesh Nagar, Sub District: Rajouri Garden, District: West Delhi, State: Delhi- 110015 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as manoj kumar Swami and Sarita Swami in my 10th class educational document, The actual name of my father and my mother are Manoj Kumar and Sarita,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ATUL SHARMA S/O MAM CHAND SHARMA, R/o 133, BHAGWAN NAGAR, Ashram, VTC: Jungpura S.O, Sub District: South Delhi, District: South Delhi, State: Delhi-110014, declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as ATUL KUMAR SHARMA and AAKARSHAN BHATT in my minor son namely SHRESHTH BHATT aged 12 years in his school record. The actual name of mine and my minor son are ATUL SHARMA and SHRESHTH BHATT. respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanam S/O: Vijay Anand, R/O PERMANENT Address-House Number-740/7, New Ramesh Nagar, near Shiv Mandir,Tehsil town,Panipat, Panipat, Haryana - 132103, Present address-10B, Madhuban Road,Veer Savarkar Block, Shakarpur East Delhi Delhi-92, have changed my name and shall hereafter be known as SANAM ANAND.

NAME CHANGE

I, Mohammad Parvez S/O Mr.Nadeemul Hasan, R/O F- 13/1, Sir Syed Road, Joga Bai Extn, Jamia Nagar, Okhala, New Delhi - 110025 have changed my name to Mohd Parvez permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANISH TANWAR S/o ROOP KISHORE R/o H.No. 9531/A, Gali No.-12, Sadar Thana Road, Paharganj, Multani Dhanda, Central Delhi, Delhi-110055, declare that name of mine and my father have been wrongly written as MANISH TAWAR and ROOP KISHORE TAWAR in my all Educational Documents. Name of mine has been wrongly written as MANISH TAWAR in my Caste Certificate No. SC/02/921/ 3430/3/7/2013/ 90519211023639. Name of my father has been wrongly written as ROOP KISHOR in my PAN Card No. AZFPT4965P. The actual name of mine and my father are MANISH TANWAR and ROOP KISHORE respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mohammad Yasin S/o Islamuddin R/o C-10, Patel Nagar, Near Phool Nursing Home, Meerut City, Meerut-250002, Uttar Pradesh, Have change my Name to Mohd Yasin permanently.

NAME CHANGE

I, hitherto known as YEUL DIGAMBAR RAMCHANDRAJI S/o YEUL RAMCHANDRAJI Permanent resident of 57, Hanvatpura, Achalpur, PO: Achalpur City, Dist. -Amaravati, Maharashtra - 444806 Presently residing at E-128, 3rd Floor, Mohammadpur Village, New Delhi - 110066 have changed my name and shall hereafter be known as DIGAMBAR RAMCHANDRA YEUL.

NAME CHANGE

I, Sabina Begum W/o Mohd Yasin R/o C-10, Patel Nagar, Near Phool Nursing Home, Meerut City, Meerut-250002, Uttar Pradesh, Have change my Name to Sabina Chaman permanently.

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड व राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाले छात्रों का स्वागत

एजेंसी
हिसार। यहां के गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विकास व विदुषी ने जयपुर में हुई 10 दिवसीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लिया। इसी के साथ-साथ वंश सोनी, रिया, भव्या व बबलू ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर आईजीयू रेवाड़ी मे भाग लिया जबकि अंकित ने सीबीएलयू भिवानी में राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने इन सभी स्वयंसेवकों को स्वागत करते हुए बधाई दी एवं जीवन में सदैव इसी प्रकार मेहनत करने के साथ-साथ सदैव कार्यशील रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कुमारी सरोज, डॉ. शमशेर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और मीडिया प्रभारी प्रो .मनोज कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस को हार नहीं हो रही हजम, इसलिए उठा रही है ईवीएम पर सवाल : देवेंद्र अत्री

जींद। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान किया। विधायक ने यहां पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि कांग्रेस की किल्लत नहीं है, लेकिन कांग्रेस भ्रामक प्रचार करने में लगी है। कांग्रेस हार को पचा नहीं रही है। ऐसे में वो ईवीएम को दोष देने में लगी है। कांग्रेस की सरकार में एक क्षेत्र में ही विकास, रोजगार सीमित था, अब पूरे प्रदेश में समान विकास, समान रोजगार मिलता है। पत्रकारवार्ता में कांग्रेस सांसद जय प्रकाश द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि खुद सांसद जय प्रकाश, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सुरजेवाला का बेटा जीता है। उन्होंने कहा कि जब लोकसभा में कांग्रेस पांच सीट जीती तो कांग्रेस नेता खुद की पीठ थपथपा रहे थे, तब भी तो ईवीएम थी। इन बातों पर ना जाकर हम सबको विकसित हरियाणा के लिए सोचना चाहिए। भाजपा विधायक ने कहा कि आज जो भी सीएम नायब सिंह सैनी से मिलता है उनकी तारीफ करता है। उचाना के लोग भी उनके फैन हो चुके हैं। उचाना में अब से पहले तानाशाही, राजतंत्र था, लेकिन अब लोकतंत्र है। भाजपा ने क्षेत्रवाद से पीछा छुटवाया। पहले जमीन बेच कर लोग नौकरी लगते थे।

टोल फ्री नंबर पर मोबाइल से मिस्ड कॉल करके बनाया जा रहा भाजपा का सदस्य

जींद। पुरानी अनाज मंडी, बस स्टैंड सहित अन्य जगहों पर स्टॉल लगा कर लोगों को टोल फ्री नंबर पर मोबाइल से मिस्ड कॉल करके भाजपा का सदस्य बनाया गया। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी एवं सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू किया गया सदस्यता अभियान हर गांव, हर बूथ, हर गली, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचेगा और सभी को विकसित भारत, विकसित हरियाणा विकसित उचाना के संकल्प के साथ जोड़ेगा। अत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरे विश्व के अंदर सबसे बड़ा परिवार है। क्योंकि आज केवल बात ही नहीं पूरी दुनिया के लोग भारत के साथ जुड़ना चाह रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हर देश के अंदर बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि वो दुनिया के जिस देश में जाते हैं, वहां लाखों भारतीय इकट्ठे होकर के मोदी मोदी का जयकारा करते हैं। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में मुख्य भूमिका मुख्यमंत्री नायब सैनी की रही है। जिन के दम पर भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा और भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला। इस मौके पर पूर्व वाइस चेयरमैन रणधीर पांचाल, राममेहर बुडायन मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से तीन दुकानों में लगी आग, लाखों का नुकसान

यमुनानगर। यमुनानगर के गुरुनानक खालसा गर्ल्ज कॉलेज रोड पर रात तीन दुकानों में आग लगने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सहायता से अग्निशमन की तीन गाड़ियों ने तुरंत आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत यह रही की कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीती देर रात बिजली के खंभे पर तारों के फैले जाल के चलते सूरज बैग स्टोर नामक होलसेल दुकान पर लगे बिजली के बोर्ड पर आग लग गई और आग के तेज लपटें दोनों मंजिलों पर बड़ी तेजी से फैल गई। जिसके बाद साथ वाली एक चप्पल के स्टोर और चौहान पेपर मार्ट की दुकान को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। सूरज बैग स्टोर के मालिक ने दूसरी मंजिल पर चढ़कर बोर्ड से बिजली की तार हटाने का प्रयास किया लेकिन पैर फिसलने से वह दूसरी मंजिल से गिरकर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल कराया गया जहां उसका इलाज जारी है। अग्निशमन विभाग के कर्मचारी पंकज ने बताया कि तीन गाड़ियों की मदद से रात को इन तीनों दुकानों में लगी आग पर काबू पा लिया गया।

हमें विश्व गुरू के साथ-साथ विश्व बंधु की भूमिका निभानी: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी
गुरुग्राम। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान ने कहा कि भारत को उत्पादक देश बनाना है इसके लिए युवाओं को तपस्या पर फोकस रखना होगा। उन्होंने कहा कियुवा रिसर्चरों के सामने देश को उंचाई तक ले जाने की चुनौति है। हमें देश को विश्व गुरू के साथ-साथ विश्व बंधु की भूमिका निभानी है। भारत में 60 से 70 करोड़ की आबादी युवा है। युवाओं के हाथ में काम देना, देश की आवश्यकताओं के साथ-साथ विश्व की जरूरतों को भी पूरा करना लक्ष्य होना चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान गुरुग्राम स्थित एसजीटी यूनीवर्सिटी में आयोजित अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन के दूसरे दिन अपना संबोधन दे रहे थे। विजन फॉर विकसित भारत के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश की नीति और योजनाएं लोगों की आकांक्षओं के अनुरूप बनी है। विकसित भारत के

लिए युवाओं को सामूहिक प्रयास करना होगा। 21वीं सदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को सार्थक करने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि युवा सदैव इनोवेटिव और क्रिएटिव होते हैं। उपनिषद में भी लिखा है कि यूथ अवर क्रिएटिव। उन्होंने कहा विकसित भारत सिर्फ भविष्य में नई उंचाई तक ले जाने वाला विषय है। अमृतकाल 2047-2050 कालखंड को सामने देखते हुए विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है। सदियों से वेद, उपनिषेदों का अध्ययन करते हैं तो अनेक सभ्यता सामने आई और विलुप्त हो गई, लेकिन जिनकी जड़ें गहरी थी, वो ही टिक पाई। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत गहरी है हमारी जड़ें मजबूत है। 500 साल के इतिहास की समीखा करेंगे तो देखेंगे कि कभी ब्रिटेन के भाग्य में सूर्य अस्त नहीं था, लेकिन आज उसका पतन हो गया। धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि कोविड के समय में विकसित देशों की स्वास्थ्य, आर्थिक प्रबंधन की स्टडी करेंगे तो वह यही याद दिलाएगी कि भौतिक उपलब्धि देश समाज और सभ्यता के लिए कर्जदायी है। हम मूल्य आधारित हैं। हमारी पद्धति बहुस्तरीय, मल्टीलेयर, सर्वव्यापी और सर्व स्पर्शी है इसलिए हम कोरानाकाल में टिक पाए।

विधायक ने बुजुर्गों को सहायक उपकरण वितरित किए

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत के गांव घसौली में एल्मिको आसरा की ओर से 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इस पहल के तहत 117 लाभार्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से बुजुर्गों को व्हीलचेयर, कान की मशीन, हाथ व घुटना बेल्ट, लेटरिंग चेयर, गला बेल्ट आदि उपकरण प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एल्मिको आसरा के संचालक प्रवीन लांबा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने उपकरण वितरित करते हुए कहा कि ये सहायक उपकरण बुजुर्गों की परिवार पर निर्भरता कम करने और उनकी दिनचर्या को सरल बनाने में मदद करेंगे। इससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़े रह सकेंगे। विधायक कादियान ने कहा कि भाजपा सरकार सभी वर्गों का ध्यान रख रही है। कार्यक्रम में घसौली सरपंच महेश त्यागी, पूर्व

ब्लॉक समिति सदस्य राजीव त्यागी, हैप्पी त्यागी, मांगेरामत्यागी, जगदीश, श्रीनिवास त्यागी, ओमप्रकाश पंडित और रमेश भिगान जैसे गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

परमात्मा को जीवन में शामिल करने से होता है मानवीय गुणों का विस्तार: सुदीक्षा जी महाराज

एजेंसी
सोनीपत। संत निरंकारी मिशन के 77वें वार्षिक संत समागम के पहले दिन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने मानवता के नाम दिव्य संदेश में कहा कि परमात्मा को जानना और उसे अपने जीवन का आधार बनाना जीवन में मानवीय गुणों का विस्तार करता है। गन्नौर-समालखा हल्दाना बोर्डर पर स्थित मैदानों में तीन दिवसीय समागम में भारत और दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु उपस्थित हुए।

सतगुरु माता जी ने कहा कि असीम की ओर-विस्तार एक आंतरिक यात्रा है जो मन और मस्तिष्क के संतुलन में सहायक होती है। उन्होंने बताया कि परमात्मा से जुड़ने पर मन स्थिर और विशाल बन जाता है, जिससे अपनत्व और सहिष्णुता का भाव उत्पन्न होता है। माता जी ने संतों और पीरों के युगों-युगों से दिए गए संदेश को दोहराते हुए मानवता के प्रति सेवा और पृथ्वी को सुंदर बनाने के आह्वान पर बल दिया। समागम स्थल पर सतगुरु माता जी और निरंकारी राजपिता जी का स्वागत फूल-मालाओं और भव्य शोभायात्रासे किया गया। निरंकारी इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट्स के 300 छात्रों ने नृत्य और संगीत से दिव्य युगल का अभिनंदन किया। शोभायात्रा में माता जी श्रद्धालुओं को

आशीर्वाद देती हुई सुसज्जित पालकी में विराजमान थीं। श्रद्धालु नम आँखों और श्रद्धाभाव से इस दिव्य दृश्य का आनंद ले रहे थे।

समागम शीर्षक विस्तार-असीम की ओर है, जिस पर आधारित निरंकारी प्रदर्शनी सभी संतों के लिए मुख्य आर्कषण का केन्द्र बनी हुई है। इस दिव्य प्रदर्शनी को मूलतः तीन भागों में विभाजितकिया गया है जिसके प्रथम भाग में भक्तों को मिशन के इतिहास, विचारधारा एवं सामयिक गतिविधियों के अतिरिक्त सतगुरु द्वारा देश व विदेशों में की गई दिव्य कल्याणकारी प्रचार यात्राओ की पर्याप्त जानकारी प्राप्त होगी। द्वितीय भाग में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के सभी उपक्रमों व गतिविधियों को दर्शाया जा रहा है। तृतीय भाग के अंतर्गत बाल प्रदर्शनी को बड़े ही मनमोहक व प्रेरणादायक रूप में बाल संतों द्वारा प्रदर्शित किया गया है। सतगुरु माता जी ने सभी को आध्यात्मिकता और मानवता को अपनाने की प्रेरणा दी। समागम के अगले दो दिनों में और भी दिव्य अनुभव सांझा किए जाएंगे।

अधूरे पड़े विकास कार्यों को जल्द पूरा करेगी सरकार: श्याम सिंह राणा

एजेंसी
यमुनानगर। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हलके की जनता ने उन्हें प्यार व मान-सम्मान देकर अपना जनप्रतिनिधि चुना है। वे हलके की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि वे जनता के विश्वास व उनकी उम्मीदों को कभी कम नहीं होने देंगे। जनता की समस्याओं के समाधान एवं हलके में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी। अनाज मंडी एसोसिएशन रादौर द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा का अभिनंदन समारोह का अनाज मंडी रादौर में आयोजित किया गया। अनाज मंडी एसोसिएशन ने कृषि मंत्री के सामने अनाज मंडी रादौर से संबंधित मांगों को रखा। जिस पर कृषि मंत्री ने मंडी एसोसिएशन द्वारा रखी गई मांगों को स्वीकृति प्रदान की।इस मौके पर इस मौके पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। भाजपा ने अपने शासनकाल में सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी इसी नीति पर चल विकास कार्यों को प्राथमिकता के

आधार पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्य रह गए है या अधूर पड़े हैं उन सभी विकास कार्यों को जल्द पूरा कर दिया जाएगा ताकि जनता को उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पूर्व जो वायदे जनता से किए थे, उन्हें सरकार जल्द ही पूरा करेगी।यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आप लोगों के सहयोग से लगातार प्रदेश में एकप्रचंड बहुमत हासिल कर तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में एक ऐसा राज्य है, जहां पर किसानों की सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर खरीद की जा रही है। किसान का एक-एक दाना सरकार द्वारा खरीद किया जाएगा। वे किसान परिवार से संबंध रखते हैं इसलिए किसानों की समस्याओं से भलीभांति परिचित है। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने लगाई पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के निलंबन पर मुहर

एजेंसी
हिसार। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा के निर्देशों पर सस्पेंड किए गए विभाग के तीन अधिकारियों पर सरकार ने कार्रवाई की मुहर लगा दी है। राज्यपाल के निर्देशों पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने आदेश जारी किए, जिसके तहत निलंबन अवधि के दौरान कार्यकारी अभियंता रजनीश जैन और एसडीओ डीएस राठी को चंडीगढ़ स्थित मुख्यालय में लगाया गया है। वे चीफ इंजीनियर की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। इसके अलावा रिटायरमेंट के बाद कॉन्ट्रेक्ट आधार पर कार्य कर रहे जेई सुरेश कुमार को नौकरी से हटा दिया गया है। यहां यह उल्लेखनी है कि कार्यकारी अभियंता रजनीश की 31 दिसंबर को रिटायरमेंट है।दूसरी तरफ हिसार के अधीक्षक अभियंता अजीत सिंह ने अपने अफसरों व कर्मचारियों से मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। आदेशों में एसई ने कहा है कि कोई मीडिया

मेंकिसी भी खबर के लिए वर्जन नहीं देगा और ना ही बीएंडआर के कार्यों के बारे में बताएगा। दूसरी तरफ कार्यकारी अभियंता पर कार्रवाई पर विभाग के कर्मचारियों ने रोष जताया है। अफसरों पर कार्रवाई के खिलाफ इंजीनियरिंग यूनियन आंदोलन का मूड भी बना रही है लेकिन फिलहाल वह लैब की रिपोर्ट के इंतजार में है। रोड की हालत को देखते हुए विभाग ने ठेकेदारकी पूरी पेमेंट रोक दी है और ग्रामीण दोबारा से इस रोड पर लेयर बिछाने की मांग ठेकेदार से कर रहे हैं। मामले के अनुसार धिकताना से धान्सू करीब साढ़े पांच किलोमीटर लंबे इस रोड पर सवा करोड़ रुपए खर्च हुए हैं और करीब एक महीने पहले ही यह रोड बनकर तैयार हुआ है। जब से यह रोड बना है तब से ही इस पर विवाद शुरू हो गया था। वाहन चलने से यह रोड जगह-जगह से बैठ गई। इस रोड पर तारकोल की लेयर वाहनों के टायर से ही उखड़ने लग गई थी। ग्रामीणोंने इसकी शिकायत सरपंच से लेकर भाजपा नेताओं से की थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इस रोड का निर्माण करते समय ठेकेदार ने पैसे बचाने के चक्कर में कई अनियमितताएं की। इसके बाद मामला विभाग के मंत्री रणबीर गंगवा तक पहुंचा जिसके बाद वे इसकी जांच करने पहुंचे थे।

हरियाणा में विपक्ष का अब तक का सबसे बड़ा विधायक दल: दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी
झज्जर। सांसद दीपेंद्र हुड्डा बहादुरगढ़ में आयोजित कई सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस पार्टी प्रदेश में सकारात्मक एवं मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाते हुए हर वर्ग की आवाज़ उठायेगी। हरियाणा की जनता ने पूरे प्रदेश में कांग्रेस को भाजपा के बराबर मत प्रतिशत देकर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे अच्छे से निभायेंगे।सांसद दीपेन्द्र ने कहा कि विपक्ष के 37 विधायकों वाला विधायक दल हरियाणा में अब तक का सबसे बड़ा विधायक दल है। सरकार इस गलतफहमी में न रहे कि उसने चुनाव में जैसे-तैसे करके सरकार बना ली है। अब उसे कोई टोकने वाला नहीं है। कांग्रेस पार्टी मजबूत व सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाने में किसी तरह की कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी और सरकार को उसके चुनावी वायदे पूरे करने को मजबूर करेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने विश्वास दिलाया कि सभी कांग्रेसजन प्रदेश के आम गरीब, किसान, नौजवान की आवाज़ उठाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे और पहले की तरह ही हर वर्ग की समस्याओं का समाधान कराने के लिए सड़क से सदन तक आवाज़ बुलंद करेंगे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी सरकार ने चुनाव के समय जनता से जो-जो वादे किये थे उन्हें अविलंब पूरा करे। उन्होंने याद दिलाया कि बीजेपी ने विधान सभा चुनाव के समय महिलाओं को प्रतिमाह ?2,100 देने, हर घर गृहणी योजना तहत ?500 में सिलेंडर देने, किसानों की उपज को स्स्क्क पर खरीदने, 2 लाख युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी, 5 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर जैसे तमाम वादे किये थे।

युवाओं के लिए जींद विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों में बनेगी लाइब्रेरी : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी
जींद। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं जींद विधानसभा के विधायक डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए जींद विधानसभा क्षेत्र के सभी 35 गांवों में सुविधाओं से लैस लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इन पुस्तकालयों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को गांव के भीतर ही शिक्षा का माहौल मिलेगा और उन्हें इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा। राज्य सरकार का भी विजन है कि शहरी युवाओं के समान ग्रामीण युवाओं को भी ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं उनके घर द्वार पर ही मिले।डिप्टी स्पीकर ने यह घोषणा अपने धन्यवादी दौरे के दौरान हलका के निर्जन, मांडो, मनोहरपुर, लोहचब, खेड़ी तलौडा तथा खेड़ी गांवो में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। सभी गांवों में डिप्टी स्पीकर के आगमन पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और बेटा कह कर पुकारा। अनेक स्थानों पर डा. मिड्ढा को को सम्मान सूचक पगड़ी पहना कर तथा फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आई है, तभी से बच्चों की पढाई के प्रति सकारात्मक सोच बदली है।

पूर्व की सरकारों में नौकरी प्राप्त करने का अलग चलन रहा है। उन्होंने कहा कि इन लाइब्रेरियों के बनने से अब ग्रामीण युवाओं को भी शहरी बच्चों की तरह अपने घर द्वार के आसपास प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने के लिए उचित माहौल मिल सकेगा। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जींद से सफीदों सड़क के नवीनिकरण को लेकर कहा कि इस सड़क को चौड़ा व मजबूतीकरण की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा की गई थी, लेकिन वन विभाग व लोक निर्माण विभाग द्वारा कुछ औपचारिकताएं पूरी करवाई जा रही है। उनके पूरा होते ही जल्द ही इस पर कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों ने तीसरी बार सरकार बनाकर जो विश्वास और जिम्मेवारी हमें सौंपी है, उस विश्वास को बरकरार रखा जाएगा और मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार तीन गुणा ताकत से प्रदेश का विकास करेगी। धन्यवादी दौरे के दौरान डिप्टी स्पीकर के साथ जिला प्रशासन से जींद के तहसीलदार मनोज अहलावत, बीडीपीओ सुरेन्द्र खत्री समेत जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारियों के अलावा भाजपा से पूर्व पार्षद विनौद सैनी, जींद व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील वशिष्ठ, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष कृष्ण अहलावत, पूर्व सरपंच दिलबाग सिंह, कपूर ढांडा, तेजवीर यादव व संबंधित गांव के सरपंच व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा में पांचवी तक के बच्चों की छुट्टियों पर फैसला लेंगे डीसी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ते प्रदूषण और धुंध के चलते पांचवी तक के बच्चों की छुट्टियों को लेकर सरकार ने अब नया निर्णय लिया है। बाकायदा शिक्षा विभाग ने पत्र जारी कर इसके लिए संबंधित जिलों के डीसी को अधिकृत किया है। जिसके मुताबिक संबंधित जिला उपयुक्त अपने क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर और धुंध को देखते हुए पांचवी तक के बच्चों की छुट्टियां पर निर्णय लेंगे। खास बात यह है कि संबंधित जिला उपायुक्त जो भी निर्णय लेंगे, वे उस जिले के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों पर समान रूप से लागू होंगे।आयोग ने वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने के बाद एनसीआर में स्टोन क्रशर का संचालन फिलहाल बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा एनसीआर में सभी खनन और संबंधित गतिविधियां भी बंद रहेंगी। एनसीआर में राज्य सरकारें/जीएनसीटीडी दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद में बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार डीजल एलएमवी (चार पहिया वाहन) के चलने पर सख्त प्रतिबंध लगाएंगी। एनसीआर में राज्य सरकारें और जीएनसीटीडी कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए स्कूलों में भौतिक कक्षाएं बंद करने और ऑनलाइन मोड में कक्षाएं आयोजित करने का निर्णय ले सकते हैं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलें या साइकिल का उपयोग करें। स्वच्छ यात्रा का विकल्प चुनें। काम पर जाने के लिए किसी के साथ सवारी करें या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। जिन लोगों की नौकरी घर से काम करने की अनुमति देती है, वे घर से काम कर सकते हैं। हीटिंग के लिए कोयले और लकड़ी का उपयोग न करें। व्यक्तिगत मकान मालिक भी अपने द्वारा नियुक्त सुरक्षा/अन्य कर्मचारियों को बायोमास/लकड़ी/एमएसडब्ल्यू को खुले में जलाने से बचने के लिए इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध करा सकते हैं। कामों को संयोजित करें और यात्राएं कम करें।

भारत का युवा देश की उन्नति का आधार : सुभाष बराला

एजेंसी
जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर के सात दिवसीय कैंप में राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने मुख्यअतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें भिन्न-भिन्न राज्यों से आए हुए स्वयंसेवकों ने अपने-अपने राज्य से जुड़ी संस्कृति व नारी को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए नारी शक्ति से संबंधित नाटक को प्रदर्शित किया गया। सभी राज्यों से आये स्वयंसेवकों ने एक सूर में देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें गीत गाया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने कहा कि भारत का युवा देश की उन्नति का आधार है। यदि इस ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग किया जाएए तो सोने की चिडिया कहा जाने वाला भारत विश्व में फिर से नई ऊंचाइयों को छू सकता है। युवा शक्ति के सही मार्गदर्शन और समर्थन से भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने

कहा कि भारत में जितने भी स्वयंसेवकों के संगठन उनका हर एक स्वयंसेवक बहुत ही अनुशासन से अपना कार्य करता है। उठने से लेकर रात को सोने तक प्रत्येक कार्य समयबद्ध होता है। एक स्वयंसेवक अपने जीवन में अगर कुछ भी ठान ले तो वह कार्य करना उसके लिए बहुत ही सरल होता है। क्योंकि एक स्वयंसेवक का संकल्प बहुत ही मजबूत होता है और संकल्प शक्ति से कुछ भी किया जाना संभव है। वक्ता कृष्ण ने कहा कि भारत का युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य का निर्माणकर्ता है। इस अवसर पर जींद जिला के भाजपा अध्यक्ष तेजेंद्र, जयभगवान नंबरदार, ललित आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस को भ्रष्टाचार में महारत हासिल, भाजपा भ्रष्टाचार को मिटाने में जुटी: मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी
झज्जर। सदस्यता अभियान के लिए झज्जर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस को भ्रष्टाचार में महारत हासिल, लेकिन भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार को पूरी तरह मिटाने में जुटी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष ने झज्जर जिले के कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए भी कहा। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस शासन में जमीन से लेकर आसमान तक करोड़ों के घोटाले हुए हैं। कांग्रेस की बदनीयती को जनता ने समझा और कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा को शासन सौंपा। अब भाजपा सरकार बनाकर जनसेवा में जुटी है। भाजपा का सदस्यता अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है और 50 लाख का लक्ष्य जल्द ही प्राप्त कर लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की जनता के साथ बहुत बड़े-बड़े धोखे किए हैं और भ्रष्टाचार से सरकारें चलाई हैं। कांग्रेस द्वारा बढ़ रही गरीबी की सीबीआई से जांच कराने के बारे में पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर श्री बड़ौली ने कहा कि 2014 में केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और हमने पारदर्शी तरीके से काम किया। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के रोजगार दिया है और उनके परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ रहे हैं। एचकेआरएन के जरिए भी गरीब युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर नौकरियां दी जा रही है। मुद्रा लोन के जरिए रोजगार बढ़ाने का काम किया जा रहा है। भाजपा सरकार गरीब उत्थान के लिए बहुत सारे काम कर रही है। गरीब का हक गरीबों के घर तक पहुंच रहा है। भाजपा सरकार में सही मायने में गरीबों को न्याय मिला है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की देश व प्रदेश में जब-जब सरकार बनी भ्रष्टाचार बढ़ा है। देश और प्रदेश की जनता ने 2014 में भाजपा की सरकार बनाई और इन 10 वर्षों में सरकारी पैसे का कहीं भी दुरुपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाने का काम किया है। अब भी अगर कोई भ्रष्टाचार का प्रयास करता है तो उसे कानून के हिसाब से सजा दी जा रही है। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि अभी हम पटका पहनाकर नई ज्वाइनिंग नहीं करा रहे हैं, हमारा सदस्यता अभियान पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की नई रचना व प्रक्रिया जारी है। बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश की नई कमेटियां बननी है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कस्टमर केयर नंबर पर मिली धमकी, मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई स्थित रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कस्टमर केयर नंबर पर धमकी भरा फोन मिलने के बाद पुलिस एलर्ट हो गई है। रिजर्व ऑफ इंडिया की सुरक्षा रक्षक की तरफ से इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एमआरए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कस्टमर केयर नंबर पर

फोन कर कहा कि वह लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ है, पीछे का रास्ता बंद कर दीजिए, इलेक्ट्रिक कार खराब हो गई है। इसके बाद फोन करने वाले ने फोन डिसकनेक्ट कर दिया। फोन कॉल के बाद बैंक के सुरक्षा रक्षक ने एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है।

आंकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को अनुसूची विदेशी संपत्तियों को सही ढंग से पूरा करने और अपने आयकर रिटर्न में विदेशी स्रोतों से आय की रिपोर्ट करने में सहायता करने के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान शुरू किया है। सीबीडीटी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत अनुसूची एफए और एफएसआई का अनुपालन अनिवार्य है, जिसके तहत विदेशी संपत्तियों और आय का पूर्ण खुलासा करना आवश्यक है। इस अभियान के हिस्से के रूप में, उन निवासी करदाताओं को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से सूचनात्मक संदेश भेजे जाएंगे, जिन्होंने आंकलन वर्ष 2024-25 के लिए पहले ही अपना रिटर्न जमा कर दिया है। ये संदेश द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के तहत प्राप्त जानकारी के माध्यम से पहचाने गए व्यक्तियों के लिए हैं, जो सुझाव देते हैं कि उनके पास विदेशी खाते या संपत्ति हो सकती है, या उन्हें विदेशी अधिकार क्षेत्र से आय प्राप्त हुई है। इसका उद्देश्य उन लोगों को याद दिलाना और मार्गदर्शन करना है, जिन्होंने आंकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने प्रस्तुत रिटर्न में अनुसूची विदेशी संपत्ति को पूरी तरह से पूरा नहीं किया है, विशेष रूप से उच्च मूल्य वाली विदेशी संपत्तियों से जुड़े मामलों में। यह पहल विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और करदाता अनुपालन को सरल बनाने और मानवीय संपर्क को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आयकर विभाग की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

भारत में प्रमुख कार्यालय-स्थल बाजारों में मजबूती जारी, चीन में हो रही हैं गिरावट: नाइट फ्रैंक

मुंबई। अचल सम्पत्ति बाजार पर अनुसंधान एवं परामर्श सेवायें देने वाली वैश्विक कंपनी नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार कंपनियों की ओर से मांग मजबूत बने रहने से भारत के प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल का बाजार 2024 की तीसरी तिमाही में मजबूत बना रहा, इसके विपरीत चीन में बीजिंग, शंघाई और गुआंगझोऊ जैसे बाजारों में कार्यालय स्थल के किरायों में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गयी। एशियार प्रशांत के 23 प्रमुख बाजारों में कार्यालय बाजार पर नाइट फ्रैंक की जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई -सितंबर तिमाही) में दिल्ली-एनसीआर का कार्यालय बाजार एशिया प्रशांत क्षेत्र का छठा सबसे महंगा बाजार रहा। तीसरी तिमाही के दौरान हांगकांग (विशेष प्रशासनिक क्षेत्र) प्रतिष्ठित जगहों पर प्रति वर्ग फुट वार्षिक 155.52 अमेरिकी डालर के किराये के साथ सबसे महंगा कार्यालय बाजार बना रहा, यद्यपि वहां सालाना आधार पर किराये 9.4 प्रतिशत नीचे आ गये थे। इस सूची में सिंगापुर (125.66) दूसरे, सिडनी (99.75) तीसरे, टोक्यो (86.03) चौथे, सोल (85.56) पाचवें और दिल्ली-एनसीआर (77.73 डालर प्रति वर्ग फुट वार्षिक) छठे स्थान पर रहा।रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र के सबसे महंगे 23 बाजारों में मुंबई (69.96 डालर) के साथ आठवें और बेंगलुरु 36.17 डालर प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष के आफिस किराए के साथ 18वें स्थान पर रहा।

ट्रम्प प्रशासन के घटनाक्रमों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। खुदरा महंगाई के इस वर्ष अक्टूबर में चौदह महीने के उच्चतम स्तर को छूने के मद्देनजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों में कटौती की संभावना कमजोर पड़ने से हतोत्साहित निवेशकों की जबरदस्त बिकवाली से बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत तक लुढ़के शेयर बाजार की अगले सप्ताह अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम प्रशासन के आगे के घटनाक्रमों और उभरते बाजारों पर इसके पड़ने वाले प्रभाव पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1906.01 अंक अर्थात 2.4 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर लगभग साढ़े चार महीने बाद 78 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 77550 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 615.5 अंक यानी 2.5 प्रतिशत की भारी गिरावट लेकर 23532.70 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह ही मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई।

जीतन राम मांझी ने 43वें आईआईटीएफ में 'एमएसएमई मंडप' का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने यहां भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में 'एमएसएमई मंडप' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मांझी ने मंडप में विभिन्न प्रदर्शकों से बातचीत की और उन्हें मेले में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीतन राम मांझी ने 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में ÷एमएसएमई मंडप÷ का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' भी प्रस्तुत किया गया। उनके साथ एमएसएमई मंत्रालय के एएस एवं डीसी डॉ. रजनीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मंत्रायल ने कहा कि एमएसएमई मंडप में देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इस बार मंडप का मुख्य विषय हरित एमएसएमई है, जो एमएसएमई द्वारा अपने व्यवसाय संचालन को बदलने के लिए स्वच्छ यानी हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर देता है। इसके अलावा मंडप में पीएम विश्वकर्मा योजना पर भी प्रकाश डाला गया है, जो 18 व्यवसायों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को अंतिम सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय की प्रमुख योजना है। इस योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया था। आईआईटीएफ-2024 के 43वें संस्करण में एमएसएमई मंडप में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है, जिसमें कपड़ा, हथकरघा, हस्तशिल्प, कढ़ाई, चमड़े के जूते, खेल और खिलौने, बांस शिल्प, बेंत की वस्तुएं, रत्न और आभूषण, चीनी मिट्टी और मिट्टी के बर्तनों के उत्पाद, यांत्रिक वस्तुएं आदि शामिल हैं। ये मेला सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई), विशेष रूप से महिलाओं और एससी तथा एसटी के स्वामित्व वाले उद्यमों और आकांक्षी जिलों के उद्यमियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को संभावित ग्राहकों के एक बहुत बड़े समूह तक बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के मिश्रित रूख के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.55 प्रतिशत लुढ़ककर 66.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत उठकर 71.05 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

एयरएशिया ने पोर्ट ब्लेयर से कुआलालंपुर के बीच शुरू की अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ऐतिहासिक दिन है। एयरएशिया एयरलाइन ने वीर सावरकर एयरपोर्ट से पहली इंटरनेशनल उड़ान सेवा की शुरुआत कर दी है। इसके साथ ही एयरएशिया पोर्ट ब्लेयर से अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू करने वाली पहली विमानन कंपनी बन गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयरएशिया ने पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर हवाई अड्डे से अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। कुआलालंपुर से पहली उड़ान सुबह 10:20 बजे 120 यात्रियों को लेकर यहां उतरी, जिनमें मुख्य रूप से मलेशिया और जापान के पर्यटक थे। वीर सावरकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के आधे घंटे बाद विमान 150 यात्रियों के साथ कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरी। एयरएशिया के मुख्य हवाई अड्डा और ग्राहक अनुभव अधिकारी केसवन शिवानंदम ने बताया कि मलेशियाई और जापानी पर्यटकों समेत 120 यात्रियों के साथ एयर एशिया की उड़ान कुआलालंपुर से पोर्ट ब्लेयर सुबह के 10:20 बजे पहुंची। इसके आधे घंटे बाद 10:55 बजे 150 यात्रियों के साथ यह वापस

कुआलालंपुर के लिए रवाना हुई। उन्?होंने कहा कि एयरएशिया पोर्ट ब्लेयर से अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू करने वाली पहली वाहक बन गई। एयरएशिया कुआलालंपुर और पोर्ट ब्लेयर के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ान सेवा संचालित करेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। हम आने वाले दिनों में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के कई पर्यटकों की उम्मीद कर रहे हैं। शिवानंदम ने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को जोड़ना है। मैं स्थानीय प्रशासन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मलेशिया के लिए एयरएशिया की उड़ानें शुरू होने से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण पूर्व एशिया में पर्यटन क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होगा।

प्राइमरी मार्केट में इस सप्ताह सिर्फ 3 आईपीओ की लॉन्चिंग, 3 कंपनियों के शेयरों की भी होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली।सोमवार से शुरू हो रहे हैं कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में तुलनात्मक तौर पर कम हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 3 कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इन कंपनियों में से सिर्फ एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह की शुरुआत में बोली लगाने का मौका रहेगा। लिस्टिंग की बात करें, तो इस सप्ताह 3 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। आने वाले सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाला है। इस आईपीओ के तहत 102 से 108 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 138 शेयर का है। आईपीओ 22 नवंबर को क्लोज होगा, जबकि 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसी तरह लैमोजेक इंडिया का 61.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 200 रुपये का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग अगले सप्ताह 26 नवंबर को होगी। कंपनी के शेयर 29 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 22 नवंबर को सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी का लक्ष्य 99.07 करोड़ रुपये जुटाने का है। इसकी क्लोजिंग अगले सप्ताह 26 नवंबर को होगी। आईपीओ के तहत 214 से 226 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 29 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इनके अलावा पिछले सप्ताह 13 नवंबर को ओपन हुए ओनिक्स बायोटेक के 29.34 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक पैसे लगाने का मौका है। ये आईपीओ अभी तक 10 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। आईपीओ के तहत 58 से 61 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 13 नवंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के आईपीओ में भी कल तक पैसे लगाए जा सकते हैं। 1,114.72 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 259 से 273 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 54 शेर का है। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किए जाएंगे। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान तीन कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग होने वाली है। सप्ताह के पहले दिन ही नीलम लिनेन्स एंड गारमेंट्स के शेरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें सस्ती

नयी दिल्ली विदेशी बाजारों में आई गिरावट के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य

तेलों में टिकाव रहा जबकि ऊंचे भाव पर उठाव कमजोर रहने से दालें सस्ती रहीं वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 31 रिंगिट गिरकर 5119 रिंगिट प्रति टन आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.9 सेंट की गिरावट के साथ 45.56 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14358 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15018 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 12820 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15677 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

सीबीडीटी ने टैक्सपेयर्स के लिए विदेशी स्रोतों से आय की जानकारी देने का शुरू किया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को विदेशी परिसंपत्तियों की अनुसूची को सही ढंग से पूरा करने और अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में विदेशी स्रोतों से इनकम की रिपोर्ट करने में सहायता के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरुकता अभियान शुरू किया है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने करदाताओं को आईटीआर में अनुसूची विदेशी संपत्ति (अनुसूची एफए) को सही ढंग से पूरा करने और विदेशी स्रोतों (अनुसूची एफएसआई) से इनकम की रिपोर्टिंग करने में सहायता के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरुकता अभियान शुरू किया है। सीबीडीटी के अनुसार काला धन (अघोषित

विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत अनुसूची एफए और एफएसआई का अनुपालन अनिवार्य है, जिसके तहत विदेशी संपत्ति और आय का पूरा खुलासा करना आवश्यक है। आयकर विभाग की ओर से 16 नवंबर, 2024 को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक यह पहल विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और करदाता अनुपालन को सरल बनाने और मानवीय संपर्क को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आयकर विभाग की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। सूचना के स्वचालित आदान-प्रदान (एइओआई) के जरिए प्राप्त डेटा का लाभ उठाकर, विभाग एक अधिक कुशल, करदाता-अनुकूल प्रणाली बनाने के लिए काम कर रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि सीबीडीटी को उम्मीद है कि सभी पात्र करदाता इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी कर जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे। यह प्रयास न केवल विकसित भारत के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वैच्छिक अनुपालन की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। अधिसूचना के मुताबिक विदेशी परिसंपत्तियों की अनुसूची को पूरा करने के लिए विस्तृत, चरण-दर-चरण मार्गदर्शन के लिए, करदाताओं को आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.incometa&.gov.in पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जहां उनकी सहायता के लिए संसाधन और समर्थन आसानी से उपलब्ध हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.5 अरब डॉलर लुढ़ककर 675.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित

निधि में भारी कमी होने से 08 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.5 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 675.7 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर घटकर 682.1 अरब डॉलर पर रहा था।

सात दिनों की गिरावट के बाद सोने में तेजी का रुख, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार 7 दिनों तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली तेजी नजर आ रही है। वहीं, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज सोना 120 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,920 रुपये से लेकर 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,610 रुपये से लेकर 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार

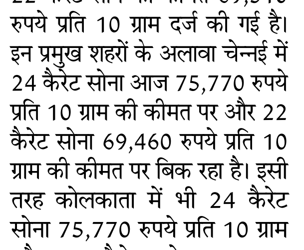

कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,820 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज कीमत में तेजी आने के कारण सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एनटीपीसी ग्रीन का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 102-108 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली।एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ निवेशकों के लिए 19 नवंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 102-108 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसके लिए 22 नवंबर, 2024 तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। बाजार नियामक सेबी को दी जानकारी के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की राष्ट्रीय तापविद्युत निगम मिटेड की सब्सिडियरी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन

एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ 10 हजार करोड़ रुपये का पूरी तरह से फ्रेश इक्विटी शेयरों का है, जिसमें 92.59 करोड़ शेयर शामिल हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करती है, जो एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

भारतीय कर्मचारी कार्यस्थल पर पहचान और खुलापन चाहते हैं: इनडीड

एजेंसी

नयी दिल्ली।ग्लोबल मैचिंग एंड हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड ने अपने एक सर्वक्षण का हवाला देते हुये कहा है कि भारतीय कर्मचारी कार्यस्थल पर पहचान और खुलापन चाहते हैं तथा खुद को महत्वपूर्ण और समावेशी समझने और कर्मचारियों की खुशी एवं आत्मविश्वास के बीच सीधा संबंध होता है।

इनडीड के लिए डीईआईबी द्वारा किए गए सर्वे 'ब्रिजिंग द गैप' रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। देश के 3,005 लोगों के बीच सर्वे किया गया। इस सर्वे में विभिन्न उद्योगों और आकारों के व्यवसायों से रोजगार प्रदाता (30 प्रतिशत) और कर्मचारियों (70 प्रतिशत) ने हिस्सा लिया। उत्तरदाताओं में 21 साल या उससे अधिक उम्र के महिला और पुरुष शामिल थे, जिन्होंने भारतीय कार्यस्थलों पर विविधता, समानता, समावेशिता, और जुड़ाव (डीईआईबी) के बारे में व्यापक जानकारी दी। इस सर्वे में कार्यस्थल की संस्कृति, कर्मचारियों की समावेशिता और कल्याण को प्रभावित करने वाले तत्वों के बारे में जानकारी एकत्रित की गई।इसमें कार्यस्थल पर समावेशिता की मौजूदा स्थिति और इसे प्रभावित करने वाले तत्वों का खुलासा हुआ है। इस सर्वे में सामने आया कि खुद को महत्वपूर्ण और समावेशी समझने और कर्मचारियों की खुशी और आत्मविश्वास के बीच सीधा संबंध होता है। इसमें सामने आया है कि वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं द्वारा पहचाने जाने का सकारात्मक कार्यसंस्कृति के विकास में काफी महत्व है। 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं द्वारा पहचाने जाने के महत्व पर जोर दिया। व्यक्तिगत योगदान भी उत्साह बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाता है। 62 प्रतिशत कर्मचारी अपनी टीम द्वारा अपने प्रयासों को सराहे जाने पर ज्यादा खुश महसूस करते हैं। इसके अलावा, 58 प्रतिशत कर्मचारी अपने साथियों द्वारा अपनी राय और विचारों का स्वागत किए जाने को महत्व देते हैं। इस तरह के उत्साहवर्धन और समावेशन से आत्मविश्वास बढ़ता है और एक ज्यादा सहयोगपूर्ण, सकारात्मक कार्यस्थल का विकास होता है, जिसमें कर्मचारियों को आगे बढ़ने में मदद मिलती है। इनडीड इंडिया के विक्रय प्रमुख शशि कुमार ने कहा, यह स्पष्ट है कि एक अनुकूल कार्यस्थल के लिए सुरक्षित एवं खुला वातावरण बहुत महत्वपूर्ण है। कर्मचारी यह महसूस करना चाहते हैं कि उनकी आवाज को सुना जाता है तथा उनके योगदान को महत्व दिया जाता है। जो कंपनियाँ अपनी संस्कृति में सम्मान और समावेशन को महत्व देती हैं, वो एक प्रेरित और उत्साहित कार्यबल को आकर्षित करने और बनाए रखने में सफल होती हैं। ये बातें न केवल कर्मचारी कल्याण के लिए आवश्यक हैं, बल्कि व्यवसाय के लिए भी अच्छी हैं। इसमें सामने आया कि एक खुला वातावरण, जो रचनात्मकता को महत्व देता है, संतुष्टि बढ़ाता है और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में मदद करता है। सर्वे में शामिल लगभग 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने बताया कि उनकी कंपनियाँ रचनात्मक विचार को बढ़ावा देती हैं, जिससे उन्हें ज्यादा कनेक्टेड महसूस होता है। साथ ही 61 प्रतिशत कर्मचारी खुलकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कार्यस्थल में ज्यादा सहभागिता की भावना को महत्व देते हैं, जो विचारों के आदान-प्रदान और समावेशन को बढ़ावा दे। खुलकर बात करने, उपलब्धियों को सम्मानित करने, और रचनात्मकता का विकास करने से कंपनियों को कर्मचारियों और उनके दायित्वों के बीच गहरा तालमेल बनाने और एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति का विकास करने में मदद मिलती है। जहाँ भारतीय कार्यस्थलों पर खुलेपन को बढ़ावा देने में प्रगति हुई है, वहीं इस सर्वे में कई तत्व ऐसे भी सामने आए हैं, जो जुड़ाव की भावना को कम करते हैं। साथियों द्वारा पक्षपात (43 प्रतिशत), थकान और काम व जीवन के बीच संतुलन (38 प्रतिशत), दायित्व को लेकर स्पष्टता की कमी (33 प्रतिशत), और प्रत्यक्ष मैनेजर द्वारा निंदा (32 प्रतिशत) कर्मचारियों की समावेशिता और कल्याण को प्रभावित करने वाली मुख्य चुनौतियाँ हैं।

उबालते वक्त टूटेंगे नहीं अंडे...ऐसे ही ये किचन हैक्स आसान कर देंगे काम

किचन में खाना बनाना और फिर सफाई करना...आसान नहीं होता है. इन सबके बीच काफी ज्यादा स्ट्रेस हो जाता है. वर्किंग लोगों के लिए ये और भी ज्यादा मुश्किल होता है. कुछ ऐसे किचन हैक्स हैं जो आपके काम को आसान बनाते हैं और स्ट्रेस भी नहीं होता है.

किचन में काम करना आसान नहीं होता है. घरों में आज भी महिलाओं का बहुत सारा समय किचन में ही गुजरता है, क्योंकि आजकल ज्यादातर महिलाएं भी कामकाजी हैं, ऐसे में सुबह ऑफिस पहुंचने की जल्दी और इस दौरान ब्रेकफास्ट बनाने से लेकर खुद के लिए और बच्चों के लिए टिफिन तैयार करने तक बहुत ज्यादा व्यस्तता हो जाती है. ऐसे में जरूरी है कि कुछ ऐसे किचन हैक्स पता हो जिससे काम फटाफट हो जाए और आपको उलझन भी न हो. इससे समय भी बचता है और स्ट्रेस भी कम होता है.

खाना बनाना सिर्फ पेट भरने के लिए कोई भी चीज बना लेना नहीं होता है, बल्कि ये एक कला होती है, जिसे थोड़े स्मार्ट तरीके से किया जाए तो स्ट्रेस नहीं होगा, बल्कि काम करने में खुद को भी अच्छा लगता है. तो चलिए जान लेते हैं कुछ किचन हैक्स.

उबालते वक्त नहीं टूटेंगे अंडे

बहुत बार ऐसा होता है कि अंडा करी बनानी है और अंडे उबालते वक्त टूट जाते हैं, जिससे देखने में काफी खराब लगने लगते हैं. इससे बचने के लिए अंडों को उबालते वक्त उसमें एक चम्मच वाइट विनेगर डाल दें. अगर घर में वाइट विनेगर न हो तो एक चम्मच नमक डाल देना चाहिए. इससे अंडा छिल भी आसानी से जाता है.

मूंगफली के छिलके मिनटों में हो जाएंगे अलग

सर्दियों के दिनों में लोग अपने घरों में गुड़ और मूंगफली की चिक्की या फिर लड्डू तैयार करते हैं. इसके लिए बहुत सारे मूंगफली के दाने रोस्ट करने होते हैं, लेकिन छिलका हटाने में काफी टाइम चला जाता है. इस झंझट से बचने के लिए भुने गए मूंगफली के दानों को एक साफ तौलिया में डालकर ढीली पोटली बना लें और इसे अच्छे से रगड़ें. आप जब पोटली खोलेंगे तो देखेंगे कि सारे छिलके हट गए हैं और ये इधर-उधर फैलते भी नहीं हैं आप आराम से डस्टबिन में सारे छिलके डाल सकते हैं.

कुकर से बाहर नहीं निकलेगी दाल

दाल को उबालते वक्त जैसे ही सीटी लगती है तो सारा पानी बाहर आ जाता है, जिससे ढक्कन के साथ ही गैस चूल्हा भी गंदा हो जाता है और कुकर की सीटी को साफ करने में भी काफी परेशानी होती है. इससे बचने के लिए दाल को उबालने रखते वक्त उसमें थोड़ा सा तेल डाल दें या फिर एक स्टील की कटोरी डाल दें. इससे पानी ढक्कन के बाहर नहीं आएगा.

लहसुन इस तरह से फटाफट छिल जाएगा

सब्जी से लेकर दाल तक में लहसुन की अरोमा स्वाद को बढ़ा देते है और ये हेल्थ के लिए भी जरूरी इनग्रेडिएंट है, लेकिन लहसुन को छीलने में थोड़ा वक्त लगता है. ऐसे में आप या तो चिमटे से पकड़कर लहसुन को भून लें या फिर चाकू से इसके ऊपर का हिस्सा काट दें और गर्म पानी में डाल दें. तब तक अपना दूसरा काम निपटा लें. अब आप देखेंगे के लहसुन आसानी से फटाफट छिल जा रहा है.

चाय की छलनी फटाफट होगी साफ

आपके घर में अगर स्टील की छलनी है और चाय छानते-छानते उसकी जाली काली पड़ चुकी है, जिसे साफ करना बहुत मुश्किल लगता है तो आपको सिर्फ करना इतना है कि गैस को ऑन करें, कुछ देर छलनी उसके ऊपर रखें और आंच उन जगहों पर दिखाएं जहां पर कालापन ज्यादा जम गया है. इसके बाद गैस ऑफ कर दें आप देखेंगे कि जैसे ही आप छलनी को थोड़ा सा भी शेक करेंगे तो यह साफ हो जाएगी.

रवा को ऐसे करें स्टोर

सूजी या फिर रवा एक ऐसा इनग्रेडिएंट है जो फटाफट रेसिपी बनाने के काफी काम आता है, जैसे ब्रेकफास्ट में उपमा बनाना, मीठे का मन हो तो सूजा का हलवा फटाफट तैयार हो जाता है, लेकिन सूजी को रोस्ट करने में थोड़ा वक्त जाता है, इसलिए सूजी को पहले से ही रोस्ट करके एक शीशे के एयरटाइट कंटेनर में स्टोर कर लें.

जीडीपी वृद्धि में छिपा है वैश्विक जलवायु परिवर्तन का राज

भारत में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर 3 करोड़ से अधिक छात्र हैं। इनकी मदद से या एक समकक्ष शहरी समूह कल्याण के माध्यम से हर दो साल में बहु-आयामी उपाय पर डेटा एकत्र करें तो हम हर दौर में आसानी से देश के 25 फीसदी तक का सैंपल ले सकते हैं। जमीनी वास्तविकताओं, स्वैच्छिक राष्ट्रीय सेवा, चरित्र और कम लागत वाले, ईमानदार, सटीक डेटा संग्रह के लिए यह क्या यह एक अच्छा जोखिम नहीं हो सकता है?अजरबैजान की राजधानी बाकू में चल रहा चीफ़ ऑफ़ पार्टीज (सीओपी) का 29वां सम्मेलन जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएएफसीसीसी) के पक्षों का जमावड़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण सभा है। 2016 के अंत में जब पेरिस समझौता लागू हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 सेंटीग्रेड तक सीमित करने के लिए 2030 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कटौती की जानी थी। 2016 में वैश्विक उत्सर्जन कार्बन डाई ऑक्साइड (सीओ 2) के बराबर 48 जीटी था। 2023 में 1.5 से.ग्रे. के लक्ष्य को पाने के लिए हमारा उत्सर्जन आदर्श रूप से 38 जीटी होना चाहिए था, लेकिन 2023 में वास्तविक उत्सर्जन 50 जीटी से अधिक था।इस बारे में दो स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण हैं। एक, ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 से.ग्रे तक सीमित करना कोई सुहाना सपना नहीं है। हम अभी लगभग 1.1 सें.ग्रे. पर हैं और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जलवायु के बारे में लगभग ऐसी ही खबरें मिलती है। इस लिहाज से 1.5 से.ग्रे. एक बहुत बुरा भविष्य है। दूसरा, सीओपी 29 में 29 का अर्थ है कि हम तीन दशकों से ऐसी उच्च-स्तरीय वैश्विक बैठकें कर रहे हैं और इन महंगी बैठकों के आयोजन का कारण बताने के लिए एकमात्र आउटपुट जीएचजी (ग्रीन हॉऊस गैस) उत्सर्जन की स्थिर वृद्धि है।संकट के समय धरती को बचाने के लिए इंसान बाध्य है। हमारा निरंतर और प्राथमिक प्रयास हमारी भौतिक बेहतरी के लिए काम करना है। हम सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था के लिए जनजातियों या राष्टों का निर्माण करते हैं और इस यात्रा में प्रमुख समझ यह है कि यदि किसी देश को अपने नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करनी है तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की जरूरत है या दूसरे शब्दों में अपनी जीडीपी बढ़ाने की आवश्यकता है।जीडीपी की धारणा यह है कि %जो समाज दूसरों की तुलना में अधिक उत्पादन और उपभोग करते हैं, वे बेहतर हैं। अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माताओं ने इस धारणा को हमारे दिमाग में डाल दिया है जिसे मीडिया ने हवा दे रखी है। 1934 में अमेरिकी अर्थशास्त्री साइमन कुज़्नेट्स ने जीडीपी का विचार विकसित किया था। कुज़्नेट्स ने खुद अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि जीडीपी केवल राष्ट्रीय आय का आंकड़ा है, यह नागरिकों के कल्याण का पैमाना नहीं है। हालांकि अमेरिका में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यह उपाय उल्लेखनीय रूप से प्रभावी साबित हुआ। 1940 के दशक के उत्तरार्ध में चले शीत युद्ध की परिस्थितियों ने यह सुनिश्चित किया कि यह देश की आर्थिक ताकत का प्रमुख उपाय बन जाए। दुनिया भर के देशों के लिए इसे अपनाना स्वैच्छिक और मजबूरी, दोनों ही था। नतीजा यह हुआ कि सरकारों ने वस्तुओं के उत्पादन और सेवाओं को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी भूमिका को समझा। 1990 के दशक में जैसे ही मुक्त बाजार अर्थशास्त्र ने जोर पकड़ा, राज्य की नीतियों ने निजी उद्यमों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। जीडीपी एक नीतिगत उपकरण की जगह केवल सभी सरकारों और उनके सलाहकारों का प्रमुख नीतिगत लक्ष्य बन गया।पिछले तीन दशकों से भारत में जीडीपी बढ़ रही है। हकीकत में भारत को देखने वाला कोई भी व्यक्ति पूरी तरह से अलग तस्वीर देखता है। बाजार आधारित अर्थव्यवस्था में बुनियादी दोष यह है कि यह सभी लोगों के लिए उत्पादन नहीं करती है। यह केवल उन लोगों के लिए उत्पादन करती है जिनके पास क्रय शक्ति है या सीधे शब्दों में कहें तो उनके लिए जिनके पास पैसा है। बाजार यह नहीं देखता कि सैंकड़ों- लाखों लोगों को क्या चाहिए, बल्कि वह वही पैदा करता है जो पैसे वाले लोग खरीदना चाहते हैं। इसलिए भारत में जगमगाते मॉल, लक्जरी कारें, स्मार्टफोन और छुट्टियां बिताने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल हैं।

फिर भी ये सारी बातें केवल शीर्ष 5 फीसदी आबादी के लिए सुलभ हैं जबकि 50 फीसदी से अधिक जनता स्वच्छ पेयजल, भोजन, अच्छा आवास, नौकरी और स्वच्छता की सुविधा पाने के लिए संघर्षरत है।हालांकि जीडीपी बढ़ाने की कोशिश कर रहे अस्तित्व के खतरे की तुलना में उपरोक्त सभी विरोधाभास फीके हैं। वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ाना हवाई ख्याल से कम नहीं होता है। उत्पादन के लिए भौतिक संसाधनों और ऊर्जा की आवश्यकता होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीडीपी में वृद्धि सीधे उत्सर्जन में वृद्धि को बढ़ावा देती है क्योंकि हमारा यह विश्वास है कि जीडीपी बढ़ाने से ही मानव कल्याण संभव है इसलिए तीस साल से हो रही सीओपी बैठकें वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में असमर्थ रही हैं। चूंकि सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि जीएचजी उत्सर्जन में वृद्धि के बिना नहीं हो सकती है इसलिए आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गंभीर पारिस्थितिक और जलवायु तबाही की स्थिति तथा मानवता पर मंडराते खतरे के बावजूद उत्सर्जन कम करने में लंबे तीस वर्षों के वैश्विक प्रयास विफल रहे हैं। सीधी बात यह है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या का ईमानदारी से सामना करने के लिए हमें सबसे पहले इस कल्पना को चुनौती देनी होगी कि जीडीपी से मानव कल्याण होता है।जीडीपी पर निष्पक्ष न होने का आरोप नया नहीं है। इसकी कई कमियां सर्वज्ञात हैं। हम सभी जानते हैं कि यह अच्छी चीजों को महत्व देती और खराब पहलुओं को छिपाती है। इसलिए उत्पादन में वृद्धि से जीडीपी में वृद्धि होती है एवं गंदी हवा और पानी में भी बढ़ोतरी होती है। जीडीपी प्रकृति को केवल एक दोहन योग्य संसाधन मानता है। जीडीपी की शायद सबसे भ्रामक विशेषता है कि यह औसत का एक उपाय है- इसलिए जब हम प्रति व्यक्ति आय (जीडीपी) की बात करते हैं तो यह बात अस्पष्ट है कि आखिर यह आय कैसे वितरित की जाती है। इस भ्रामक उपाय% का एक नमूना जांच के लिए लें- आज भारत में प्रति व्यक्ति जीडीपी लगभग 1.84 लाख रुपये प्रति वर्ष है। इसका तात्पर्य यह है कि भारत में पांच सदस्यों के औसत परिवार की वार्षिक आय 9.20 लाख रुपये प्रति वर्ष या 76,666 रुपये प्रति माह है। वास्तविकता यह है कि 80 फीसदी भारतीय परिवार प्रति माह 20 हजार रुपये से कम कमाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रति व्यक्ति जीडीपी आज दुनिया भर में भयावह असमानता को छुपाती है।

भले ही जीडीपी के इन लेखांकन और सांख्यिकीय दोषों को समाप्त कर दिया गया हो या अनदेखा किया गया हो, हमें यह समझने की जरूरत है कि यह मानव कल्याण को दूर से भी नहीं मापता है। इंसान के पास जरूरतों का एक सेट है जिसमें शामिल सभी बातें महत्वपूर्ण हैं। एक अच्छे जीवन के लिए भोजन, आश्रय, स्वच्छता जैसी बुनियादी बातें आवश्यक हैं। इसका मतलब शरीर और मन को सक्षम करने के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा तथा शिक्षा की उपलब्धता। इसके बाद हर एक व्यक्ति को काम की पेशकश शामिल है जिसके जरिए हम सार्थक योगदान देकर अपनेपन, गरिमा एवं आत्म-मूल्य की भावना महसूस कर सकें। हमें स्वस्थ संबंधों और सामुदायिक भावना की जरूरत है। हमें स्वच्छ हवा-पानी, गैर विषैले भोजन, स्थिर जलवायु तथा एक ऐसे वातावरण की आवश्यकता है जिसमें सभी प्रजातियां पनपती हैं और अपना अस्तित्व बनाए रखती हैं। हमें विचार करने के लिए अवकाश और समय चाहिए।हमें जीडीपी की एकल, उद्देश्यपूर्ण, मात्रात्मक संख्या को मैट्रिक्स के डैशबोर्ड के साथ बदलने की जरूरत है जो इस बात की सच्ची तस्वीर दे कि समाज एक समृद्ध, पूर्ण, सार्थक जीवन के उपरोक्त घटकों में से प्रत्येक पर कैसे आगे बढ़ रहा है।सौभाग्य से शिक्षाविदों ने इन सवालों को पूछने में कमी नहीं की है। बियॉन्ड जीडीपी परियोजना दशकों से चल रही है- न केवल सिद्धांत रूप में बल्कि यहां-वहां प्रयोगों के रूप में भी।

भूटान के सकल राष्ट्रीय खुशी जीएनएच (ग्रास नेशनल हैप्पीनेस एक सूचकांक है, जिसका इस्तेमाल लोगों की सामूहिक खुशी और कल्याण को मापने के लिए किया जाता है। यह आर्थिक खुशी और नैतिक प्रगति का एक माप है) से लेकर पारिस्थितिक अर्थशास्त्रियों के वास्तविक प्रगति संकेतक (जीपीआई-जेन्यूइन प्रोग्रेसिव इंडिकेटर किसी देश की आर्थिक वृद्धि और समृद्धि को नापने का संकेतक। इसमें पर्यावरण एवं सामाजिक मुद्दों को भी शामिल किया जाता है) तक, केट रावर्थ के डोनट(एक ऐसी आर्थिक मॉडल जिसमें मनुष्य की जरूरतों के साथ ही धरती की रक्षा के संतुलन पर विचार किया जाता है) तक उपाय लाजिमी हैं। भारत के मामले में हमें मानव जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण आयामों में कल्याण की निगरानी करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें जिला स्तर पर डेटा एकत्र करने और रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। इससे हमें जमीनी स्तर पर विशिष्ट जरूरतों और बाधाओं को समझने तथा उनका जवाब देने में मदद मिलेगी। जीडीपी की तुलना में सामाजिक कल्याण का सच्चा उपाय हमारे गांवों, कस्बों और शहरों से व्यवस्थित रूप से उत्पन्न हो। जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने की हमारी एकमात्र आशा इस रीसेट पर टिकी हुई है।भारत में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर 3 करोड़ से अधिक छात्र हैं। इनकी मदद से या एक समकक्ष शहरी समूह कल्याण के माध्यम से हर दो साल में बहु-आयामी उपाय पर डेटा एकत्र करें तो हम हर दौर में आसानी से देश के 25 फीसदी तक का सैंपल ले सकते हैं।

संपादकीय

चंडीगढ़ की कसक

अभी भी चंडीगढ़ के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि शहर की फिजा में इतना ज़हर घुल चुका है कि एक्यूआई चार सौ का आंकड़ा पार कर गया। सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से विख्यात इस शहर को किसकी नज़र लगी, शहर के बाशिंदे अब तक समझ नहीं पा रहे हैं। लोग बताते नहीं थकते कि ऐसा मंजर उन्होंने जिंदगी में पहली बार देखा है। कभी लोग इस शहर की खूबसूरती और स्वास्थ्यवर्धक आबोहवा की कसमें खाया करते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू के सपनों का शहर, जिसे तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो ने रात-दिन एक करके हकीकत बनाया। फिर फ्रांस के नामचीन वास्तुकार ली कार्बूजिए ने अपनी भारतीय टीम के साथ मिलकर उस सपने को साकार किया। भरपूर हरियाली और योजनाबद्ध तरीके से बने शहर में ऐसा कुछ नहीं दिखता जो भयावह प्रदूषण का सबब बने। विस्तृत सुखना झील, इसके पर्यावरण व सौंदर्य को निखारती है और आबोहवा को शुद्ध करती है। इस शहर को तीन प्रदेशों की राजधानी होने का दर्जा हासिल है। पंजाब व हरियाणा के साथ खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की भी राजधानी है। ऐसे में जब सिटी ब्यूटीफुल के लोगों ने अखबारों में चंडीगढ़ के एक्यूआई लेवल के चार सौ पार करने का समाचार पढ़ा तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। एक शहर जिसके सौंदर्य व आबोहवा की शान में पंजाबी गीतों में तमाम कसीदे पढ़े जाते थे, उसे यकायक ये क्या हो गया। शासन प्रशासन के लिये भी यह एक नई चुनौती थी। ऐसी स्थिति पहले कभी उसके सामने आई भी नहीं थी। नौकरशाह भी हतप्रभ थे कि किया क्या जाए। इस ज़हरीली फिजा में प्रत्यक्ष तौर पर शहर की भूमिका भी तो नहीं थी। यहां न तो ऐसी कोई इंडस्ट्री थी और न ही थर्मल प्लांट आदि, जिन पर तत्काल कार्रवाई होती। एक सुनियोजित-व्यवस्थित शहर व जागरूक नागरिक और साथ में सचेत तंत्र। वैसे आधुनिक सभ्यता की विसंगतियां तो जरूर थीं जो तापमान बढ़ाने में किसी हद तक भूमिका निभाती हैं।

बहरहाल, समय के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा बदला जरूर है जो इस शहर की आबोहवा में दखल देता है। कभी चंडीगढ़ को बाबुओं का शहर कहा जाता था। बदलते वक्त के साथ कारों का हुजूम जरूर यातायात और पार्किंग की समस्या खड़ी करता है। लेकिन उसकी एक्यूआई लेवल को चार सौ पार पहुंचाने में इतनी बड़ी भूमिका भी नहीं रही। वैसे तो आधुनिक जीवनशैली के चलते एसी, फ्रिज, कार और निकटवर्ती इलाकों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों में तेजी ने हमारे पर्यावरण पर हर शहर की तरह असर तो डाला है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें जो भूमिका पर्यावरण संरक्षण हेतु निभानी चाहिए, वो हम नहीं निभाते हैं। यूं तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप बरकरार है। कुछ सेक्टर नये जुड़े हैं, लेकिन सुनियोजित तरीके से ही उनका विस्तार हुआ। चंडीगढ़ के निर्धारित स्वरूप के चलते इसके अधिक विस्तार की गुंजाइश भी नहीं है, लेकिन इसके चारों ओर तमाम छोटे-बड़े शहरों का विस्तार हुआ है। घनी आबादी कहीं न कहीं चंडीगढ़ पर दबाव जरूर बनाती है। लेकिन यह स्थिति उतनी विकट नहीं है कि शहर का एक्यूआई लेवल चार सौ पार करे। कह सकते हैं कि इसके आसपास के राज्यों में जलती पराली की इसमें किसी सीमा तक भूमिका होगी। पड़ोसी पाकिस्तान के लाहौर में एक्यूआई लेवल की जो भयावह स्थिति है उसका असर अमृतसर से चंडीगढ़ तक कितना पड़ा, इसके लिये वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है। मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं कि पहाड़ों में बर्फबारी के बाद मैदानों में अचानक तापमान गिरने से हवा में नमी बढ़ी है। हवा की गति धीमी होने से प्रदूषक कण आगे नहीं बढ़ रहे हैं। जिससे प्रदूषण की समस्या विकट हो रही है। हालांकि, धीरे-धीरे स्थिति सुधर रही है, मगर हर कोई चाह रहा है कि मौला बारिश दे, ताकि इस प्रदूषण से छुटकारा मिले। चंडीगढ़ के लोगों को घटनाक्रम सबक दे गया कि घर की सफाई के साथ-साथ आस-पड़ोस भी साफ-सुथरा होना चाहिए। यह भी कि कुदरत किसी भी ज्यादती का प्रतिकार करती है।

महाराष्ट्र में महायुति और एमवीए के बीच उम्मीद से कहीं ज़्यादा कड़ी टक्कर

इन चुनावों में स्थानीय मुद्दों का बोलबाला कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी देखने को मिला है। यहां तक कि भाजपा भी महायुति शासन में शुरू की गयी राज्य की कल्याणकारी योजनाओं पर ही अधिक निर्भर दिख रही है। विभिन्न क्षेत्रों के कांग्रेस नेता भी किसानों की पीड़ा और युवाओं में बेरोजगारी जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सत्तारूढ़ महायुति की ओर से महाराष्ट्र में व्यापक रूप से प्रचार किया है, और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से, राज्य के मतदाता उनसे कम तथा स्थानीय मुद्दों से अधिक प्रभावित हैं, जिनका वे अपने दैनिक जीवन में सामना कर रहे हैं। इसलिए चुनाव प्रचार के चरम पर राजनीतिक परिदृश्य बहुत तनावपूर्ण हो गया है, क्योंकि 20 नवंबर को होने वाले मतदान में पहले की अपेक्षा कड़ी टक्कर की संभावना है।हिंदू वोटों के एकीकरण जैसे मुद्दों की तुलना में स्थानीय मुद्दे अधिक प्रमुख क्यों हो गये? इसका एक कारण महायुति के भीतर गठबंधन की राजनीति है। एनसीपी (अजित पवार) का मानना है कि मुसलमानों में उसका काफी समर्थन आधार है और उसके कई समर्थक अभी भी शरद पवार और उसकी एनसीपी (शरद पवार) का सम्मान करते हैं। चूंकि केंद्रीय भाजपा नेता मुसलमानों और शरद पवार दोनों पर हमला करते हैं, इसलिए अजित पवार का मानना है कि इस तरह की बयानबाजी उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। इसीलिए, उन्होंने यहां तक संकेत दिया है कि भाजपा नेताओं को उन निर्वाचन क्षेत्रों में इस तरह से प्रचार नहीं करना चाहिए जहां उनकी पार्टी चुनाव लड़ रही है।

फिर दो उपमुख्यमंत्रियों - अजित पवार और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के बीच दरार पड़ गयी है। दोनों स्थानीय राजनीति में बढ़त चाहते हैं। भाजपा के भीतर, फडणवीस ने कई मौकों पर अपमान महसूस किया है, जिससे वह चिढ़ गये और उनका अधिकार कुछ हद तक कम हो गया। आरएसएस ने भाजपा के समूहों के बीच स्थानीय राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की है।

जहां तक शिवसेना (शिंदे) का सवाल है, इसकी अभी तक कोई राष्ट्रीय आकांक्षा नहीं है। यह लगभग पूरी तरह से स्थानीय राजनीतिक मुद्दों पर निर्भर करती है। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि शिवसेना, अपने आप में एक स्थानीय घटना रही है और विभाजन के बाद भी, शिंदे को स्थानीय राजनीति में शिवसेना (यूबीटी) पर बढ़त हासिल करने की जरूरत है। शिवसेना (यूबीटी) भी स्थानीय स्तर पर असली शिवसेना के रूप में नयी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

मुकाबला मुख्य रूप से महायुति और एमवीए के बीच है, लेकिन दोनों गठबंधनों के साथ समस्या यह है कि वे पूरी तरह से एकजुट नहीं हैं, जबकि चुनाव प्रचार 18 नवंबर को समाप्त होने वाला है। इस संबंध में, महायुति एमवीए की तुलना में अधिक विभाजित है, अगर गठबंधन दलों के बीच सीटों पर दोस्ताना मुकाबलों को कोई संकेत माना जाये। एमवीए में ऐसी 15 सीटें हैं जिन पर गठबंधन दलों के उम्मीदवारों के बीच दोस्ताना मुकाबला है जबकि महायुति में यह संख्या 21 है। महायुति 2 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है और एमएनएस उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है।

महायुति में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा 288 सदस्यीय विधानसभा में 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन पार्टी गठबंधन सहयोगियों के साथ 4 सीटों पर दोस्ताना मुकाबले में भी है। शिवसेना (शिंदे) 75 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और अन्य 6 पर वे दोस्ताना मुकाबले में हैं। एनसीपी (अजित पवार) 50 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और अन्य 9 पर वे दोस्ताना मुकाबले में हैं। जेएसएस 3, आरवाईएसपी 2 और आरएसवीए 1 सीट पर चुनाव लड़ रही है। दोस्ताना मुकाबलों की संख्या से पता चलता है कि एनसीपी (अजित पवार) अधिक संकट में है, उसके बाद शिवसेना (शिंदे) और भाजपा हैं।एमवीए या इंडिया गठबंधन के सहयोगियों में कांग्रेस सबसे अधिक 102 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन 2 सीटों पर वह सहयोगी उम्मीदवारों के साथ दोस्ताना मुकाबले में है। शिवसेना (यूबीटी) 90 सीटों पर और अन्य 2 पर दोस्ताना मुकाबले में चुनाव लड़ रही है, जबकि एनसीपी (शरद पवार) के लिए ये संख्या क्रमशः 85 और 1, पीडब्ल्यूपीआई के लिए 3 और 2, सीपीआई (एम) के लिए 2 और 1, तथा एसपी के लिए 2 और 7 है। सीपीआई 1 सीट पर चुनाव लड़ रही है।भाजपा 75 सीटों पर कांग्रेस के साथ, 31 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) के साथ और 40 सीटों पर एनसीपी (शरद पवार) के साथ सीधे मुकाबले में है। भाजपा को 3 सीटों पर गैर-एमवीए विपक्ष के साथ सीधे मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है।महायुति की एक अन्य पार्टी शिवसेना (शिंदे) 15 सीटों पर कांग्रेस के साथ, 50 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) के साथ और 8 सीटों पर एनसीपी (एसपी) के साथ सीधे मुकाबले में है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि शिवसेना (शिंदे) और शिवसेना (यूबीटी) को एक-दूसरे द्वारा पेश की गयी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है कि उनमें से कौन असली शिवसेना है।एनसीपी (अजित पवार) और एनसीपी (शरद पवार) के साथ भी यही स्थिति है, जो 38 सीटों पर सीधे मुकाबले में हैं। एनसीपी (अजित पवार) केवल 7 सीटों पर कांग्रेस के साथ और केवल 6 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) के साथ सीधे मुकाबले में है।महायुति मुख्य रूप से मुख्यमंत्री मांझी लड़की बहन योजना की ताकत पर महिलाओं के वोटों पर निर्भर है, जबकि मराठा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के अन्य स्थानीय मुद्दों के अलावा एमवीए के साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं।इन चुनावों में स्थानीय मुद्दों का बोलबाला कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी देखने को मिला है। यहां तक कि भाजपा भी महायुति शासन में शुरू की गयी राज्य की कल्याणकारी योजनाओं पर ही अधिक निर्भर दिख रही है। विभिन्न क्षेत्रों के कांग्रेस नेता भी किसानों की पीड़ा और युवाओं में बेरोजगारी जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।ओबीसी के लिए आरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, खासकर मराठों की इसी मांग के सन्दर्भ में। मराठा नेता भाजपा से नाराज हैं औरएमवीए का समर्थन कर रहे हैं, खास तौर पर इसके नेता जरंगे पाटिल द्वारा अपने उम्मीदवारों को वापस लेने के अचानक कदम के बाद। स्थानीय मुद्दे हावी हो गये हैं, जिसके कारण दोनों पक्षों के कई मतदाता समूहों के एक दूसरे के पक्ष में जाने की संभावना है, जिससे राजनीतिक परिणाम अत्यधिक अप्रत्याशित हो सकते हैं।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▸ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▸ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▸ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▸ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▸ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▸ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▸ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▸ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▸ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं।

जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

कॉफी स्क्रब के सामने बेअसर हैं सभी फेसपैक्स, ऐसे करें इस्तेमाल

खूबसूरत और दमकता हुआ चेहरा किसे पसंद नहीं होता। इसके लिए आप पार्लर में हर महीने हज़ारों पैसे खर्च करते होंगे। यहां तक कि कई लोग चेहरे को बेदाग़ बनाने के लिए महंगे लेज़र ट्रीटमेंट का भी सहारा लेते हैं। हालांकि इसमें ज़्यादा पैसे भी खर्च होते हैं और साथ ही साइड-इफेक्ट्स का खतरा भी रहता है। ऐसे में कुछ उपाय ऐसे भी हैं जिनसे आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए चेहरे पर निखार पा सकती हैं। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही ब्यूटी सीक्रेट के बारे में जिससे आपका चेहरा खुबसूरत और दमकता हुआ दिखेगा और साथ ही ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे।

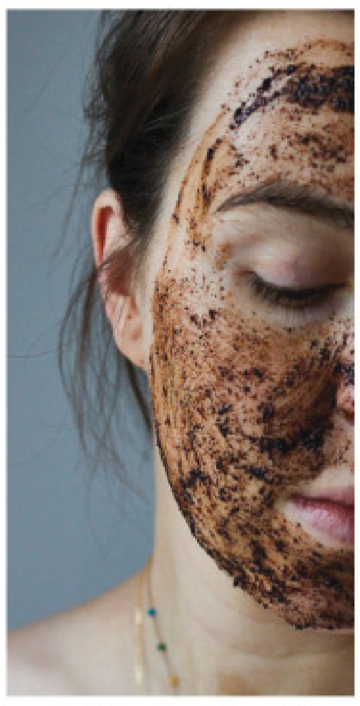

ये सीक्रेट छिपा है कॉफी में। आप शायद ही कॉफी के गुणों के बारे में जानती हों। कॉफी पीने में जितना मज़ा आता है उतने ही इसके त्वचा पर फायदें हैं। चेहरे पर अगर आप कॉफी इस्तेमाल करती हैं तो ये आपको ब्यूटी पॉर्लर के फैशियल से भी बेहतर निखार दे सकता है। साथ ही कॉफी में एंटी एजिंग एजेंट भी पाए जाते हैं इसलिए इसके लंबे समय तक इस्तेमाल से आपकी त्वचा ज्यादा उम्र तक खूबसूरत रहेगी।

कॉफी से आप कैसे फेसपैक तैयार कर सकती हैं

कॉफी स्क्रब: चेहरे पर निखार लाने के लिए कॉफी बेहद फायदेमंद है। इसके साइड इफेक्ट्स भी नहीं हैं। आपके चेहरे पर कैसे भी दाग-धब्बे हों, कॉफी फैशियल इनसे छुटकारा दिला सकता है। ये आपके चेहरे को बिल्कुल बेदाग़ और रिफ्रेश कर देता है। कॉफी चेहरे से डेड स्किन हटाने का काम करती है, जिससे त्वचा मुलायम हो जाती है और चेहरे की चमक भी बढ़ जाती है।

ऐसे बनाएं कॉफी स्क्रब

- एक कटोरी में एक छोटा चम्मच कॉफी पाउडर लें।
- अब इसमें थोड़ा सा चावल का आटा मिला लें। चावल का आटा आपको मार्केट में भी मिल सकता है या फिर आप थोड़े से चावल मिक्सी में पीस सकती हैं।
- अब इसमें 2 छोटे चम्मच कच्चा दूध, एक छोटा चम्मच नींबू का रस और एक छोटा चम्मच शहद भी मिला लें।
- फिर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे और गर्दन पर लगाकर स्क्रब करें।
- चेहरे पर करीब 10 मिनट तक स्क्रब करते हुए मसाज करें। फिर पानी से चेहरे को धो लें।
- हफ्ते में 4 दिन इस पैक को लगाएं इससे आपका चेहरा बिल्कुल खिल उठेगा।

सर्दियों में साइनस के दर्द से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 5 उपाय

सर्दियों में सेहत से जुड़ी कई परेशानियां भी शुरू हो जाती है। ऐसे में जिन लोगों को साइनस से जुड़ी परेशानी होती है, उनके लिए सर्दियां बहुत मुश्किल भरी होती है, अगर आपको या आपके किसी करीबी को भी ऐसी समस्या है, तो कुछ ऐसे प्राकृतिक उपाय हैं, जिन पर अमल करके आप काफी हद तक अपनी परेशानी कम कर सकते हैं-

इन उपायों से करें साइनस का दर्द कम-

सेब का सिरका

सेब का सिरका भी साइनस के लिए लाभदायक दवा है। सेब के सिरके में मौजूद औषधीय गुण होते हैं, जो साइनस की समस्या से निजात दिला सकते हैं। सेब का सिरका एक सटीक घरेलू उपचार है।

स्टीम लें

आप पानी में चुटकी भर नमक या बाम डालकर स्टीम लें। रोजाना 5-6 मिनट ऐसा करने से न सिर्फ आपको साइनस के दर्द से राहत मिलेगी बल्कि इससे आपके चेहरे पर भी काफी असर पड़ेगा7

प्याज का रस

साइनस संक्रमण से निजात पाने के लिए आप प्याज के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। प्याज में एंटी बैक्टीरिया वाले तत्व पाए जाते हैं, जो साइनस संक्रमण के इलाज के लिए उपयोगी माने गए हैं।

प्राकृतिक तेल

साइनस का उपचार विभिन्न प्राकृतिक तेलों से किया जा सकता है। इसमें लैवेंडर, पुदीना, नींबू, पाइन व लौंग आदि शामिल हैं। ये तेल काफी लाभदायक होते हैं, जिनसे छाती, नाक व सिर की मालिश करने से आराम मिलता है।

लेमन बाम

साइनस की समस्या से निजात पाने के लिए लेमन बाम भी एक गुणकारी नुस्खा है। यह पुदीने के परिवार का ही एक बारहमासी पौधा है। इसका इस्तेमाल बुखार, जुकाम या फ्लू के उपचार के लिए किया जाता है।

क्या है साइनस

साइनस नाक से जुड़ी एक समस्या है। इसमें पीड़ित की नाक और आसपास और सिर के आधे भाग में दर्द होने लगता है। सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है, इसमें आपका नाक बंद होना, सिर में दर्द और नाक से पानी गिरने जैसे लक्षण होते हैं।

रेसिपी

चीज नमकपारे

सामग्री

- मैदा- 2 कप
- प्रोसेस्ड चीज़- 1/2 कप (कद्दूकस किया)
- घी- 2 टेबलस्पून
- गुनगुना दूध- 1/2 कप
- नमक- स्वादानुसार
- अजवाइन- आधा टीस्पून (बारीक कुटी हुई)
- तेल- तलने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, घी, नमक, अजवाइन और चीज़ डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें और थोड़ा-थोड़ा गुनगुना दूध डालते हुए हल्का सख्त आटा गूंथ लें। इसे ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। फिर आटे को 4 मिनट तक मसल लें। अब आटे को चार बराबर भागों में बांट लें और गोल लोई बनाकर पतला बेल लें। फिर इसे चाकू से छोटे टुकड़ों में काट लें। कढ़ाही में तेल गरम करें। तेल गरम होने पर इसमें नमकपारे डालकर डीप फ्राई करने के लिए डाल दें। नमकपारों को हल्का ब्राउन होने तक फ्राई कर लें। फिर इन्हें नैपकिन पेपर बिछाकर प्लेट में निकाल लें और अपने गेस्ट्स को सर्व करें।

बाकरवड़ी

सामग्री

- मैदा- 1 कप
- बेसन- 2 टेबलस्पून
- इमली की मीठी चटनी- 2 टीस्पून
- सूखा नारियल- 1 टेबलस्पून (कद्दूकस)
- तिल- 1 टेबलस्पून
- चीनी- 2 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून
- सौंफ पाउडर- 1/2 टीस्पून
- जीरा- आधा टी स्पून
- हल्दी पाउडर- 1/4 टीस्पून
- अदरक पाउडर- 1/4 टीस्पून
- गरम मसाला- 1 चौथाई टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार
- अजवाइन- 1 टीस्पून
- रिफाइंड ऑयल- 2 टेबलस्पून (आटे के लिए)
- रिफाइंड ऑयल- फ्राई करने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, ऑयल, अजवाइन, नमक और बेसन डालकर मिक्स करें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंद लें। आटे को 15 मिनट के लिए ढककर रख दें। तिल, नारियल पाउडर, चीनी, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, जीरा, लाल मिर्च, नमक, हल्दी, अदरक पाउडर, गरम मसाला को मिक्सर में डालकर बारीक बना लें। गूंदे आटे को हाथ पर तेल लगाकर अच्छी तरह मसल कर चिकना कर लें। छोटी-छोटी लोई बनाकर न ज्यादा पतला और न मोटा बेलें। बेली गई पूड़ी को 2 भागों में काट लें। पूरी के दोनों भागों पर चटनी डालकर चारों ओर अच्छे से फैला दें। किनारा थोड़ा छोड़ दें। इसमें 1 छोटा टी-स्पून मसाला डालकर फैला दें। फिर जो खाली जगह छोड़ी है, उसके किनारे पर पानी लगा दें। फिर इसमे रोल करें और चिपका दें। दोनों खुले किनारों को दबाकर बंद कर दें और हाथों से रोल करते हुए थोड़ा सा पतला और लंबा कर लें। फिर इसके आधा इंच के टुकड़े काट लें और आधा घंटे के लिए ऐसे ही खुले छोड़ दें। कढ़ाई में तेल गरम कर एक-एक करके टुकड़ों को तेल में डालें। मीडियम आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें। ठंडा होने सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। ज़रा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2650

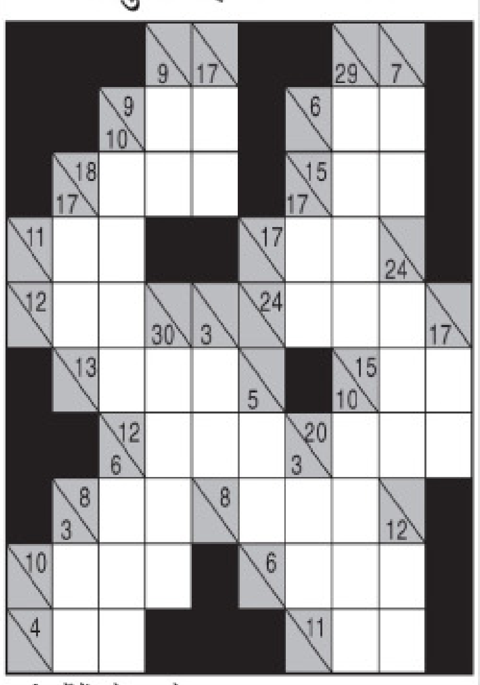

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

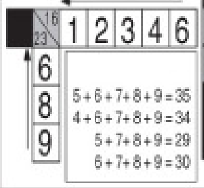

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2649 का हल

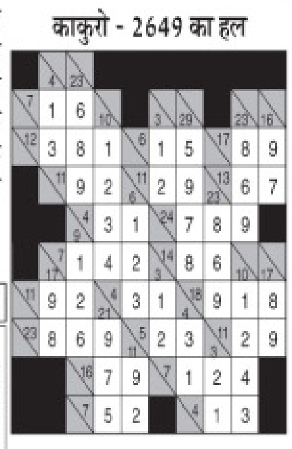

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा- 'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला- 'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि 'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज- 'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर- 'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 2650

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2649

सूडोकु -2650

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2649 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2650

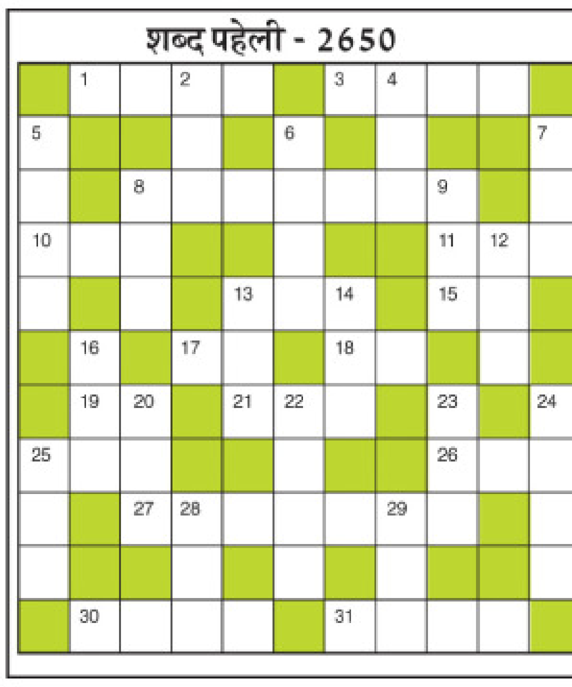

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्जं,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -2649 का हल

सीएम चंद्रबाबू नायडू के भाई राममूर्ति नायडू का निधन

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के भाई और तेलुगू फिल्म अभिनेता नारा रोहित के पिता एन. राममूर्ति नायडू का शनिवार दोपहर को निधन हो गया। 72 वर्षीय राममूर्ति को हृदय संबंधी समस्याओं के कारण हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वर्ष 1994 में वह टीडीपी के टिकट पर चंद्रगिरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। राममूर्ति नायडू की पत्नी इंदिरा और बेटे नारा रोहित एवं गिरीश उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने महाराष्ट्र का अपना चुनावी दौरा रद्द कर दिया है। चंद्रबाबू के बेटे और राज्य के मंत्री एन. लोकेश भी अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर हैदराबाद पहुंचे। राममूर्ति नायडू का अंतिम संस्कार रविवार को चित्तूर जिले के उनके पैतृक गांव नारावरिपल्ले में होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व विधायक राममूर्ति नायडू के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और उनके परिजनों को साहस प्रदान करने की प्रार्थना की। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने राममूर्ति नायडू के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शोक से पीड़ित मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत अब तक 10 लाख बुजुर्गों ने किया नामांकन

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत आयुष्मान वय वंदना में नामांकन करने वाले बुजुर्गों की संख्या तीन हफ्ते में ही 10 लाख पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पीएम-जेएवाई के तहत 10 लाख बुजुर्गों ने नामांकन कराया है। इसमें 4 लाख महिलाएं शामिल हैग। मंत्रालय ने बताया कि आयुष्मान वय वंदना कार्ड के लॉन्च के बाद से 9 करोड़ रुपये से अधिक के उपचार को मंजूरी दी गई है। इसमें 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के 4800 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को लाभ हुआ है। इसमें 1400 महिलाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के मौके पर 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों के लिए खास तोहफा दिया। उन्होंने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा कवर देने की शुरुआत की। इस योजना के तहत 70 साल या उससे ज्?यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। यह योजना सभी बुजुर्गों के लिए है। चाहे उनकी आमदनी कुछ भी हो। इस योजना के जरिए सरकार का मकसद स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ और किफायती बनाना है। देश के 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक बुजुर्ग को आयुष्मान वय वंदना कार्ड से अस्पताल में मुफ्त इलाज मिल रहा है। इसके तहत 4800 से अधिक बुजुर्गों को कार्ड लाभ भी मिल रहा है।

कांग्रेस सरकार के समय सबसे आगे रहने वाला महाराष्ट्र सभी सेक्टर में पिछड़ गया :पी. चिदंबरम

मुंबई। पूर्व केंद्रीय वित्तमंत्री और कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम ने मुंबई में कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान सबसे आगे रहने वाला महाराष्ट्र वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सभी सेक्टरों में पिछड़ गया है। उन्होंने महाराष्ट्र की विकास परियोजनाओं को अन्य राज्यों में चले जाने का भी आरोप लगाया। पी. चिदंबरम ने आज मुंबई के दादर तिलक भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रतिशत से गिरकर 7.6 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र 4.5 प्रतिशत से गिरकर 1.9 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 13 प्रतिशत से गिरकर 8 प्रतिशत और रियल सेक्टर क्षेत्र 14.5 प्रतिशत से घट कर 6.2 प्रतिशत हो गया है। राजकोषीय घाटा भी लगातार बढ़ रहा है। सरकार पैसे तो खर्च कर रही है लेकिन किसी भी सेक्टर में ग्रोथ देखने को नहीं मिल रही है। चिदंबरम ने कहा कि आज महाराष्ट्र में बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है और बेरोजगारी दर 10.8 प्रतिशत है। वेतन से कमाने वालों की संख्या बढ़ गई है जबकि 40 प्रतिशत स्व-रोजग़ार हैं। 18 हजार पुलिस भर्ती के लिए 11 लाख आवेदन आए थे जबकि 4600 तलाठी पदों के लिए 11.5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। इससे पता चलता है कि महाराष्ट्र में बेरोजगारी की स्थिति कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के युवाओं को रोजगार क्यों नहीं मिल रहा है? इस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राज्य में नौकरियां कहां हैं? 20 तारीख को मतदान करते समय महाराष्ट्र के युवा लड़के-लड़कियों और उनके माता-पिता को गडकरी का बयान नौकरियां कहां हैं? जरूर याद रखना चाहिए।

योगी जी सांसारिक होते तो दर्द समझते : रणदीप सुरजेवाला

नागपुर। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सांसारिक होते तो दर्द समझते। उन्होंने झांसी मेडिकल कॉलेज हादसे की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने पहले के हादसों से कोई सबक नहीं लिया है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में प्रेस कांफ्रेस कर झांसी में मेडिकल कालेज में हुए हादसे के लिए योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यदि सांसारिक होते तो बच्चा खोने का दर्द समझते और ऐसे हादसे टालने के लिए स्थायी उपाय खोजते। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार देर रात लगी आग में 10 बच्चों की झुलसने से मृत्यु हो गई है। इस घटना को लेकर कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने आज नागपुर में कहा कि योगी आदित्यनाथ चुनावी राज्यों में जनसभा कर नफरत फैलाने में व्यस्त हैं।

मणिपुर में मुख्यमंत्री आवास पर हमले का प्रयास, मंत्री व विधायक आवास पर हमले, 7 जिलों में इंटरनेट सेवा प्रतिबंधित

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में स्थिति लगातार जटिल होती जा रही है। जिरीबाम में अपहरण एवं हत्या तथा इसके बाद राज्य के छह जिलों में आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (आफ्सपा) लगाने के बाद लोग उत्तेजित हो गए। इन बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने इम्फाल ईस्ट जिले के हीनगांग स्थित मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के निजी आवास पर हमले का प्रयास किया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती के कारण भीड़ को मुख्यमंत्री आवास के आसपास 500 मीटर के दायरे में घुसने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य भर में कई मंत्रियों और विधायकों के आवासों को भी निशाना बनाया। घरों और वाहनों सहित संपत्तियों की तोड़फोड़ की।14 नवंबर को इंफाल पश्चिम के सेकमाई और लामसांग, इंफाल पूर्व

के लामलाई, बिष्णुपुर के मोइरांग, कांगपोकपी के लेइमाखोंग और जिरीबाम जिले के इलाके में आफ्सपा लागू कर दिया गया था। जिसके बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। इसे लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री आवास पर हमले का प्रयास किया गया और मंत्री व विधायक आवासों को निशाना बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार मणिपुर सरकार ने केंद्र से प्रभावित क्षेत्रों में आफ्सपा को लेकर पुनर्विचार करने और उसे वापस लेने का आग्रह किया है। इसी बीच मणिपुर सरकार ने भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के सात जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने की घोषणा की है। इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचांदपुर शामिल हैं। गृह विभाग द्वारा आदेश जारी कर 16 नवंबर को शाम 515 बजे से दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि इम्फाल में भाजपा विधायक लीशांगथेम सुसिंद्रो मीतेई के आवास को नुकसान पहुंचाने के लिए पहुंची भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को हवाई फायरिंग और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। कुल मिलाकर मणिपुर की स्थिति लगातार जटिल होती जा रही है।

झारखंड में चल रही है बंटी–बबली की सरकार ने जनता को छलने का काम किया : हिमंता

एजेंसी

बोकारो। असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड के सह चुनाव प्रभारी हिमंता विस्वा शर्मा ने प्रदेश की हेमन्त सरकार पर जमकर निशाना साधा। वह बोकारो ज़िले के बेरमो विधानसभा क्षेत्र के जैनामोड़ में भाजपा प्रत्याशी रविन्द्र कुमार पांडेय के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यहां बंटी–बबली की सरकार चल रही है जो युवाओं के साथ–साथ राज्यवासियों को छलने का काम किया है। उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्री कांग्रेस के आलमगीर आलम एवं डॉ इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा इन जैसे लोगों का सरकार में होना दुर्भाग्य है। ऐसे ही लोगों के कारण प्रदेश में घुसपैठ की समस्या बढ़ी है और आदिवासी महिलाओं के अस्मत के साथ खिलवाड़ हुआ है। वहीं जेएलकेएम के प्रत्याशी जयराम महतो के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में वो फैक्टर तो नहीं है वो कुछ वोट काट सकते हैं,लेकिन लोग अपना वोट सोच समझकर भाजपा के पक्ष में करेंगे। बेरमो में आयोजित जनसभा के बाद हिमंता विस्वा शर्मा ने

बोकारो विधानसभा क्षेत्र के चास में आयोजित रोड शो में भी हिस्सा लिया। उन्होंने लोगों से भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। करीब तीन किलोमीटर के इस रोड शो में लोगों की भीड़ ज़मकर उमड़ी। इस रोड शो में आम लोगों के अलावा काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। लोगों ने जगह–जगह रोककर हिमंता बिस्वा शर्मा का स्वागत भी किया।

नाला में प्रचार करने पहुंचे मिथुन चक्रवर्ती, लोगों से की परिवर्तन की अपील

एजेंसी

जामताड़ा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि इस बार इस राज्य में परिवर्तन की जरूरत है। अगर परिवर्तन होता है तभी इस राज्य के लोगों का सपना पूरा होगा और राज्य प्रगति की ओर जाएगा। उन्होंने लोगों से नाला सीट से माधव चंद्र महतो को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस दौरान उन्होंने बांग्ला और हिंदी भाषा में मारबे एखाने मत पड़बे सेखाने आदि फिल्मी डायलॉग के माध्यम से भी लोगों का मनोरंजन करते हुए मतदान के प्रति प्रोत्साहित किया। इससे पहले हेलीकॉप्टर से उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। फिल्म स्टार की नजदीक से एक झलक पाने के लिए लोग एक जगह से दूसरी जगह तक आते जाते रहे।

इस मौके पर भाजपा उम्मीदवार माधव चंद्र महतो ने कहा है कि राज्य में सुशासन कायम करने, भ्रष्टाचार रोकने तथा चारों ओर व्याप्त अराजकता की स्थिति में बदलाव लाने के लिए भाजपा को सत्ता में लाना काफी जरूरी हो गया है। बदलाव के लिए माहौल भी तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि नाला विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी समस्या बरकरार है और सरकार के जरिये किया गया पांच लाख नौकरी देने का वायदा छलावा साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस निकम्मी सरकार ने यहां के पढ़े लिखे शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने डूबते सूरज की ओर ध्यान कम देने तथा उगते सूरज की ओर ध्यान देते हुए नाला से कमल खिलाने के लिए अपने एवं अन्य को प्रोत्साहित करना है।

इस मौके पर पश्चिम बंगाल के विधायक अरुप साहा, भाजपा के वरीय नेता एवं पूर्व कृषि मंत्री सत्यानंद झा (बाटुल) के अलावा विष्णु मंडल, तारा प्रसन्न महतो सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नाला विधानसभा में भाजपा के उम्मीदवार माधव चंद्र महतो हैं, उनके सामने झामुमो के वर्तमान विधायक और झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो चुनावी मैदान में है। वहां 20 नवंबर को मतदान होना है।

राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा, सिर्फ लेकर घूमते हैं : जेपी नड्डा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ठाणे जिले में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है, वे सिर्फ संविधान हाथ में लेकर चिल्लाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी संविधान पढ़े रहते तो उन्हें पता रहता कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने आज ठाणे के गणमान्य व्यक्तियों, व्यापारियों और उद्योगपतियों सहित प्रभावशाली ठाणेकरों के साथ बातचीत की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए जब कांग्रेस की सरकार थी, तब कितने ओबीसी मंत्री उनके सरकार में थे। साथ ही राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि राजीव गांधी फाउंडेशन में, कांग्रेस कमेटी में कितने ओबीसी हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में पहली बार मुख्यमंत्री ने संविधान के तहत शपथ ली और अब कांग्रेस दोबारा अनुच्छेद 370 लागू करने की बात कर रही है। तुष्टीकरण के तहत कर्नाटक सरकार निविदाओं में 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना चाह रही है। वोट के लिए

बांग्लादेशियों को मुंबई में बसाया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि जब मुंबई में 26/11 का आतंकवादी हमला हुआ था, उस समय कांग्रेस की यूपीए सरकार पाकिस्तान में डोजियर लेकर घूम रही थी। उस समय आतंकी कसाब को बिरयानी खिलाई गई, जबकि हमारी सरकार ने आतंकियों के खात्मे के लिए हवाई हमला किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता विरोधी राजनीति को खत्म कर सत्ता समर्थक राजनीति की शुरुआत की है। साथ ही देश की राजनीति की दिशा बदल दी है, इसी वजह से राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें बार-बार सत्ता में आ रही हैं। उन्हों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अपनी दुकान में तुष्टीकरण, देश का विभाजन, जातिवाद और नफरत वाले उत्पाद बेचने और मोदी का विरोध करने का आरोप लगाया।

दुनिया में भारत एकमात्र देश, जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, किसी को सताया नहीं : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि भारत गुरूत्व शक्ति के आधार पर दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहता रहा है और ऐसा संभव भी हुआ है। भारत की विश्व गुरु बनने की कामना पूरी होकर रहेगी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है, जिसने ताकत बढ़ने से अपने पड़ोसी देश को नहीं सताया हो, किसी पर कब्जा नहीं किया हो। जब भी किसी देश की ताकत बढ़ती है तो उसका सदुपयोग या दुरुपयोग किया जाता है, लेकिन दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, किसी को सताया नहीं, किसी को लूटा नहीं। हमारे ग्रंथों में लिखा है सर्वे भवन्तु सुखिन॰ सर्वे संतु निरामया। हमने तो विश्व के सुख की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव शाम भोपाल के नीलबड़ स्थित ब्रह्मकुमारीज सुख शांति भवन में वैश्विक शिखर

सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शिखर सम्मेलन आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ और स्वच्छ समाज विषय पर केंद्रित था, जिसमें संस्था के अनुयायी और नागरिकगण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय और विधान सभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री का तिलक लगाकर, अंगवस्त्रम भेंट कर अभिनंदन किया गया और उन्हें भगवान श्री कृष्ण की तस्वीर भेंट की गई।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि विश्व में शांति, सह-अस्तित्व, विकास और सभी प्रकार के मानवोचित भाव को जागृत करने के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ को एक मंच के रूप में स्थापित किया गया। यह सत्य है कि यह मंच पिछली सदी में बना लेकिन भारत में आदिकाल से एक गुरुत्व शक्ति रही है। इससे ही भारत की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारे इसी जीवन की सारी तपस्या और साधना अंतत॰ हमारे शरीर के साथ आई और शरीर के साथ जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण ने पांच हजार साल पहले गीता में यही कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो इस शरीर में है वही ब्रह्माण्ड में है। कहा भी गया है यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे। आज मानव शरीर की किसी विकृति को दूर करने के लिए चिकित्सा विज्ञान भी मानव शरीर से ही अवयव प्राप्त करता है।

झांसी मेडिकल कॉलेज में अग्निकांड मामले की जांच के लिए कमेटी गठित

एजेंसी

लखनऊ। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने के कारणों की पड़ताल के लिए शासन ने महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जांच कमेटी में निदेशक स्वास्थ्य,चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं,अपर निदेशक विद्युत, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं और महानिदेशक, अग्निशमन द्वारा नामित अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी आग लगने का कारण, किसी भी प्रकार की लापरवाही और दोषी की पहचान के अलावा भविष्य में इस प्रकार की घटना न हो इस बारे में अपनी रिपोर्ट देगी। जांच कमेटी सात दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करायेगी। उल्लेखनीय है कि झांसी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार रात आग लगने के कारण 10 शिशुओं की मौत हो गयी थी।

झारखंड में फिर से बनेगी गठबंधन की सरकार : खड़गे

एजेंसी

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वह देश की प्रगति करने के बजाय अपनी कुर्सी की चिंता में रहते हैं। चौबीसों घंटे चुनाव प्रचार में ही लगे दिखते हैं। अपनी नाकामयाबी, झूठे वादों पर बात करने की बजाय राहुल गांधी, कांग्रेस परिवार पर अनर्गल आरोप लगाते हैं। उन्हें शहजादा, राजकुमार ना जाने क्या-क्या कहते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में फिर से गठबंधन की सरकार बनेगी। श्री खड़गे ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहने से लेकर पिछले 11 सालों से देश के प्रधानमंत्री रहने तक, उनके ऊपर महती जिम्मेदारी है। पर वे ना तो गुजरात की गरीबी दूर कर सके, ना देश के लिए कुछ खास कर सके। श्री खड़गे रांची में एक होटल में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कालाधन लाने और हर खाते में 15 लाख रुपये देने,

करोड़ों नौकरी देने, नोटबंदी,किसानों की आय डबल करने सहित कई ऐसे वादे रहे जो पूरे ही नहीं हुए। कांग्रेस पर वे झूठे आरोप लगाते राजनीति कर रहे। ऊपर थूकने वाले पर खुद ही गंदगी गिरती है। श्री खड़गे ने कहा कि पहले चरण का चुनाव झारखंड में हो चुका है। जो स्थिति है, फिर से हमारे गठबंधन की सरकार तय है। हेमंत सोरेन सरकार की मंईयां सम्मान योजना और हर माह एक हजार रुपये देने की पहल का खासकर महिलाओं ने स्वागत किया है। आगे दिसंबर से 2500 रुपये हम देंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भाजपा सरकार के जरिये महिलाओं को पैसे दिए जाते हैं पर समझ नहीं आता कि यहां की सरकार की ऐसी पहल को रोकने वे कोर्ट क्यों चले गए? भाजपा के हथकंडों के बावजूद झारखंड में दोबारा इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। राज्य सरकार ने आरक्षित वर्ग (एससी,एसटी,ओबीसी) के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने की पहल की पर राजभवन के जरिए इसे रोक दिया गया। जानबूझकर पीएम आवास योजना का लाभ नहीं दिया गया। जीएसटी का कितना पैसा झारखंड को मिला, यह केंद्र बताए। एक लाख 32 हजार करोड़ रुपये अबतक क्यों नहीं मिला। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यहां भी कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना की तरह कांग्रेस गारंटी स्कीम पर काम करेगी। महाराष्ट्र में भी ऐसा किया जा रहा। यहां सात गारंटी खास है।

स्वाधीनता के लिए युवाओं को प्रेरित करने का काम फिल्म ने किया : नरेन्द्र ठाकुर

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अटल बिहारी बाजपेई सभागार में अवध चित्र साधना की ओर से आयोजित फिल्म महोत्सव का शुभारंभ किया।

फिल्म महोत्सव को संबोधित करते हुए नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि फिल्म केवल मनोरंजन का साधन नहीं है। मनोरंजन के साथ ही लोगों को प्रेरणा देने और समाज-जीवन को बदलने और व्यक्ति को प्रभावित करने का काम फिल्म करती है। स्वाधीनता आन्दोलन में सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान रहा है। स्वाधीनता के लिए युवाओं को ?प्रेरित करने का काम फिल्म ने किया। वहीं सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में भी फिल्मों ने

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होने के कारण लोगों को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है लेकिन समाज को ध्यान में रखकर क्या कंटेंट जाना चाहिए क्या नहीं जाना चाहिए। इसलिए ओटीटी पर सरकार को नियम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज अच्छी फिल्म बन रही है। युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। जिस फिल्म में अच्छे कंटेंट नहीं है उसके बारे में बोलना भी चाहिए। अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख ने कहा कि फिल्म निर्माण में भारतीय दृष्टि होनी चाहिए। भारतीय दृष्टि से आशय समाज का भला जिसमें हो। उन्होंने कहा कि जैसे देवर्षि नारद पत्रकारिता के आदिपुरुष थे। उसी प्रकार दादा साहब फाल्के पहले भारतीय फिल्म निर्माता थे। पहली फिल्म उन्होंने राजा हरिश्चन्द्र पर बनाई थी। हरिश्चन्द्र सत्य के प्रतीक थे। भारत की संस्कृति व देश के लिए अगर परिवार व स्वयं का भी बलिदान देना पड़े तो भी पीछे नहीं हटना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म निर्माता अतुल पांडे ने कहा कि फिल्म निर्माण में शोध व लेखन बहुत आवश्यक है। अच्छी फिल्मों के लिए शोध परक लेखन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहे तो दुनिया बदल सकते हैं। हम वह कौम है जो चन्द्रमा पर बम फोडते। दुनिया में हर छठा आदमी भारत का है और भारत में हर छठा आदमी उत्तर प्रदेश का है इसलिए अगर हम चाह लें तो कुछ भी कर सकते है।

हेमंत सोरेन ने झारखंड को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और घुसपैठ का अड्डा बना दिया है : शिवराज

एजेंसी

गांडेय/जमुआ। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड के गांडेय विधानसभा क्षेत्र के कोवाड़ और जमुआ विधानसभा क्षेत्र के नवडीहा में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने झामुमो-कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने झारखंड को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, असुरक्षा और घुसपैठ का अड्डा बना दिया है। झारखंड की जनता ने इस चुनाव में झामुमो और कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार की विदाई तय कर दी

है। शिवराज ने कहा कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, हमें बंटना नहीं है, जुड़ना है, जुड़े रहेंगे तो जीतेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस-झामुमो देश को जातियों में बांटना चाहते हैं, तोड़ना चाहते हैं। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि हम घुसपैठियों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर देंगे। उन्होंने सवाल करते कहा कि आखिर ये घुसपैठिए क्या कांग्रेस- झामुमो के जमाई लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाते कहा कि इन्होंने झारखंड को लूटकर बर्बाद कर दिया है। नेता, मंत्रियों के घरों से करोड़ों रुपये निकल रहे हैं। ये पैसा हेमंत सोरेन के खानदान का नहीं है, झारखंड की जनता की खून-पसीने की कमाई का पैसा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हर दिन आपराधिक घटनाएं घट रही हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि हेमंत सोरेन ने 5 साल पहले हर बहन को प्रतिमाह 2000 रुपये देने का वादा किया था। 4 साल 10 महीने न तो इन्हें मैया याद आई, न ही सम्मान याद आया। अब वोट की बारी आई तो 1000 रुपये देकर बहनों को अपमानित कर रहे हैं। हेमंत सोरेन कह रहे हैं कि खटाखट पैसा डाल रहे हैं, अब जनता इन्हें सटासट हटाएगी।

जलगांव में चुनाव-प्रचार के दौरान गोविंदा की तबीयत अचानक बिगड़ी

एजेंसी

मुंबई। फिल्म अभिनेता और एनडीए गठबंधन के स्टार प्रचारक गोविंदा की जलगांव के मुक्ताईनगर में चुनाव-प्रचार के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल हेलीकॉप्टर से मुंबई लाया जा रहा है। मुंबई पहुंचने के बाद गोविंदा को अस्पताल में भर्ती करवाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार फिल्म स्टार गोविंदा एनडीए के सहयोगी दल शिवसेना शिंदे समूह के स्टार प्रचारक

हैं। गोविंदा आज जलगांव के मुक्ताईनगर विधानसभा क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान गोविंदा के पैर में दर्द होने लगा और वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद गोविंदा ने एनडीए उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की और अपना प्रचार बीच में ही स्थगित कर दिया। गोविंदा को हेलीकॉप्टर से मुंबई लाया जा रहा है। इसके बाद मुंबई में गोविंदा को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फिल्मस्टार गोविंदा कुछ महीने पहले शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए थे और उन्हें स्टार प्रचारक बनाया गया है। हाल ही में गोविंदा के ही आवास पर अचानक जब गोविंदा अपना पिस्तौल साफ कर रहे थे, उसी समय अचानक गोली चल गई थी जो उनके पैर में लग गई थी। जिससे गोविंदा घायल हो गए थे। आज चुनाव प्रचार के दौरान गोविंदा को जहां गोली लगी थी, वहां दर्द होने लगा था जिससे गोविंदा असहज महसूस करने लगे थे।

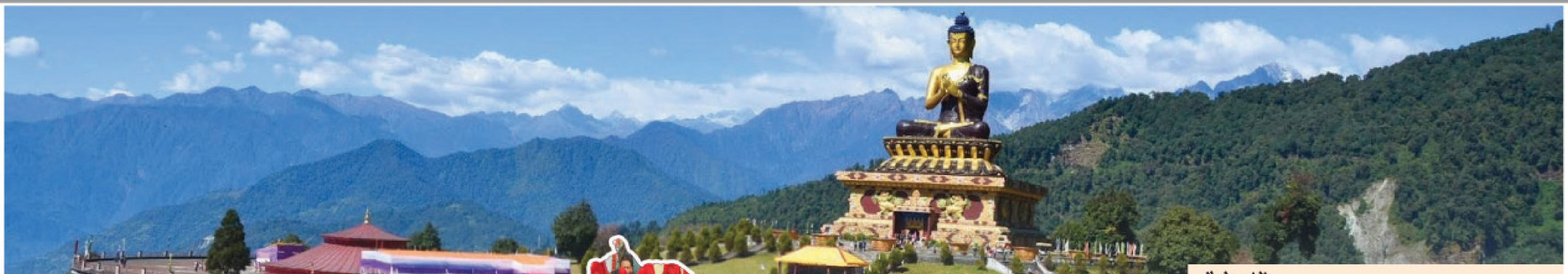

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमश: 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अत: राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा दुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा दुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्था पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों मे पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बर्ड्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

धर्मशाला के नरवाणा में धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कप का आगाज़

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के समीप नरवाणा स्थित पैराग्लाइडिंग साइट में धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कप का आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ टेक ऑफ साइट पर हवन यज्ञ के साथ हुआ। उसके बाद पायलटों को हरी झंडी दिखाकर टेक ऑफ करवाया गया। गौरतलब है कि 16 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता के लिए 13 देशों के 107 पायलटस ने पंजीकरण करवाया है। विश्व के 13 देशों में से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में भारत सहित नेपाल, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन मंगोलिया, सऊदी अरब, मेक्सिको और कजाकिस्तान के प्रतिभागी शामिल हैं।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी नरवाणा पैराग्लाइडिंग साइट पर एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कप का आयोजन किया गया था, जिसमें देश-विदेश के पायलटों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी।

पश्चिम बंगाल ने 23 स्वर्ण पदकों के साथ चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग के पहले दिन दबदबा बनाया

नई दिल्ली। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल में चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप के पहले दिन पश्चिम बंगाल के तैराकों का दबदबा रहा। इस चैंपियनशिप का आयोजन अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) कर रहा है। पश्चिम बंगाल की टीम ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कुल 23 स्वर्ण पदक जीते। महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल ने 12 स्वर्ण और पुरुष वर्ग में 11 स्वर्ण पदक जीते। वहीं, मेजबान दिल्ली ने पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 5 पदक जीते। पुरुषों ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीते और महिलाओं ने 2 कांस्य पदक जीते। जबकि महाराष्ट्र ने पुरुष और महिला वर्ग में एक-एक सहित दो स्वर्ण पदक जीते। पश्चिम बंगाल के लिए पुरुष वर्ग में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता हैं पुनित बगरोडिया (2 स्वर्ण), स्वर्णदीप शॉ, देबाग्निक दास, रोनित दास, अंगशुमन नाग, मिर्नाल डे, अरिंदम बिस्वास। जबकि महिला वर्ग में रितु बनर्जी (2 स्वर्ण), सुष्मिता दास, प्रकृति कुंडू, अहेली साहा, अनुष्का दास, हिया चक्रवर्ती, ऐश्वर्या गुप्ता, रूपाली मलिक और तृप्ति पाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते दिल्ली के लिए निकोलस मिली ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'सी' वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और विराट ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'ई' वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। सिमरन नाथ ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'डी वर्ग में रजत पदक जीता।

धर्मशाला के नरवाणा में धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कप का आगाज़

धर्मशाला। धर्मशाला के समीप नरवाणा स्थित पैराग्लाइडिंग साइट में धौलाधार पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कपका आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ टेक ऑफ साइट पर हवन यज्ञ के साथ हुआ। उसके बाद पायलटों को हरी झंडी दिखाकर टेक ऑफ करवाया गया। गौरतलब है कि 16 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता के लिए 13 देशों के 107 पायलटस ने पंजीकरण करवाया है। विश्व के 13 देशों में से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में भारत सहित नेपाल, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन मंगोलिया, सऊदी अरब, मेक्सिको और कजाकिस्तान के प्रतिभागी शामिल हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी नरवाणा पैराग्लाइडिंग साइट पर एक्यूरेसी प्री-वर्ल्ड कप का आयोजन किया गया था, जिसमें देश-विदेश के पायलटों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी।

यूएसपीएल 3:वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज रहकीम कॉर्नवाल संभालेंगे अटलांटा ब्लैककैप्स की कमान

फ्लोरिडा। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी रहकीम कॉर्नवाल फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होने वाले आगामी यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करेंगे।यूएसपीएल 3 का आयोजन 22 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया जाएगा।टूर्नामेंट को लेकर रहकीम कॉर्नवाल ने कहा कि, अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम में बेहतरीन खिलाड़ियों का संयोजन किया गया है और हमें बेसब्री से टूर्नामेंट का इंतजार है। पिछले सीजन में हम सेमीफाइनल में पहुंचे थे और मुझे उम्मीद है कि इस बार समापन ट्रॉफी पर पकड़ बनाने के साथ ही होगा।एंटीगुआ के क्रिकेटर ने आगे कहा, हर टीम अच्छा प्रदर्शन करना चाहती है और मुझे लगता है कि हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। प्रशंसक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखना चाहते हैं और यूएसपीएल सीज़न 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। मैं उम्मीद करता हूं कि हम एक कड़े प्रतिद्वंदी बनकर उभरेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच रोमांचक मुकाबले के साथ होगी, उसके बाद मैरीलैंड मावेरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच दूसरा मुकाबला खेला जाएगा।

लगातार 4 हार के बाद तमिल थलाइवाज ने चखा जीत का स्वाद, बंगाल वारियर्स को 15 अंक से हराया

एजेंसी

नोएडा। तमिल थलाइवाज ने लगातार चार हार के बाद फिर से जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वे सीजन के 57वें मैच में थलाइवाज ने बंगाल वारियर्स को 46-31 के अंतर से हराया। डिफेंस द्वारा जुटाए गए 19 प्वाइंट्स की मदद से थलाइवाज को 10 मैचों में चौथी जीत मिली जबकि बंगाल को लगातार तीसरी हार मिली।

थलाइवाज की जीत में रेडिंग से विशाल चहल (12), नरेंदर कंडोला (5) और मोइन शफागी (6) और डिफेंस से नितेश कुमार (6), आमिर हुसैन बस्तामी (7) का योगदान रहा। बंगाल की बात करें तो रेडिंग में नितिन (8) और विश्वास (9) के अलावा डिफेंस से नितेश (4) और फजल अतराचली (4) ने अच्छा प्रदर्शन किया।इस अहम मुकाबले में वारियर्स ने अच्छी शुरुआत कर 10 मिनट बाद 10-6 की लीड बना ली थी। इसमें विश्वास के सुपर रेड का योगदान है। दोनों टीमों ने हालांकि सावधान शुरुआत की थी। चार मिनट बाद स्कोर 2-2

था और फिर 4-4 हुआ लेकिन फिर बंगाल ने नितेश के टैकल्स की बदौलत तीन अंक की लीड लेकर विश्वास के सुपर रेड का इंतजार किया। ब्रेक के बाद थलाइवाज ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 9-10 किया। फिर चार के डिफेंस विशाल ने सुपर रेड करते हुए न सिर्फ थलाइवाज को आगे किया बल्कि बंगाल को आलआउट की ओर धकेल दिया। फजल आए। बोनस लिया और लपके गए। पासा पलट चुका था। थलाइवाज 15-11 से आगे थे। आलइन के बाद बंगाल ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 13-15 किया लेकिन सचिन की जगह खेल रहे विशाल ने फासला तीन का कर दिया। अगली रेड पर विशाल ने फजल का शिकार कर बंगाल को बड़ा झटका दिया। फिर डू ओर डाई रेड पर विश्वास को लपक थलाइवाज ने स्कोर 18-13 कर लिया। बंगाल ने अपने डिफेंडरों के दम पर लगातार तीन अंक लेते हुए वापसी की राह पकड़ी और हाफटाइम तक स्कोर 16-18 कर दिया। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने दबदबा कायम रखा और जल्द ही पांच अंक की लीड ले ली।

थलाइवाज रोके नहीं रुक रहे थे। स्थानापन्न के तौर पर आए सुशील को लपक नितेश ने चौथा शिकार किया। फिर थलाइवाज ने बंगाल को दूसरी बार आलआउट करते हुए 26-16 की लीड ले ली। आलइन के बाद बंगाल ने 1 के मुकाबले दो अंक लेकर वापसी करनी चाही लेकिन शफागी ने सुपर रेड के साथ उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बंगाल एक बार फिर सुपर टैकल सिचुएशन में थे। विश्वास ने हालांकि दो अंक की रेड के साथ उसे इस स्थिति से निकाल दिया। अब 10 मिनट बाकी थे और थलाइवाज 32-20 से आगे थे। सागर के सेल्फ आउट होने से बंगाल फिर सुपर टैकल सिचुएशन में थे। वे इसका फायदा नहीं उठा सके और तीसरी बार आलआउट हो गए।विशाल ने सुपर-10 और थलाइवाज के नितेश ने हाई-5 पूरा किया। थलाइवाज अब 38-22 की लीड पर थे। बंगाल ने हालांकि शानदार वापसी करते हुए दो के मुकाबले छह अंक हासिल किए लेकिन लगातार तीन सुपर टैकल्स के साथ थलाइवाज ने उसकी वापसी की कोशिश बेकार कर दी।

आराध्या यादव का तिहरा शतक, यूपी ने 587 रन पर घोषित की पारी

एजेंसी

कानपुर। आराध्या यादव (320) के तिहरे विस्फोटक शतक की मदद से उत्तर प्रदेश कर्नल सीके नायडू ट्राफी के दूसरे दिन गोवा के खिलाफ अपनी पहली पारी चार विकेट पर 587 रन बना कर घोषित कर दी। ग्रीनपार्क स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय गोवा ने अपनी पहली पारी में एक विकेट खोकर 82 रन बना लिये थे। अजान थोता 39 और कौशल हट्टागंडी 20 रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। आज के खेल का मुख्य आकर्षण आराध्य का तिहरा शतक था जो उन्होने मात्र 412 गेंदो पर 38 चौके और एक छक्के की मदद से पूरा किया। उनके आउट होने के बाद शोएब सिद्दिकी (100) और प्रशांत वीर (100 नाबाद) का भी बल्ले से योगदान दर्शकों के रोमांच की वजह बना।

स्पेंसर जानसन के पंजे से बेवश पाकिस्तान की हार

एजेंसी

सिडनी। स्पेंसर जानसन (26 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां पाकिस्तान को दूसरे टी20 मैच में 13 रन से हरा कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 147 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 134 रन बना कर आउट हो गयी। उस्मान खान (52) और इरफान खान (37 नाबाद) के अलावा पाकिस्तान के किसी और बल्लेबाज के पास आस्ट्रेलिया आक्रमण का जवाब नहीं था। पाकिस्तान के आठ बल्लेबाज अपने निजी स्कोर को दहाई के अंक तक भी ले जाने में असफल रहे जबकि इनमें से चार तो अपना खाता भी नहीं खोल सके। इरफान ने हालांकि मात्र 28 गेंदो की नाबाद पारी में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और चार चौके और एक छक्का लगा कर मैदान पर गर्मी ला दी

वहीं इससे पहले उस्मान ने अपनी अर्धशतकीय पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। उस समय ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान मेजबान टीम द्वारा दिये गये लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लेगा मगर जानसन ने उनके अरमानो पर पानी फेर दिया।

इससे पहले आस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत के बावजूद 147 रन का मामूली स्कोर खड़ा किया। हारिस रउफ (22 रन पर चार विकेट) और अब्बास अफरीदी (17 रन पर तीन विकेट) ने कंगारु बल्लेबाजों की जम कर क्लास ली वहीं सुफियान मकीम (21 रन पर दो विकेट) ने भी मेहमान बल्लेबाजों को प्रभावित किया। मैथ्यू शार्ट (32),जेक फ्रेज़र-मक्गर्क (20),ग्लेन मैक्सवेल (21) और एरेन हार्डी (28) ही पाक गेंदबाजों का कुछ समय तक लोहा ले सके।

शुभमन चोटिल,शीर्ष क्रम में असमंजस की स्थिति

एजेंसी

पर्थ। रत के इंट्रा स्क्वाड मैच के दूसरे दिन स्लिप में फ़ील्डिंग के दौरान शुभमन गिल को हाथ में चोट लगने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफ़ी के पहले टेस्ट मैच में भारतीय शीर्ष क्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बढ़त गई है। गिल को बाएं हाथ में चोट लग गई जिसके बाद वह पूरे दिन फ़ील्डिंग के लिए नहीं आए। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस चोट के चलते 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए गिल के खेलने पर सवाल खड़ा हो सकता है या नहीं। ऐसी ख़बर थी कि न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ घर सूपड़ा साफ़ होने के बाद रोहित ने टीम के साथ पहले ऑस्ट्रेलिया जाकर अभ्यास करने और फिर बच्चे के जन्म के दौरान भारत वापस आने की योजना भी बनाई थी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह अब पर्थ टेस्ट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे या नहीं।पारी की शुरुआत करने के फ़ील्डिंग भी नहीं की। भारतीय टीम के पास शीर्ष क्रम में अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में भी एक विकल्प

एक अन्य दावेदार केएल राहुल को मैच सिमुलेशन के पहले दिन शॉर्ट गेंद पर कोहनी में चोट लग गई थी। वह इसके बाद बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। वहीं शनिवार को उन्होंने मौजूद है। शुक्रवार को दो बार बल्लेबाज़ी करने वाले गिल ने पहली बार में 28 रन मारे थे, नवदीप सैनी की बैक ऑफ़ लेंथ गेंद पर वह गली में कैच आउट हो गए थे।

राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैंपियनशिप में पश्चिम बंगाल ने 23 पदक, दिल्ली ने 5 पदक जीते

एजेंसी

नयी दिल्ली। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल में चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप के पहले दिन पश्चिम बंगाल के तैराकों का दबदबा रहा। अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) द्वारा आयोजित चैम्पियनशिप में पश्चिम बंगाल की टीम ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कुल 23 स्वर्ण पदक जीते। महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल ने 12 स्वर्ण और पुरुष वर्ग में 11 स्वर्ण पदक जीते। मेजबान दिल्ली ने जीते, पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 5-5 पदक। पुरुषों ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीते और महिलाओं ने 2 कांस्य पदक जीते। महाराष्ट्र ने पुरुष और महिला वर्ग में एक-एक सहित दो स्वर्ण पदक जीते। पश्चिम बंगाल

के लिए पुरुष वर्ग में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता हैं पुनित बगरोडिया (2 स्वर्ण), स्वर्णदीप शॉ, देबाग्निक दास, रोनित दास, अंगशुमन नाग, मिर्नाल डे, अरिंदम बिस्वास। महिला वर्ग में रितु बनर्जी (2 स्वर्ण), सुष्मिता दास, प्रकृति कुंडू, अहेली साहा, अनुष्का दास, हिया चक्रवर्ती, ऐश्वर्या गुप्ता, रूपाली मलिक और तृप्ति पाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। दिल्ली के लिए निकोलस मिली ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'सी' वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और विराट ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'ई' वर्ग में पहला स्थान हासिल किया।सिमरन नाथ ने लड़कों के बी-आई फिन्स 200 मीटर जूनियर 'डी' वर्ग में रजत पदक जीता। निष्ठा पटले ने लड़कियों की बी-आई फिन्स 400 मीटर जूनियर 'बी' श्रेणी में कांस्य पदक जीता। एनिका अग्रवाल ने लड़कियों के बी-आई फिन्स 200 एम जूनियर बी वर्ग में जीत हासिल की। इस चैंपियनशिप में पूरे भारत से लगभग 28 राज्य इकाइयों और 400 से अधिक जिलों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया है और 1500 से अधिक प्रतिभागी 186 स्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं और दोनों लिंगों में सभी आयु वर्गों में 558 पदक पदों के लिए प्रतिस्पर्धा होगी।

जीएसएल 2024: गुडाकेश मोती गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम में शामिल हुए

एजेंसी

जॉर्ज टाउन (गुयाना)। स्पिन गेंदबाज गुडाकेश मोती एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2024 के लिए गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम का हिस्सा होंगे। 2021 में फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण करने के बाद से ही मोती अमेजन वॉरियर्स के लिए एक अहम खिलाड़ी रहे हैं। वह 2023 में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और 2024 सीपीएल फाइनल में अमेजन वॉरियर्स के लिए खेले थेमोती सीपीएल 2024 के दौरान वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने सिर्फ 18.64 की औसत से 17 विकेट चटकाए थे। वह गुयाना के अपने साथी खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड और कीमो पॉल के साथ मिलकर वॉरियर्स की मजबूत

टीम में शामिल हो गए हैं।ग्लोबल सुपर लीग 26 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें अमेजन वॉरियर्स का मुकाबला हैम्पशायर हॉक्स, लाहौर कलंदर्स, रंगपुर राइडर्स और विक्टोरिया से होगा। सभी मैच गुयाना नेशनल स्टेडियम, प्रोविडेंस में होने वाले हैं।

आस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने के फैसले का पोटिंग ने किया बचाव

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपने प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने के ऑस्ट्रेलिया के फैसले का बचाव किया है।ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के निर्णायक मैच में कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, और कंगारु टीम 22 साल में पहली बार घरेलू सरजमीं पर श्रृंखला 2-1 से हार गई।

पर्थ में अंतिम वनडे में जब सीरीज 1-1 से बराबरी पर थी, तब मेजबान टीम ने स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आराम देने का फैसला किया। ये सभी खिलाड़ी पर्थ में भारत के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा हैं जिसके चलते पाकिस्तान ने वह वनडे आसानी से आठ विकेट से जीत लिया। पोंटिंग ने कहा, 'इस पर नजर डालें तो यह कुछ ऐसा रहा होगा जिसका फैसला बहुत पहले ही कर लिया गया था क्योंकि सीरीज 1-1 से बराबर होने के कारण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमों को हारना पसंद नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक अपनी टीम को हारते हुए देखना पसंद नहीं करते और मुझे लगता है कि पिछले कुछ दिनों में यह बात उजागर हुई है। इस श्रृंखला जीत से पहले, पाकिस्तान की ऑस्ट्रेलियाई धरती पर आखिरी एकदिवसीय श्रृंखला जीत 2002 में हुई थी। तब से, उन्होंने दो दौरों (2009/10 और 2016/17) में 10 एकदिवसीय मैच खेले, और केवल एक बार जीत हासिल की। अंतिम वनडे और टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत के बीच लंबे अंतराल को देखते हुए, प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने के फैसले पर सवाल उठाए गए थे। पोंटिंग ने कहा, लोगों को शायद सबसे अधिक निराशा वाली बात यह लगी कि तीसरे वनडे और पहले टेस्ट के बीच कितना बड़ा अंतर था।ऑस्ट्रेलिया के प्रबंधन ने एकदिवसीय श्रृंखला के तत्काल परिणाम पर खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का विकल्प चुना और पोंटिंग का मानना ??है कि पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए यह टीम के लिए फायदेमंद साबित होगा। पोंटिंग ने कहा, इसे देखने का दूसरा पहलू यह है कि इन लड़कों को अब काफी कम समय में लगातार पांच टेस्ट मैच खेलने हैं और निश्चित रूप से, तेज गेंदबाजों के लिए, यह कभी भी आसान नहीं है। मुझे यकीन है कि योजना उन लोगों को यह देने की थी कि ब्रेक उन्हें टेस्ट श्रृंखला के अंत तक थोड़ा तरोताजा और स्वस्थ बना देगा।हालाँकि, पोंटिंग ने यह भी कहा कि अकेले आराम करने से लंबी टेस्ट श्रृंखला की शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों का समाधान नहीं हो सकता है। उन्होने अपने पिछले दौरे में भारत के उदाहरण की ओर इशारा किया जब उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने के लिए कई चोटों पर काबू पाया था। उन्होंने कहा, 'पिछली बार जब भारत यहां था तो हमने देखा कि वे आस्ट्रेलिया से ज्यादा संघर्ष कर रहे थे। उन्हें रास्ते में हर तरह की चोटें लगीं और फिर भी उन्होंने खड़े होने और जीतने का रास्ता ढूंढ लिया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने चीन पर 3-0 से जीत दर्ज की

एजेंसी

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को यहां राजगीर हॉकी स्टेडियम में बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 के अपने अंतिम ग्रुप चरण मैच में चीन को 3-0 से हरा दिया।

हैवीवेट मुकाबले में संगीता कुमारी (32), सलीमा टेटे (37) और दीपिका (60) ने भारत की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया। इस खेल ने तालिका के शीर्ष पर भारत की स्थिति को मजबूत कर दिया, जबकि दीपिका ने भी गोल स्कोरिंग चार्ट के शीर्ष पर अपना स्थान सुरक्षित कर लिया, अब उनके नाम पर 8 गोल हो गए हैं। भारत ने शुरूआती सीटी बजने से ही पहल की और दीपिका ने सीटी बजने के कुछ सेकंड के भीतर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। उसने गोल की ओर एक शक्तिशाली फ्लिक का प्रयास किया, लेकिन चीन के गोलकीपर सुरोंग वू ने जोरदार बचाव किया। भारत ने चतुराईपूर्ण पास और चतुर चाल से गति निर्धारित की, जबकि चीन केवल कभी-कभार जवाबी हमले ही कर सका।

क्वार्टर के पांच मिनट बाद शर्मिला ने आधी लाइन पर गेंद उठाई और शूटिंग सर्कल की ओर ले गईं। वह सुनेलिटा के पास गई, लेकिन हमलावर गोलकीपर ने उसके प्रयास को विफल कर दिया। चीन ने खेल में प्रगति की और कुछ क्षेत्र हासिल कर लिया, कोई भी टीम दूसरे की रक्षा को तोड़ने में कामयाब नहीं हुई और पहला क्वार्टर गोलरहित समाप्त हुआ। चीन को जवाबी हमले का पहला मौका दूसरे क्वार्टर में मिला। चेनचेंग लियू ने गेंद को गोल के पार फेंक दिया, जिससे भारतीय गोलकीपर बिचू हाथापाई करने लगे, लेकिन गेंद को अंदर डालने के लिए कोई भी मौजूद नहीं था। भारत ने क्वार्टर में पांच मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन उदिता के शॉट को आसानी से रोक दिया गया। अगला मौका चीन की यानान जू को मिला, जिन्होंने बाएं विंग से रिवर्स टॉमहॉक का प्रयास किया, लेकिन उनका शॉट साइड नेट में लग गया। भारत ने जवाब में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वे भी इसे गोल में बदलने में नाकाम रहे। खेल अंत-से-अंत तक अधिक जटिल हो गया, कोई भी टीम एक इंच भी देने को तैयार नहीं थी और गतिरोध दूसरे हाफ तक जारी रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने एक कदम आगे बढ़ाया। दीपिका ने पिच के ऊपर एक मिसपास का फायदा उठाया और लालरेम्सियामी को शूटिंग सर्कल के केंद्र में अकेला पाया, लेकिन उनका पहली बार का शॉट आसानी से दूर चला गया। निडर होकर, भारत ने फिर से कब्ज़ा कर लिया, और सुशीला ने बैक लाइन से संगीता कुमारी को एक भ्रामक पास दिया, जिसने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए रॉकेट पास को गोल में बदल दिया, जिससे गतिरोध टूट गया।पांच मिनट बाद, प्रीति दुबे ने बेसलाइन के साथ एक शानदार ड्राइव शुरू की और एक अज्ञात सलीमा टेटे को पास दिया, जिन्होंने सर्कल में देर से दौड़ लगाई और गेंद को गोल में धकेल दिया, जिससे भारत की बढ़त दोगुनी हो गई। शेष क्वार्टर में स्कोर करने की कुछ और धमकियों के बावजूद, दोनों टीमें फिनिशिंग टच नहीं पा सकीं।

बेंगलुरू बुल्स को 10 अंक से हराकर पांचवें स्थान पर पहुंचे दबंग दिल्ली केसी

एजेंसी

नोएडा। दबंग दिल्ली केसी ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 58वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 35-25 से अंतर से हराकर अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। बीते चार मैचों से दिल्ली की टीम अजेय है, जबकि बुल्स को लगातार तीसरी और 10 मैचो में कुल आठवीं हार मिली है। अंक तालिका में दो स्थान की छलांग लगाने वाली दिल्ली की जीत में आशू मलिक (14) एक बार चमके। इसके अलावा डिफेंस मे योगेश ने पांच और संदीप तथा आशीष ने तीन-तीन अंक जुटाए। बुल्स के लिए नितिन रावल ने शानदार हाई-5 के साथ सात अंक बटोरे। परदीप नरवाल (5) ने हालांकि निराश किया। बहरहाल, आशू ने एक बेहतरीन मल्टी प्वाइंट रेड के साथ दिल्ली को 3-0 की लीड दिलाई, लेकिन जयभगवान ने भी मल्टी प्वाइंट रेड के साथ हिसाब चुकता किया। फिर नितिन ने आशू का शिकार कर स्कोर 3-3 कर दिया। फिर 4-3 के स्कोर पर दिल्ली के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर आए जयभगवान को लपक लिया। प्रतीक ने हालांकि इसी तरह की रेड पर विनय को लपक लिया। रिवाइव होकर आए जयभगवान फिर डू ओर डाई रेड पर आए और लपके गए। अब तक दिल्ली को 6-4 की लीड

मिल चुकी थी। मोहित ने इसके बाद खाता खोलते हुए फासला 03 का कर दिया। इसके 10 मिनट के बाद दिल्ली 8-5 से आगे थी। ब्रेक के बाद विनय ने परदीप को लपक फासला 04 का कर बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। बुल्स ने इसका फायदा उठाया और नितिन ने आशू का शिकार कर स्कोर 8-10 कर दिया। दिल्ली ने फिर दो अंक लेकर बुल्स को सुपर टैकर सिचुएशन में ला दिया। हाफटाइम के बाद पांच मिनट के खेल में दिल्ली ने दो के मुकाबले तीन अंक लेकर 06 अंक का फासला बनाए रखा। इस बीच नितिन ने डू ओर डाई रेड पर विनय का शिकार कर सीजन का तीसरा हाई-5 पूरा किया। नितिन यहीं रुके और मोहित को लपक 17-22 कर दिया। फिर अक्षित ने फासला 4 का कर दिया। खेल 10 मिनट बचे थे और दिल्ली 23-19 से आगे थी। ब्रेक के बाद आशू ने सुपर रेड फासला फिर 07 कर दिया। अब डेढ़ मिनट का खेल बचा था और दिल्ली 06 अंक से आगे थी। इसी बीच आशू डू ओर डाई रेड पर आए। आशू ने बुल्स को सुपर टैकल का मौका नहीं दिया और उसे आलआउट करते हुए 34-24 की लीड के साथ अपनी टीम की जीत पक्की कर दी।

नयन तारा

ने पति और जुड़वा बच्चों संग शेयर की तस्वीरें, धोती-कुर्ता में प्यारे लगे उइर-उलाग

एक्ट्रेस नयनतारा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैमिली संग बिताए लम्हों की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में नयनतारा ने पति विग्नेश शिवन और बच्चों उइर और उलाग संग प्यारी सी तस्वीरें शेयर की हैं। अपनी इस पोस्ट के जरिए नयनतारा ने सभी को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। इन तस्वीरों में सभी का ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो नयनतारा लाइट ग्रीन साड़ी में बला की खूबसूरत दिख रही हैं।

मिनिमल मेकअप, माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर नयनतारा के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। साथ ही में पारंपरिक लुक लाने के लिए उन्होंने बालों में गजरा भी लगाया है। वहीं विग्नेश शिवन व्हाइट कुर्ता और धोती में नजर आ रहे हैं। उइर और उलाग भी पापा संग ट्विनिंग किए हैं। दोनों कुर्ता और धोती में बेहद प्यारे लग रहे हैं।

बता दें कि नयनतारा की बायोग्राफी फिल्म नयनतारा बियॉन्ड द फेरीटेल का ट्रेलर फ्लिक्स ने रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में नयनतारा खुद ही अपने करियर में संघर्ष, ऊंचाई और पति विग्नेश से प्यार फिर शादी से जुड़ी खास बातें बताती नजर आ रही हैं। इस ट्रेलर में उनकी फिल्मों और उपलब्धियों के साथ संघर्ष को भी दिखाया गया है।

कार्तिक आर्यन

ने Bhool Bhulaiyaa 3 के जरिए दिया ऐसा सक्सेस मंत्र, जो एक और फिल्म को ब्लॉकबस्टर बना देगा!

Bhool Bhulaiyaa 3 की कामयाबी से कार्तिक आर्यन गदगद हैं, और गदगद हों भी क्यों ना फिल्म ने एक कल्ट क्लासिक फिल्म का सीक्वल होने के बाद भी लोगों के दिलों में जगह हासिल कर ली है. भूल भुलैया 3 के बाद कार्तिक नए रोल की तैयारी कर रहे हैं. बीते दिनों खबर आई थी कि कार्तिक अपनी भूल भुलैया 3 कोस्टार तृप्ति डिमरी के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाएंगे. कार्तिक कहीं ना कहीं जनता का मन पढ़ चुके हैं और जानते हैं कि फ्रेंचाइज फिल्मों को जनता प्यार देती है.

अब कार्तिक अपनी इसी स्ट्रैटजीको अपनी फिल्म आशिकी 3 के लिए भी इस्तेमाल करना चाहते हैं.रोमांटिक ड्रामा 'आशिकी' फ्रेंचाइजी की थर्ड सीक्वल फिल्म 'आशिकी 3' की अनाउंसमेंट साल 2022 में की गई थी, तबसे अब तक फिल्म को लेकर काफी कुछ सामने आ चुका है. टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार और निर्देशक मुकेश भट्ट ने कार्तिक आर्यन की इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को बनाने का फैसला लिया था, जिसमें कार्तिक के साथ तृप्ती डिमरी को कास्ट किया जाना है, हालांकि फिल्म की अनाउंसमेंट से पहले ही विवाद हो गया था.

कार्तिक ने क्या कहा ?

डायरेक्टर के तौर पर 'बर्फी' फेम अनुराग बसु का नाम सामने आया था, लेकिन फिर निर्माताओं में इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक किसे मिलेगा जिसके बाद फिल्म का नाम बदले जाने की खबरें सामने आ रही हैं. हालांकि, कार्तिक ने ये सलह दी है कि इस फिल्म का नाम बदला ना जाए, बल्कि फिल्म को आशिकी के फ्रेंचाइज के अंडर ही बनाया जाए क्योंकि ये फिल्म को एक नई हाइप दे सकता है और लोगों का फ्रेंचाइजी पर पहले से भरोसा है जो फिल्म को और कामयाब बना सकता है.

स्टैंडअलोन फिल्म होगी 'आशिकी 3'?

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, कार्तिक आर्यन ने फिल्म का टाइटल पाने के लिए टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार को मुकेश भट्ट से संपर्क करने की सलाह दी है.

कार्तिक को यकीन है कि उन्हें टाइटल जरूर मिल जाएगा. जानकारी तो यह भी है कि कार्तिक आर्यन रोमांटिक ड्रामा 'आशिकी' फ्रेंचाइजी की थर्ड सीक्वल 'आशिकी 3' को एक स्टैंडअलोन फिल्म के रूप में पेश करना चाहते हैं.

कंपनियों के बीच के विवाद

दोनों कंपनियों के बीच के विवाद की बात की जाए तो, टी-सीरीज और विशेष फिल्म्स ने मिलकर 1990 में आशिकी बनाई थी, जिसके बाद से इस फ्रेंचाइजी ने इसके सीक्वल के साथ भी थिएटर में कमाल किया था. कुछ वक्त पहले से इसके तीसरे सीक्वल पर टी-सीरीज की तरफ से कुछ अपडेट मिलने लगे, लेकिन उनकी तरफ से इसे लेकर कोई क्लारिफिकेशन नहीं दिया गया.

जी भर जियो... 'वीर जारा' के बाद अब शाहरुख खान की 21 साल पुरानी ये फिल्म हो रही है दोबारा रिलीज

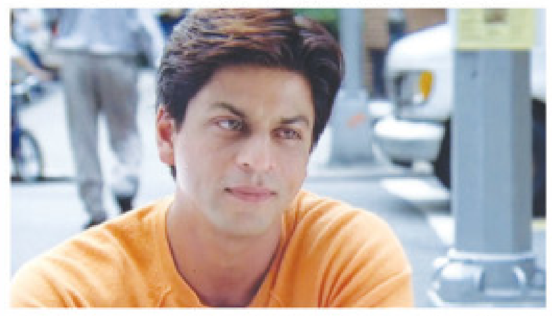

पिछले कुछ समय से पुरानी फिल्मों की री-रिलीज का सिलसिला चल रहा है. 'रॉकस्टार', 'लैला मजनू' समेत कई फिल्में पिछले कुछ समय में दोबारा रिलीज हुई हैं. वहीं हाल ही में शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की रोमांटिक फिल्म 'वीर जारा' भी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर लगी. वहीं अब इस लिस्ट में शाहरुख की एक और फिल्म का नाम जुड़ने जा रहा है.हम शाहरुख की जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो है साल 2003 में रिलीज हुई 'कल हो न हो', जिसे निखिल आडवाणी ने डायरेक्ट किया था. करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी ये फिल्म एक बार फिर से सिनेमाघरों में लगने जा रही है. धर्मा के सोशल मीडिया पेज के जरिए इसकी जानकारी दी गई है.

कब री-रिलीज होगी शाहरुख खान की फिल्म ?

दरअसल, कुछ दिन पहले धर्मा प्रोडक्शन के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा गया था, 6 दिन सरप्राइज इन. इस लाइन से लग रहा था कि मेकर्स 'कल हो न हो' से जुड़ा कुछ सरप्राइज देने वाले हैं. वहीं री-रिलीज के तौर पर मेकर्स ने उस सरप्राइज से पर्दा उठा दिया है.

एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी गई कि ये फिल्म 15 नवंबर को दोबारा रिलीज हो रही है. शाहरुख खान के साथ प्रीति जिंटा और सैफ अली खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. मेकर्स ने पोस्ट में लिखा, लाल अब सबके दिल का हाल है, होने वाला अब कमाल है. साथ ही एक पोस्टर भी शेयर किया गया है, जिस पर पिक्चर का डायलॉग लिखा, हर पल यहां जी भर जियो.

21 साल पहले फिल्म ने कितने पैसे कमाए थे ?

15 नवंबर से आप इस फिल्म को एक बार फिर से पीवीआर और आईनॉक्स सिनेमा में देख सकेंगे. जब 21 साल पहले ये फिल्म थिएटर्स में लगी थी तो इसे लोगों का खूब प्यार मिला था. 28 करोड़ में बनी इस पिक्चर ने वर्ल्डवाइड 86 करोड़ रुपये की कमाई की थी और हिट रही थी.

'सिंघम अगेन' के नए किरदार का जलवा, कब आएगी दीपिका पादुकोण की लेडी सिंघम?

हाल ही में रिलीज हुई रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल की कमाई के साथ ही 200 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है. इस फिल्म में कॉप यूनिवर्स के सभी पुराने किरदार शामिल हैं, जिसमें सिंघम के साथ ही साथ 'सिम्बा', 'सूर्यवंशी' भी हैं. हालांकि, इस फिल्म में पहली बार कॉप यूनिवर्स की किसी फीमेल पुलिस ऑफिसर को दिखाया गया है, जिसका किरदार दीपिका पादुकोण ने निभाया है.'सिंघम अगेन' में 'शक्ति शेट्टी यानी लेडी सिंघम' के किरदार को लोगों ने बहुत प्यार दिया है और जल्द ही इस कैरेक्टर पर स्टैंड अलोन फिल्म का वेट कर रहे हैं. हालांकि, फिल्म के डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने दीपिका के कैरेक्टर पर बनने वाली फिल्म को लेकर कंफर्मेशन दे दी है, लेकिन फिल्म कब तक आएगी इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं है. उन्होंने इस फिल्म के बारे में कहा,

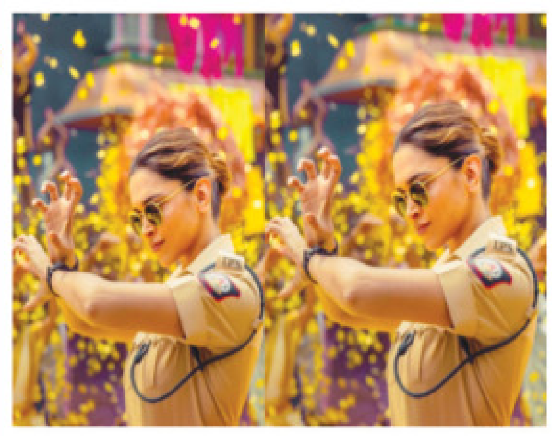

हमारे दिमाग में एक कॉन्सेप्ट है, लेकिन हमें ये नहीं पता है कि इसे हम कहां तक ले जा सकते हैं.

'लेडी सिंघम' पर फिल्म बनना तय

साल 2023 में रोहित शेट्टी ने 'सिंघम अगेन' के लिए 'लेडी सिंघम' के तौर पर दीपिका पादुकोण का पहला लुक रिलीज किया था. उस वक्त उन्होंने लिखा था कि 'नारी सीता का भी रूप है और दुर्गा का भी. हमारे कॉप यूनिवर्स में सबसे खतरनाक और हिंसक पुलिस से मिलें, शक्ति शेट्टी मेरी लेडी सिंघम, दीपिका पादुकोण.' रोहित ने न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान कहा कि 'लेडी सिंघम' पर फिल्म बनना तय है, अगर ऐसा नहीं होता तो उसके कैरेक्टर को लोगों के बीच लाया ही नहीं जाता.

अच्छे स्क्रिप्ट का कर रहे थे इंतजार

किरदार के बारे में बात करते हुए फिल्म मेकर ने कहा कि मुझे ये पता है कि ये रोल कैसा होने वाला है और इसकी कहानी क्या होने वाली है, लेकिन डायरेक्टर और राइटर होने के लिहाज से देखा जाए तो उसके सफर के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है. 'लेडी सिंघम' को दुनिया के सामने लाने के लिए रोहित शेट्टी एक अच्छे स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे, जो कि 'सिंघम अगेन' है. फीमेल पुलिस ऑफिसर का कॉन्सेप्ट उनके दिमाग में 'सूर्यवंशी' के दौरान आया था.